● सीधी, सिंगरौली,मऊगंज, रीवा एवं भोपाल से एक साथ प्रकाशित ● website-https://vindhyatiger.in ● epaper-https://epaper.vindhyatiger.in ● वर्ष : 37, अंक 113, पृष्ठ : 08, सीधी, शुक्रवार , 30 मई 2025 - मूल्य : 2.00 रुपया मात्र

दैनिक समाचार पत्र

विन्ध्य टाइगर

हक की बात, बुलंदी के साथ

कमल हसन को इतिहास की जानकारी नहीं : सिद्धरमैया 5

जीटी और एमआई के बीच रोमांचक मुकाबले की उम्मीद 6

21वीं सदी में भारत समृद्धि की लिख रहा नई गाथा : पीएम

कोलकाता

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पश्चिम बंगाल की धरती पर सत्तारूढ़ ममता बनर्जी की सरकार को जमकर घेरा। अलीपुरद्वार में एक विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने तृणमूल कांग्रेस के शासन पर तंज कसा। उन्होंने कहा कि मुर्शिदाबाद में जो कुछ हुआ... मालदा में जो कुछ हुआ... वो यहां की टीएमसी सरकार की निर्ममता का उदाहरण है। बंगाल की जनता को अब टीएमसी सरकार के सिस्टम पर भरोसा नहीं है। यहां की जनता के पास अब सिर्फ कोर्ट का ही आसरा है। इसलिए पूरा बंगाल कह रहा है- बंगाल में मची चीख-पुकार, नहीं चाहिए निर्मम सरकार!

उन्होंने कहा कि 21वीं सदी में भारत नए सामर्थ्य के साथ समृद्धि की नई गाथा लिख रहा है। आज देश का हर नागरिक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए दिनरात जुटा है। विकसित भारत बनाने के लिए पश्चिम बंगाल का भी विकसित होना बहुत जरूरी है। इसलिए पश्चिम बंगाल को भी नई ऊर्जा के साथ जुटना है। बंगाल को फिर उसी भूमिका में आना होगा, जो कभी यहां की पहचान थी।

इसके लिए जरूरी है कि पश्चिम बंगाल फिर से शिक्षा का, ज्ञान-विज्ञान का केंद्र बनें। बंगाल मेक इन इंडिया का एक बहुत बड़ा सेंटर बने। बंगाल अपनी विरासत पर गर्व करते हुए, उसे संरक्षित करते हुए तेज गति से आगे बढ़े।

पीएम मोदी ने कहा, केंद्र की भाजपा सरकार इसी संकल्प के साथ काम कर रही है। भाजपा पूर्वोदय की नीति पर चल रही है। बीते दशक में यहां के विकास के लिए भाजपा सरकार ने हजारों-करोड़ का निवेश किया है।

उन्होंने कहा कि आज पश्चिम बंगाल एक साथ कई संकटों से घिरा हुआ है। एक संकट समाज में फैली हिंसा और अराजकता का है। दूसरा संकट माताओं बहनों को असुरक्षा का है, उनके साथ हो रहे जघन्य अपराधों का है। तीसरा संकट नौजवानों में फैल रही घोर निराशा का है, बेतहाशा बेरोजगारी का है। चौथा संकट घनघोर भ्रष्टाचार का है, यहां के सिस्टम पर लगातार कम होते जन-विश्वास का है। पांचवां संकट गरीबों का हक छिनने वाली सत्ताधारी पार्टी की स्वार्थी राजनीति का है। युवा, गरीब और मध्यम वर्ग के परिवार भ्रष्टाचार की मार झेल रहे हैं। हमने देखा है कि भ्रष्टाचार किस तरह विनाश की ओर ले जाता है, खासकर पश्चिम बंगाल शिक्षक भर्ती घोटाले में। टीएमसी सरकार ने हजारों शिक्षकों और उनके परिवारों का भविष्य बर्बाद कर दिया है। यह सिर्फ कुछ हजार शिक्षकों का विनाश नहीं है, बल्कि पूरी शिक्षा व्यवस्था बिगड़ रही है। अभी भी वे अपनी गलतियों को स्वीकार करने से इनकार करते हैं, इसके बजाय अदालतों को दोष देते हैं।

पीएम मोदी ने कहा कि आज देशभर में 70 वर्ष से ऊपर के बुजुर्गों को 5 लाख रुपए तक मुफ्त इलाज की सुविधा मिल रही है। मैं तो चाहता हूं कि पश्चिम बंगाल में भी 70 वर्ष से ऊपर के सभी बुजुर्गों को मुफ्त इलाज की सुविधा मिले। लेकिन ज़ख्ष्ट सरकार ये नहीं करने दे रही है।

पारम्परिक शिल्पकला, आत्मनिर्भरता व स्वावलंबन का आधार है: डॉ. यादव

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा दिए गए वोकल फॉर लोकल के विचार को साकार करने के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध है। यह हमारी पारंपरिक शिल्प कला, लोक कला और सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण का सशक्त माध्यम है। साथ ही वोकल फॉर लोकल का विचार स्थानीय उत्पादों को पहचान दिलाते हुए कारीगरों की आत्मनिर्भरता और उनके स्वावलंबन के लिए भी प्रभावी है। इस दिशा में ग्राम श्री ट्रस्ट द्वारा क्राफ्टरूट्स प्रदर्शनी के माध्यम से की गई पहल कारीगरों को नई पहचान और अवसर प्रदान करेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव, उत्तरप्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल की उपस्थिति में क्राफ्टरूट्स हस्त शिल्प प्रदर्शनी के भोपाल हाट में शुभारंभ अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव तथा राज्यपाल श्रीमती पटेल ने दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राजा भोज ने भोपाल और इस संपूर्ण अंचल को विशेष पहचान दी है। इसके साथ ही देश लोकमाता देवी अहिल्याबाई की 300वीं जयंती मना रहा है। देवी अहिल्याबाई ने महिला स्वावलंबन और महिला सशक्तिकरण के अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किए हैं। यह प्रदेशवासियों के लिए सौभाग्य का विषय है कि देवी अहिल्याबाई की 300 वीं जयंती पर भोपाल में होने वाले महिला सशक्तिकरण सम्मेलन में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी पधार रहे हैं। क्राफ्टरूट्स प्रदर्शनी भी महिला स्वावलंबन की दिशा में सार्थक कदम है। इस दृष्टि से इस प्रदर्शनी का शुभारंभ महिला सम्मेलन के आरंभ का प्रतीक ही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के विभिन्न अंचलों के हस्तशिल्प की अपनी विशेष पहचान और आभा है।

सीएम योगी ने विकसित कृषि संकल्प अभियान का किया शुभारंभ

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि चौधरी चरण सिंह की पुण्य तिथि पर आयोजित विकसित कृषि संकल्प अभियान शुरू हो रहा है। यह कई मामले में अहम है। पहली बार वैज्ञानिक गांव में जा रहे हैं। आज से 12 जून तक चलने वाला अभियान विकसित भारत के अभियान की अवधारणा को पूरा करेगा। इस अभियान के तहत किसानों को आधुनिक खेती के तरीके समझाए जाएंगे। इससे समृद्धि आएगी। 11 साल में पूरे देश में खेती में नवाचार हुआ है। एमएसपी तय हुई है। किसानों को अच्छे बीज मिल रहे हैं। लैब टू लैंड अभियान शुरू हो रहा है। यह देश की तस्वीर बदलेगा। कृषि वैज्ञानिक सम्बंधित क्षेत्र में क्लाइमेटिक जोन का भी आकलन करेंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बृहस्पतिवार को लखनऊ के लोकभवन में विकसित कृषि संकल्प अभियान का शुभारंभ किया। इस अभियान के तहत कृषि विभाग, उद्यान विभाग और पशुपालन सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी गांव में जाकर योजनाओं की जानकारी देंगे और किसानों की समस्याओं का समाधान करेंगे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि यूपी की आठ साल की सरकार ने खेती के क्षेत्र में कई नवाचार किए हैं। यूपी 10 फीसदी कृषि भूमि में देश के लिए 22 फीसदी उत्पादन करता है लेकिन पिछली सरकारों ने किसानों को अपने एजेंडे से बाहर कर दिया। बीज, खाद और पानी के लिए किसान परेशान रहे। अब बदलाव हो रहा है। प्रधानमंत्री के एजेंडे में किसान हैं इसलिए मृदा हेल्थ कार्ड बन रहा है। किसान समृद्धि योजना का लाभ मिल रहा है। गेहूं का दाम 2015 तक एक हजार मिलता था अब 2400 से 2800 तक मिल रहा है।

सीएम ममता ने पीएम मोदी को दी चुनौती

कोलकाता। पीएम मोदी के ममता सरकार पर करारे वार के बाद राज्य में एक बार फिर वाक् युद्ध शुरू हो गया है। पीएम मोदी ने जहां मुर्शिदाबाद हिंसा और मालदा की घटना को लेकर टीएमसी सरकार को घेरा वहीं ममता बनर्जी की पार्टी टीएमसी ने पीएम मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर गंभीर आरोप लगाए। इतना ही नहीं सूबे की मुखिया ममता बनर्जी ने पीएम पर पलटवार करते हुए उन्हें चुनाव में उतरने की चेतावनी तक दे डाली। ममता बनर्जी ने कहा कि पीएम मोदी की मौजूदगी में उनके मंत्री कह रहे हैं कि अब वे ऑपरेशन सिंदूर की तरह ऑपरेशन बंगाल करेंगे।

विकृत लोग सजा माफी के हकदार नहीं : सुको

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सात साल की बेटी के यौन उत्पीड़न के आरोपी डॉक्टर को राहत देने से इनकार कर दिया। सुप्रीम कोर्ट ने डॉक्टर की याचिका खारिज करते हुए कहा कि विकृत लोग सजा माफी के हकदार नहीं हैं। आरोपी डॉक्टर ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर उसकी सजा माफ करने की अपील की थी। डॉक्टर का तर्क है कि उसकी बेटी को सिखाया गया था और उसने झूठी गवाही दी। हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने इस तर्क को खारिज कर दिया।

जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने कहा कि आरोपी डॉक्टर को निचली अदालत ने दोषी माना है, ऐसे में उसे सजा माफी नहीं दी जा सकती। पीठ ने कहा कि बच्चे के साथ जो तुमने किया है, ऐसे में तुम राहत पाने के अधिकारी नहीं हो। बच्चे ने खुद बयान दिया है। वह एक विकृत व्यक्ति है और वह सजा माफी का हकदार नहीं है।

पीठ ने कहा कि तुम अपनी बेटी के साथ ऐसा कैस कर सकते हो। बच्ची भी अपने पिता के खिलाफ गवाही क्यों देगी। वह एक छोटी बच्ची है, जो बार-बार पूछने के बाद भी अपने बयान पर कायम रही है। व्यक्ति शराब के नशे में राक्षस बन जाता है। हमें ये बात नहीं कहनी चाहिए, लेकिन हम बहुत उदार पीठ हैं और अगर हम जमानत नहीं दे रहे हैं तो इसकी कुछ वजह है। आरोपी के वकील ने दावा किया कि बच्ची को उसकी मां ने सिखाया है और मां के कहने पर बच्ची ने झूठी गवाही दी। हालांकि पीठ ने दलील मानने से इनकार कर दिया।

राज्यपाल से उत्तरप्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल की सौजन्य भेंट

भोपाल। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल से उत्तरप्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने गुरुवार को राजभवन में सौजन्य भेंट की। इस अवसर पर राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने राज्यपाल उत्तर प्रदेश श्रीमती आनंदीबेन पटेल का पुष्प गुच्छ भेंट कर स्वागत किया। राज्यपाल श्री पटेल ने सिकल सेल जागरूकता के लिए राजभवन मध्य प्रदेश की पहल पर डाक विभाग द्वारा जारी विशेष आवरण राज्यपाल उत्तर प्रदेश श्रीमती आनंदीबेन पटेल को भेंट किया। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल का राज्यपाल उत्तर प्रदेश श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने पुष्पगुच्छ भेंट कर अभिनंदन किया।

आतंकियों को सौंपे और पीओके खाली करे

पाक की शांति वार्ता पर विदेश मंत्रालय की दो टूक

नई दिल्ली। पहलगाम आतंकी हमले और ऑपरेशन सिंदूर के बाद सीमा पर चले संघर्ष के दौरान भारत ने अपना पक्ष साफ कर दिया है कि आतंकवाद और बातचीत एक साथ नहीं चल सकते हैं। वहीं विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, जहां तक पाकिस्तान के साथ हमारे संबंधों का सवाल है, हमारा रुख स्पष्ट है। सिर्फ दो पक्षों के ही बीच बातचीत होगी। हम दोहराना चाहेंगे कि आतंकवाद और बातचीत साथ-साथ नहीं चल सकते। उन्हें भारत को उन कुख्यात आतंकवादियों को सौंपना होगा, जिनके रिकॉर्ड और सूची हमने कुछ साल पहले उन्हें सौंपी थी। रणधीर जायसवाल ने आगे कहा, जम्मू-कश्मीर पर बातचीत तभी होगी जब पीओके खाली हो जाएगा और पाकिस्तान हमें वह इलाका सौंप देगा। इसके साथ ही सिंधु जल संधि पर भी भारत का सख्त रुख रखतने हुए उन्होंने कहा- जहां तक सिंधु जल संधि का सवाल है, यह तब तक स्थगित रहेगी जब तक पाकिस्तान सीमा पार आतंकवाद को अपना समर्थन विश्वसनीय और अपरिवर्तनीय रूप से त्याग नहीं देता।

बंगाल की खाड़ी में बना निम्न दबाव का क्षेत्र

नई दिल्ली। देश में मानसून तेजी से आगे बढ़ रहा है। पूरे दक्षिण भारत, आंशिक मध्य भारत और पूर्वोत्तर में देश के कई राज्यों में झमाझम बारिश हो रही है। खास तौर पर समुद्र तटीय राज्यों में बारिश के साथ-साथ तेज हवाएं भी चल रही हैं। इस बीच मौसम विज्ञान विभाग ने बताया है कि बंगाल की खाड़ी में निम्न दबाव का क्षेत्र बना है, जिसके कारण देश के उत्तर-पश्चिमी क्षेत्र के कई राज्यों में गरज के साथ बारिश और तेज हवाएं चलेंगी। इसके साथ ही दक्षिणी राज्यों में भी बारिश का अलर्ट है। आईएमडी के वैज्ञानिक अखिल श्रीवास्तव ने बताया कि देश के उत्तर-पश्चिमी क्षेत्र खास तौर पर पंजाब और हरियाणा में गरज के साथ बारिश और तेज हवाएं चलने की संभावना है। जम्मू-कश्मीर में भी ऐसा ही हो सकता है। इसके अलावा, उत्तर प्रदेश में बारिश के साथ ही ओलावृष्टि की संभावना है। इसके लिए वहां ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। वहीं दिल्ली में भी आज गरज के साथ बारिश, तेज हवा और हल्की बारिश हो सकती है। वहीं दिल्ली में कल हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। उन्होंने कहा कि अधिकतम तापमान 36-39 डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकता है। वहीं कल और परसों पश्चिमी राजस्थान में कुछ जगहों पर लू चल सकती है। आईएमडी ने कहा कि दक्षिण-पश्चिम मानसून आगे बढ़ गया है, जो ओडिशा, बंगाल की खाड़ी के पूर्वी हिस्से, पूर्वोत्तर राज्यों को कवर कर रहा है।

इस बीच, तमिलनाडु के तटीय क्षेत्रों के लिए चक्रवाती तूफान को लेकर चेतावनी जारी की गई है। आईएमडी ने बंगाल की खाड़ी में कम दबाव का क्षेत्र बनने के चलते बंदरगाहों पर चक्रवात चेतावनी संकेत जारी करने की सलाह दी है। चक्रवात चेतावनी संख्या 1 को 7 बंदरगाहों पर जारी किया गया है, जिनमें चेन्नई, कुड्डालोर, नागापट्टिनम, एन्नोर, कट्टुपल्ली, पुडुचेरी और कराईकल शामिल हैं, जबकि चक्रवात चेतावनी संख्या 3 को पंबन और तूतीकोरिन बंदरगाहों पर जारी किया गया है। वहीं, मौसम विभाग ने केरल और लक्षद्वीप क्षेत्र के लिए भी अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग के मुताबिक, अगले 2-3 दिनों के दौरान केरल और लक्षद्वीप क्षेत्र में निचले क्षोभमंडल स्तर पर तेज पश्चिमी हवाएं चलने की संभावना है।

कांग्रेस नेताओं के आलोचना करने पर भड़के शशि थरूर

नई दिल्ली। अपनी ही पार्टी के नेताओं की आलोचनाओं में घिरे कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने पलटवार किया है और उन्होंने आलोचना करने वाले नेताओं को अति-उत्साही बता दिया है। शशि थरूर का यह बयान कांग्रेस नेता उदित राज के उस बयान के बाद सामने आया है, जिसमें उदित राज ने शशि थरूर के विदेश में दिए गए एक बयान पर आपत्ति जताई थी और उन्हें भाजपा का सुपर प्रवक्ता बता दिया था। शशि थरूर इन दिनों विदेश दौरों पर गए भारत के सात सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडलों में से एक का नेतृत्व कर रहे हैं। शशि थरूर ने सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल के साथ पनामा दौरे पर अपने एक भाषण में कहा कि भारत सरकार ने हाल के वर्षों में अपनी सोच में बदलाव किया है। जिसके बाद आतंकियों को भी ये अहसास हो गया है कि उन्हें भारत में हमले की कीमत चुकानी पड़ेगी। थरूर ने सर्जिकल स्ट्राइक और बालाकोट स्ट्राइक का जिक्र करते हुए कहा कि पहली बार भारत ने सर्जिकल स्ट्राइक के समय एलओसी पार कर आतंकी ठिकानों पर हमले किए।

लव जिहाद की घटनाओं पर गंभीरता से विचार करना चाहिए

भोपाल। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने गुरुवार को भोपाल में एक कार्यक्रम में मीडिया से बातचीत करते हुए लव जिहाद और युवाओं के सामाजिक व्यवहार पर गहरी चिंता व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि लव जिहाद जैसी घटनाओं पर आज हर परिवार को गंभीरता से विचार करना चाहिए। आनंदीबेन पटेल ने युवतियों से आग्रह किया कि वे जीवनसाथी चुनते समय सिर्फ चेहरे और कपड़ों से प्रभावित न हों, बल्कि सामने वाले व्यक्ति के विचार, खानपान और पारिवारिक संस्कारों को भी समझें। राज्यपाल ने साफ शब्दों में कहा कि बेटियों को समझना पड़ेगा कि वो जिनके संपर्क में हैं।

भारत में ईवी क्रांति में यूपी सबसे आगे

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश अब भारत में इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) के क्षेत्र में सबसे आगे निकल चुका है। राज्य में अब तक 4.14 लाख से ज्यादा इलेक्ट्रिक वाहन रजिस्टर (पंजीकृत) हो चुके हैं। जिससे यूपी ने दिल्ली (1.83 लाख) और महाराष्ट्र (1.79 लाख) जैसे बड़े राज्यों को पीछे छोड़ दिया है।

दुनिया भर में जब पर्यावरण संरक्षण और जलवायु परिवर्तन को लेकर चिंता बढ़ रही है, तो ऐसे समय में इलेक्ट्रिक वाहन एक मजबूत समाधान बनकर उभरे हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए उत्तर प्रदेश सरकार ने 2022 में इलेक्ट्रिक व्हीकल मैन्युफैक्चरिंग और मोबिलिटी पॉलिसी शुरू की थी। इस नीति का उद्देश्य ईवी को अपनाने में तेजी लाना, मजबूत चार्जिंग नेटवर्क बनाना और यूपी को ईवी और बैटरी मैन्युफैक्चरिंग का एक वैश्विक हब बनाना है।

इस नीति के जरिए सरकार 30,000 करोड़ रुपये तक का निवेश लाने और 10 लाख नए रोजगार पैदा करने की योजना बना रही है। ये कदम यूपी को ईवी सेक्टर में लंबी छलांग दिला सकता है। अधिकारियों के मुताबिक, ईवी के तेजी से बढ़ने के पीछे एक बड़ा कारण है ई-रिक्शा का व्यापक इस्तेमाल। यूपी में बिकने वाले ईवी में से लगभग 85 प्रतिशत ई-रिक्शा हैं। ये शहरी इलाकों में यात्रियों और सामान को ढोने के लिए बेहद कारगर साबित हुए हैं।

पीओके एक दिन हमारा होकर ही रहेगा : राजनाथ

नई दिल्ली

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने साफ-साफ कहा कि पाकिस्तान के कब्जे वाला जम्मू-कश्मीर एक दिन हमारा होकर ही रहेगा। पाकिस्तान से सिर्फ आतंकवाद और पीओके के मुद्दे पर ही होगी। पीओके के लोग हमारे अपने ही है। पीओके एक दिन खुद कहेगा कि हम भारत का हिस्सा है। रही बात आतंकवाद की तो अब भारत इसे कतई बर्दाश्त नहीं करेगा। हर साजिश का मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा।

रक्षा मंत्री ने कहा, आपने देखा कि कैसे हमने पहले आतंकी ठिकानों को नष्ट किया और फिर दुश्मन के सैन्य ठिकानों और एयरबेसों को। करने को हम कुछ और भी कर सकते थे, लेकिन हमने दुनिया के सामने शक्ति और संयम के समन्वय का एक बेहतरीन उदाहरण पेश किया। राजनाथ सिंह भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के वार्षिक व्यापार शिखर सम्मेलन-2025 में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि पूरी दुनिया में अनिश्चितता का माहौल है। हर जगह संघर्ष चल रहा है। इसका मुख्य कारण भरोसे की कमी है।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा, ऑपरेशन सिंदूर में पूरे देश के लोगों ने मेक इन इंडिया अभियान की सफलता को देखा, समझा और महसूस किया है। आज यह साबित हो गया है कि मेक इन इंडिया भारत की सुरक्षा और समृद्धि दोनों के लिए महत्वपूर्ण है। मेक इन इंडिया भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा का एक अनिवार्य घटक है। अगर हमारे पास यह क्षमता नहीं होती, तो भारत की सेनाएं निचले पाकिस्तान से लेकर पीओके तक आतंकवाद के खिलाफ इतनी प्रभावी कार्रवाई नहीं कर पातीं।

राजनाथ सिंह ने कहा, आतंकवाद का कारोबार चलाना लागत प्रभावी नहीं है। आज पाकिस्तान को एहसास हो गया है कि उसे इसकी भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। हमने आतंकवाद के खिलाफ भारत की रणनीति और प्रतिक्रिया दोनों को नया स्वरूप दिया है। हमने पाकिस्तान के साथ अपने संबंधों और बातचीत के दायरे को नए सिरे से निर्धारित किया है। अब जब भी बातचीत होगी, तो वह सिर्फ आतंकवाद और पीओके पर होगी। मेरा मानना है कि पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) के लोग हमारे अपने हैं, हमारे परिवार का हिस्सा हैं। हम एक भारत श्रेष्ठ भारत के संकल्प के प्रति प्रतिबद्ध हैं। हमें पूरा विश्वास है कि हमारे जो भाई आज भौगोलिक और राजनीतिक रूप से हमसे अलग हो गए हैं, वे भी किसी न किसी दिन भारत की मुख्यधारा में लौट आएंगे।

विधानसभा अध्यक्ष दे रहे थे जोशीला भाषण, वहीं आधी रात शराब का हो रहा था कारोबार

सिंगरौली। जिला बनने की खुशी में 26 मई को सिंगरौली महोत्सव में पहुंचे विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर जहां लोगों के बीच जोशीला भाषण दे रहे थे। तो वहीं दूसरी तरफ शराब का अवैध काम चरम पर हो रहा था। सोशल मीडिया में एक फोटो बैढ़न स्थित शराब दुकान का वायरल हो रहा है। फोटो में दुकानदार शटर के नीचे से शराब देता नजर आ रहा है। साथ ही कैश और क्यूआर कोड से पेमेंट भी लेते नजर आ रहा। बावजूद इसके अभी तक शराब कारोबारी के खिलाफ पुलिस और आबकारी विभाग ने कोई कार्यवाही नहीं की।

बता दे की सिंगरौली महोत्सव में विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर अपना जोशीला भाषण दे रहे थे, तो ही दूसरी तरफ अवैध शराब का कारोबार आधी रात तक चला। श्री सिंह ने कहा कि खनिज संपदा के चलते न केवल सिंगरौली जिला मालामाल हुआ, बल्कि पूरे प्रदेश में सबसे

अधिक राजस्व देने वाला जिला बन गया है। श्री तोमर जहां एक तरफ जिले की उपलब्धियां किनारे थे, तो वहीं कार्यक्रम स्थल से महज 200 मीटर दूर बैढ़न प्रिंस इंटरप्राइजेज शराब दुकान से डेढ़ गुनी कीमत पर अवैध शराब की बिक्री पूरे सवाब पर था। लाइसेंसी शराब दुकान संचालक रात एक बजे दुकान के शटर के नीचे से छोटी खिड़की बनाकर शराब बेच रहे थें। इस बीच कई शराब प्रेमी यह कहते भी सुनाई दिए रहे हैं कि जल्दी करो नहीं पुलिस आ जाएगी। जवाब में कारोबारी ने कहा डरो मत चुपचाप पैसे दो और शराब लेकर जाओ। फोटो वायरल होने के बाद भी पुलिस और आबकारी विभाग अभी तक शराब कारोबारी के खिलाफ कोई कार्यवाही नहीं करना कई सवाल खड़े कर रहा है।

कोतवाली पुलिस और शराब कारोबारियों का गठबंधन

बैढ़न स्थिति प्रिंस इंटरप्राइजेज शराब दुकान से आधी रात में सटर गिराकर नीचे की खिड़की से शराब बेच रहे है। वायरल फोटो में स्पष्ट नजर आ रहा है कि दुकान के नीचे खिड़की से बीयर की बोतल दी जा रही है। बावजूद इसके अभी तक कोई कार्यवाही नहीं हुई। सूत्र बताते हैं कि कोतवाली क्षेत्र में रेत, गांजा, शराब सहित सभी अवैध कारोबारियों से कोतवाली पुलिस का गठबंधन हो गया है। हालत भी कुछ इसी तरह इशारा कर रहे हैं।

आधी रात को भी लगा रहा जमघट

दुकान के आसपास अन्य शराबी ऐसे बैठकर शराब पी रहे है जैसे सरकार ने रात में इनको शराब पीने की छूट दे दी हो। शराब बेचने का यह मामला काफी महीनों सर चल रहा है, लेकिन पुलिस गलियों और कॉलोनियों की गश्त में इतनी व्यस्त है कि मेन रोड पर ध्यान ही नहीं दे रही। हालांकि सूत्र बताते हैं कि कोतवाली पुलिस को हर महीने सुविधा शुल्क पहुंच रहा है। यही वजह है कि पुलिस शराबियों के हर अवैध कामों को देखकर आंखें बंद कर देती है।

जल गंगा संवर्धन अभियान में टॉप 10 में सिंगरौली

जल गंगा संवर्धन अभियान से भू-गर्भ में संरक्षित किया जायेगा वर्षा जल

सिंगरौली। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के आव्हन पर प्रदेशव्यापी जल गंगा संवर्धन अभियान 30 मार्च से 30 जून तक अनवरत चलाया जा रहा है।

अभियान में जल संरचनाओं का निर्माण, पुरानी जल संरचनाओं का जीर्णोद्धार, रेन वाटर हार्वेस्टिंग, ट्यूबवैल, कुओं एवं हैंडपंप जैसी जल संरचनाओं के आसपास रिचार्ज संरचनाओं के निर्माण और तालाबों का गहरीकरण जैसे जल संवर्धन कार्यों से म.प्र. में करोड़ों लीटर वर्षा जल सीधे भूगर्भ में सहेजा जा सकेगा। साथ ही जिले के लिए हर्ष का विषय है कि प्रदेशव्यापी जल गंगा संवर्धन अभियान सिंगरौली जिला 10 वे पयादन पर है। जिले के कलेक्टर चन्द्रशेखर शुक्ला के मार्गदर्शन एवं जिपं सीईओ गजेन्द्र सिंह नागेश के देखरेख में जन भागीदारी के माध्यम से काचन नदी में श्रमदान काचन नदी पुर्नजीवन अभियान के तहत ग्रामीणों ने नदी के आसपास

की सफाई की। ग्रामवासियों को जल संरक्षण की शपथ दिलायी गयी। जिले में जल संरक्षण की अनेक गतिविधियाँ आयोजित की जा रही हैं। जिले में दीवार-लेखन, जागरूकता रैली, पोस्टर, बैनर, रंगोली, ग्रामसभा, कलश-यात्रा हो रही हैं। अनेक ग्रामों में कूप मरम्मत, तालाब जीर्णोद्धार, डेम की साफ.-सफाई सहित अनेक कार्य किये जा रहे हैं। जल गंगा संवर्धन अभियान का प्रमुख उद्देश्य जन-भागीदारी से जल संरक्षण तथा संवर्धन सुनिश्चित करना है। जन-भागीदारी से जल-स्रोतों को प्रदूषण मुक्त करने के लिये मिलकर काम किया जा रहा है। जिले में आगामी वर्षा मौसम को ध्यान में रखते हुए पौध-रोपण के कार्य भी किए जायेंगे।

माहवारी स्वच्छता दिवस पर महिलाओं को नुक्कड़ नाटक के माध्यम से किया जागरूक

सिंगरौली। जिले में माहवारी स्वच्छता दिवस के अवसर पर एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम जैसे नुक्कड़ नाटक, रैली, व्याख्यान, रंगोली और पोस्टर बनाना का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का उद्देश्य किशोरियों एवं महिलाओं में माहवारी स्वच्छता के प्रति जागरूकता फैलाना एवं इससे जुड़ी भ्रांतियों को दूर करना रहा। कार्यक्रम में सीएचसी के काउंसलर, मास्टर प्रशिक्षक क्षेत्र की सभी आशा कार्यकर्ता, साथिया, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, ग्राम की किशोरियाँ, किशोर और महिलाएं बड़ी संख्या में मौजूद रही। इस अवसर पर मास्टर प्रशिक्षक एवं काउंसलर द्वारा माहवारी के दौरान स्वच्छता के महत्व, सही तरीके से सेनेटरी पैड के उपयोग, उसके निस्तारण तथा माहवारी से संबंधित मिथकों पर विस्तार से जानकारी दी गई। कार्यक्रम के अंतर्गत किशोरियों को सेनेटरी पैड वितरित किए गए, जिससे वे सुरक्षित एवं स्वच्छ माहवारी का अनुभव कर सकें। यह कार्यक्रम 31 मई तक चलता रहेगा।

सिंगरौली मूल के दिल्ली में कार्यरत पत्रकार बीके झा को आईजीएचएम ने दिया कस्टोडियन ऑफ ह्यूमैनिटी अवार्ड

दिल्ली के कॉन्स्टिट्यूशन क्लब में आयोजित हुआ पुरस्कार समारोह

सिंगरौली

इंटीग्रेटेड ग्लोबल हेल्थकेयर मिशन फोरम आईजीएचएम ने अपने तीसरे कस्टोडियन ऑफ ह्यूमैनिटी अवॉर्ड्स समारोह का आयोजन किया। जिसमें समाज में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले व्यक्तियों को सम्मानित किया गया। दिल्ली के कॉन्स्टिट्यूशन क्लब में आयोजित इस सम्मान समारोह में स्वास्थ्य सेवा, सामाजिक कार्य, मीडिया, कानून प्रवर्तन और गैर-सरकारी संगठनों सहित विविध क्षेत्रों के विभूतियों को सम्मानित किया गया।

मानवता से जुड़े कार्यों को

सम्मानित करने के लिये देश भर से प्रतिष्ठित गणमान्य व्यक्ति, नीति निर्माता और विचारक मौजूद थे। इस वर्ष के पुरस्कार डॉक्टरों, स्वास्थ्य पेशेवरों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, पुलिस अधिकारियों, मीडिया हस्तियों और गैर सरकारी संगठनों को प्रदान किए गए। जिनमें से सभी ने मानव जीवन के उत्थान और राष्ट्र के सामाजिक ताने-बाने को मजबूत करने के लिए अनुकरणीय प्रतिबद्धता का प्रदर्शन किया है। यह पुरस्कार ब्रिगेडियर डॉ. अनिल कोहली पद्म पुरस्कार विजेता, राजीव नाथ फोरम समन्वयक, आईएमईडी, डॉ प्रो. राजेश शाह, डॉ. वाईपी भाटिया और एमडी अफजल कमाल अध्यक्ष, आईजीएचएम सहित प्रतिष्ठित अतिथियों के एक पैनल द्वारा प्रदान किए गए। जहां पुरस्कार विजेताओं में पत्रकार बीके झा सहित यशोदा अस्पताल, रॉबिन हिबू आईपीएस, डॉ. पायल कनोडिया, सहयोग पीएसआरआई अस्पताल, धनंजय कुमारए नारायणा अस्पताल, वाईएमसीए-स्कूल, मसिना अस्पताल, होस्मैक और कई अन्य शामिल रहे। इन्हें सामाजिक कल्याण और मानव गरिमा के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता के लिए सम्मानित किया गया।

किसानों को तकनीकी एवं प्रकृतिक खेती की जानकारी अभियान के माध्यम से पहुंचाये : शाह

सिंगरौली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मंशानुरूप कृषकों से प्रत्यक्ष जुड़ाव तथा संवाद के माध्यम से देश के कृषि और किसान को सम्पन्न बनाने के लिए 29 मई से 12 जून तक विकसित कृषि संकल्प अभियान चलाया जा रहा है। अभियान को कृषि वैज्ञानिक एवं कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन एवं मछलीपालन विभाग के अधिकारियों द्वारा संयुक्त सहभागिता से क्रियान्वयन किया जाएगा। विकसित कृषि संकल्प अभियान के

तहत आज कलेक्ट्रेट परिसर से सिंगरौली विधायक रामनिवास शाह, कलेक्टर चन्द्रशेखर शुक्ला, सीडा अध्यक्ष दिलीप शाह तथा जिपं उपाध्यक्ष अर्चन सिंह के द्वारा किसान रथ को हरी झण्डी दिखाकर गांव की ओर रवाना किया गया। इस अवसर पर सिंगरौली विधायक ने रामनिवास शाह ने अपने उद्बोधन में कहा कि भारत गांव में बसता है और संकलन घरेलू उत्पाद में 16 प्रतिशत का योगदान देने के बावजूद भी 70 प्रतिशत आबादी कृषि आधारित जीविका पर निर्भर है। उन्होंने कहा कि किसानों को तकनीकी खेती एवं प्रकृतिक खेती की जानकारी को अभियान के माध्यम से किसानों तक पहुंचाने का कार्य किया जायेगा। इस दौरान जेडीए केएस नेताम, उप संचालक कृषि आशीष पाण्डेय वरिष्ट कृषि वैज्ञानिक डॉ. जय सिंह, विनोद चौबे, बिरेन्द्र पाठक सहित किसान मौजूद रहे।

कांग्रेस-भाजपा के बाद आप में शामिल हुये वार्ड 20 के पार्षद

सिंगरौली। पिछले दो महीने पूर्व कांग्रेस पार्टी से त्याग पत्र देकर भाजपा में शामिल हुये वार्ड क्रमांक 20 के पार्षद शत्रुघन लाल शाह ने आज आम आदमी पार्टी की सदस्यता ले लिया है। जहां महापौर एवं आप प्रदेश संयोजक रानी अग्रवाल, जिलाध्यक्ष रतिभान के मौजूदगी में पार्षद ने सदस्यता ग्रहण किया है। पार्षद ने कहा कि आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल के रीति-नीति से प्रभावित हुआ हूँ।

एनटीपीसी सिंगरौली ने संविदाकार कर्मचारियों को दिया सुरक्षा प्रशिक्षण

सिंगरौली। एनटीपीसी सिंगरौली के सुरक्षा विभाग द्वारा बीते 28 मई को आगामी स्टेज- 3 (2×800 मेगावाट यूनिट) के निर्माण कार्य में संलग्न संविदा कर्मचारियों के लिए मास पेप टॉक सेफ्टी ट्रेनिंग का आयोजन किया गया। इस प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य कार्यस्थल पर सुरक्षा जागरूकता बढ़ाना तथा कर्मचारियों को संभावित खतरों से बचाव के उपायों की जानकारी देना था। इस

प्रशिक्षण सत्र का नेतृत्व लिंडा स्कारिया उप महाप्रबंधक सुरक्षा विभाग ने किया। उन्होंने उपस्थित कुल तीन सैकड़ा संविदा कर्मचारियों को प्लांट में कार्य के दौरान अपनाए जाने वाली सावधानियों, आपातकालीन स्थितियों में बरतने वाले कदमों और व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरणों के सही उपयोग के बारे में विस्तार से बताया तथा कार्यस्थल पर सुरक्षा नियमों के पालन को प्राथमिकता देने पर विशेष जोर दिया। इस अवसर पर कार्य के दौरान सुरक्षा मानकों का सही तरीके से पालन करने वाले कुछ चयनित संविदा कर्मचारियों को उपहार देकर सम्मानित भी किया गया।

एनसीएल ने बैढ़न तहसील में सार्वजनिक सुविधाओं के विकास के लिए लोक निर्माण विभाग के साथ किया एमओयू

सिंगरौली। सिंगरौली स्थित कोल इंडिया लिमिटेड की अनुषंगी कंपनी एनसीएल ने बीते बुधवार को सीएसआर के तहत बैढ़न में सार्वजनिक सुविधाओं के विकास के लिए लोक निर्माण विभाग सिंगरौली के साथ एमओयू किया।

इस एमओयू के अंतर्गत एनसीएल द्वारा उपविभागीय कार्यालय, सिंगरौली एवं तहसील कार्यालय, बैढ़न में सार्वजनिक सुविधाओं जैसे प्रतीक्षालय, बिजली, पानी की सुविधा और पार्क निर्माण इत्यादि के विकास के लिए सीएसआर मद से लोक निर्माण विभाग, सिंगरौली को 23 लाख रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी। इस दौरान एनसीएल की ओर से महाप्रबन्धक सीएसआर राजीव रंजन एवं लोक निर्माण विभाग सिंगरौली से कार्यपालक अभियंता इंचार्ज विनोद कुमार चौरसिया ने एमओयू पर हस्ताक्षर किए। एनसीएल की इस सीएसआर पहल से सिंगरौली जिले के दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों से बैढ़न तहसील कार्यालय आने वाले लोगों को सुविधा प्राप्त होगी।

एनएससी जयंत में शनिवार को लगेगा कार्डियोलॉजी

सिंगरौली। एनसीएल के नेहरू शताब्दी चिकित्सालय जयंत एनसीएल के तत्वाधन में आगामी शनिवार को सीएसआर के तहत एक निरूशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जाएगा। शिविर के दौरान एकोर्ड सुपरस्पेशलिटी हॉस्पिटल फरीदाबाद के चिकित्सकों की टीम के द्वारा उपस्थित सभी का कार्डियोलॉजी, ओंकोलोजी एवं आर्थोपेडिक्स संबंधी स्वास्थ्य परीक्षण किया जाएगा।

मालगाड़ी के चपेट में आने से युवक घायल

सिंगरौली। जयंत पुलिस चौकी के समीपी गोलाई छोटी बस्ती में एक युवक मालगाड़ी के चपेट में आने से उसके दोनों पैरों में गंभीर चोटे आई हैं। जिसका इलाज जिला चिकित्सालय सह ट्रामा सेंटर बैढ़न में चल रहा है। जानकारी के अनुसार मोनू कोल पिता बाबूलाल कोल उम्र 19 वर्ष निवासी बसौड़िया-बहरी थाना हाल निवासी ननि वार्ड क्रमांक 18 अर्जुननगर गोलाई छोटी बस्ती जयंत आज दिन गुरूवार की सुबह रेलवे ट्रैक पर शौच कर रहा था कि अचानक मालगाड़ी आ गई थी। जिसके कारण इसके दोनों पैर चोटिल हो गये। इधर सूत्र बता रहे हैं कि युक्त युवक कोयला चोरी करने के नियत से मालगाड़ी पर चढ़ा था और अचानक वह गिर पड़ा। फिलहाल युवक का उपचार बैढ़न जिला चिकित्सालय में चल रहा है।

अदाणी फाउंडेशन द्वारा चिकित्सा उपकरणों का वितरण कार्यक्रम आयोजित

स्थानीय लोगों को अपने स्वास्थ्य की देखभाल करने में मिलेगी मदद

सिंगरौली। सरई तहसील अन्तर्गत पेड़ताली एवं आमडांड़ गांव में अदाणी फाउंडेशन के द्वारा शासकीय उप स्वास्थ्य केंद्र एवं आंगनवाड़ी केन्द्रों को निःशुल्क चिकित्सा उपकरणों का वितरण किया गया।

आज दिन गुरूवार को आयोजित इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि स्थानीय स्वास्थ्य केंद्रों में बेहतर उपचार प्रदान करने के लिए आवश्यक चिकित्सा उपकरण उपलब्ध हों, ताकि जरूरतमंदों, विकलांगों या कम आय वाले व्यक्तियों की स्वास्थ्य देखभाल तक पहुंच में सुधार हो सके। इसके अन्तर्गत हीमोग्लोबिन टेस्ट किट, डिजिटल बीपी मशीन एवं वजन माप की मशीन सहित अन्य वितरित किये गए। स्थानीय लोगों

के स्वास्थ्य देखभाल और समपर चिकित्सा मिले, इस उद्देश्य से चिकित्सा उपकरणों का वितरण किया गया और इस कार्यक्रम में बैढ़न प्रखंड के स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. पंकज सिंह, स्वास्थ्य विभाग के प्रोग्राम मैनेजर सुधांशु मिश्रा, सुनील शाह की उपस्थिति में करीब 100 स्थानीय महिलाओं एवं ग्रामीणों को आम स्वास्थ्य सम्बन्धी समस्याओं एवं उसके उपचार के सम्बन्ध में बताया गया। उपस्थित मेडिकल की टीम द्वारा मातृ एवं शिशु मृत्यु दर को कम करने के लिए उपयोगी सुझाव साझा किए गए। साथ ही उन्होंने अदाणी फाउंडेशन द्वारा स्थानीय लोगों के लिए बेहतर स्वस्थ्य सेवा के लिए किये जा रहे प्रयासों की भी सराहना की। जैसे आंगनवाड़ी केंद्र का जीर्णोद्धार, उप स्वास्थ्य केंद्र की बाउंड्री का निर्माण और सोलर लाइट लगाना। इस मौके पर भलया टोला पंचायत के वार्ड सदस्य राय सिंह बैगा, स्थानीय ग्रामीणों एवं अदाणी समूह के कई अधिकारियों की उपस्थिति ने कार्यक्रम को सफल बनाया।

किसानों की सहभागिता से ही विकसित कृषि संकल्प अभियान की सफलता : सांसद

केन्द्र एवं राज्य की जनकल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने का अभियान

कृषकों से प्रत्यक्ष जुड़ाव तथा संवाद के लिए 29 मई से 12 जून तक चलेगा अभियान

सीधी। विकसित कृषि संकल्प अभियान के तहत सांसद डॉ राजेश मिश्रा ने गुरुवार 29 मई को कृषि विज्ञान केंद्र से किसान रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पाकर सांसद डॉ मिश्रा ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मंशानुरूप कृषकों से प्रत्यक्ष जुड़ाव तथा संवाद के माध्यम से देश के कृषि और किसान को सम्पन्न बनाने यह अभियान चलाया जा रहा है। 29 मई से 12 जून तक चलने वाले विकसित कृषि संकल्प अभियान में कृषि वैज्ञानिक एवं कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन एवं मछली पालन विभाग के अधिकारियों द्वारा संयुक्त सहभागिता से क्रियान्वयन किया जाएगा। सांसद डॉ मिश्रा ने कहा कि प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के नेतृत्व में यह अभियान निश्चित तौर पर किसानों के लिए वरदान साबित होगा और किसान इसका लाभ आगे बढ़कर लें। सीधी जिला एक ऐसा जिला है जिसमें हर किस्म की खेती की जाती है इसके माध्यम से किसान अपने आय दुगुनी कर सकते हैं इसीलिए इस अभियान का व्यापक प्रचार-प्रसार करना तथा कृषकों की अधिक से अधिक सहभागिता सुनिश्चित करें। सांसद डॉ मिश्रा ने कहा कि स्थानीय कृषि-जलवायु, मृदा की गुणवत्ता, पोषक तत्वों की स्थिति, बीज चयन, उर्वरक उपयोग और कीट प्रबंधन जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर किसानों को वैज्ञानिक सलाह दें तथा किसानों की समस्याओं को समझकर समाधान की दिशा में कार्य करें।

विकसित कृषि संकल्प अभियान का उद्देश्य कृषकों को नवविकसित फसल किस्मों एवं कृषि तकनीकों की जानकारी, फसल विविधीकरण को प्रोत्साहन, मृदा स्वास्थ्य पत्रक की अनुशंसाओं के आधार पर रसायनिक उर्वरकों के संतुलित तथा वैकल्पिक उपयोग के संबंध में जागरूक करना है। इसके साथ ही कृषकों से प्रत्यक्ष संवाद कर उनकी समस्याओं एवं कृषकों द्वारा किये जा रहे नवाचारों का संकलन करते हुए अनुसंधान की कार्यनीति का निर्धारण करना है। अभियान के तहत वैज्ञानिकों तथा विषय-विशेषज्ञों के प्रत्येक दल के साथ एक-एक कृषि रथ ग्रामों में जाकर कृषकों को जागरूक करेंगे। इस दौरान ड्रोन तथा स्थानीय स्तर पर निर्मित करने योग्य कृषि आदानों के जीवंत प्रदर्शन का भी आयोजन किया जाएगा। यह रथ सीधी जिले में प्रतिदिन ग्राम पंचायतों में पहुंचकर किसानों को उन्नत कृषि एवं तकनीकों के संबंध में जागरूक करेगा।

इस अवसर पर उपखण्ड अधिकारी गोपद बनास नीलेश शर्मा, उप संचालक कृषि संजय श्रीवास्तव, वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख कृषि विज्ञान केंद्र सीधी डॉ ए के श्रीवास्तव, वैज्ञानिक डॉ अलका सिंह, सहायक संचालक मछली पालन, उद्यानिकी विभाग सहित विभागीय अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

एम पी ट्रांस्को के प्रशिक्षण वेबिनार श्रृंखला का शतक -कार्य दक्षता में लाया गुणात्मक सुधार

सीधी। कोविड महामारी के दौरान आरंभ हुई वेबिनार की एक पहल ने मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एम पी ट्रांस्को) के वर्क कल्चर को बदलने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है जिससे कार्मिकों की कार्य दक्षता में गुणात्मक परिवर्तन के साथ आत्मविश्वास में भी उल्लेखनीय सुधार आया है। अब 100 साप्ताहिक वेबिनार पूर्ण कर श्रृंखला का यह चरण सफलतापूर्वक समाप्त हो चुका है। प्रारंभ में संकट के समाधान के रूप में शुरू की गई यह पहल, डिजिटल परिवर्तन और नवाचार की मिसाल बन गई।

वेबिनार की इस श्रृंखला के दौरान, पूरे मध्यप्रदेश से 500 से अधिक कनिष्ठ फील्ड युवा अभियंताओं और तकनीकी कर्मियों ने नियमित रूप से भाग लिया। प्रत्येक सप्ताह आयोजित होने वाले इन सत्रों में बिजली क्षेत्र में तेजी से विकसित हो रही तकनीकों और उनके व्यावहारिक अनुप्रयोगों पर चर्चा की गई।

इस पहल का नेतृत्व एम पी ट्रांस्को के अधीक्षण अभियंता श्री सुनील यादव ने दूरदर्शिता और प्रतिबद्धता के साथ किया। इस उपलब्धि पर बोलते हुए श्री यादव ने कहा, ये वेबिनार केवल ज्ञान साझा करने का माध्यम नहीं रहे, बल्कि इन्होंने हमारी टीमों को सशक्त, आत्मविश्वासी और फील्ड में सटीक कार्य करने में अधिक प्रभावी बनाया। इस वेबिनार श्रृंखला की एक प्रमुख उपलब्धि वरिष्ठ और कनिष्ठ अभियंताओं के बीच बेहतर समन्वय रहा। इस सहयोगात्मक वातावरण ने ट्रांसफार्मर, ट्रांसमिशन लाइनों और सबस्टेशनों जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में समयबद्ध समाधान सुनिश्चित किए। वेबिनारों के माध्यम से तकनीकी ज्ञान का स्थानांतरण और कौशल विकास संभव हो सका। प्रत्येक सत्र को क्षेत्रीय आवश्यकताओं और चुनौतियों के अनुसार तकनीकी या प्रबंधकीय विषय पर केंद्रित किया गया। इस पहल को कंपनी के शीर्ष नेतृत्व और कार्यकारी अभियंता चंद्रकांत श्रीवास्तव, प्रणय जोशी, रविंद्र पटेल तथा एम पी ट्रांस्को की आई टी सेल से श्रीमती कल्पना धुर्वे, श्रीमती विविधा डहेरिया सहित समूचे मध्यप्रदेश में एम पी ट्रांसको के विषय विशेषज्ञों का सहयोग प्राप्त हुआ। यह श्रृंखला संकट के समय में भी लचीलापन, नवाचार और उत्कृष्टता के प्रति प्रतिबद्धता का उदाहरण बनी।

मझिगवा में नेत्र परीक्षण व चश्मा वितरण शिविर आयोजित

सीधी। अल्ट्राटेक सीमेंट बघवार द्वारा 27 मई को मझिगवा के आंगनवाड़ी केंद्र में नेत्र परीक्षण और चश्मा वितरण शिविर का आयोजन किया गया। इस आयोजन में यूनिट हेड बीपी सग्गू और एफएच-एचआर योगेश द्विवेदी का सहयोग रहा। इस अवसर पर एडमिन एचओडी दिनेश शर्मा भी उपस्थित थे। शिविर में अब तक 75 ग्रामीणों ने अपनी आँखों की जांच करवाई और ज़रूरतमंदों को चश्मे वितरित किए गए।

प्रथम इंटर स्कूल बास्केट बॉल, प्रतियोगिता गणेश विद्यालय पड़रा में संपन्न

सीधी। क्रीड़ा भारती सीधी द्वारा आयोजित एक दिवसीय प्रथम अंतर्विद्यालयीन बास्केटबॉल चैंपियनशिप का आयोजन दिनांक 29 मई को श्री गणेश सीनियर सेकेंडरी स्कूल पडरा सीधी के खेल परिसर में आयोजित हुआ जिसमे 2 टीमे बालिकाओं की व 6 टीमे बालकों की इस प्रतियोगिता में हिस्सा ली जिसमे बालिका फाइनल मैच गणेश पडरा व गणेश अमहा के बीच खेला गया गणेश पडरा विजेता रही, तथा बालक वर्ग में भी गणेश पडरा व गणेश अमहा के बीच फाइनल मैच खेला गया, गणेश पडरा विजेता रही व विजेता बालकों को मैन ऑफ़ द मैच भी दिया गया। क्रीड़ा भारती सीधी के इस बास्केटबॉल आयोजन की रूपरेखा तैयार करने व पूर्ण रूप देने में गणेश विद्यालय के खेल प्रशिक्षक माखन मिश्रा, अंकुर मिश्रा बास्केटबॉल कोच व टीम का पूर्ण योगदान रहा। इस आयोजन के मुख्य अतिथि क्रीड़ा भारती सीधी के अध्यक्ष डॉ अनूप मिश्रा कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे सीधी के वरिष्ठ व्यवसायी समाजसेवी कमल कामदार, विशिष्ट अतिथि क्रीड़ा भारती विभाग संयोजक राजबहोरन सिंह जिला मंत्री राममणि त्रिपाठी, क्रीड़ा भारती कोषाध्यक्ष अनिल शुक्ला, दिवाकर सिंह जिला सहमंत्री क्रीड़ा भारती, बास्केटबॉल कोच जनक भास्कर सिंह, बास्केटबॉल वरिष्ठ खिलाड़ी उमेश सिंह, कैलाश वर्मा वरिष्ठ खिलाड़ी, विश्वास पाण्डेय, संदीप पांडेय, रोशन जायसवाल, विक्की सिंह परिहार, चंदन मिश्रा, कौशलेंद्र सिंह एवं गणेश विद्यालय के समस्त स्टॉप गण उपस्थित रहे।

वन स्टॉप सेंटर में विधिक जागरूकता एवं साक्षरता शिविर आयोजित

सीधी। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली, राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के आदेशानुसार तथा प्रधान जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री प्रयाग लाल दिनकर के मार्गदर्शन में सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री मुकेश कुमार शिवहरे तथा सुश्री सुनीता रावत न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी सीधी द्वारा गुरुवार दिनांक 29.05.2025 को वन स्टॉप सेंटर सीधी में विधिक जागरूकता एवं साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया। उक्त शिविर में सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सीधी श्री शिवहरे द्वारा उपस्थित लोगों को नालसा, सालसा एवं राज्य शासन की विधिक सहायता योजना, पीड़ित प्रतिकर योजना, लोक अदालत योजना, मध्यस्थता योजना की जानकारी दी गई। सुश्री सुनीता रावत न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी सीधी द्वारा उपस्थित लोगों को पी.सी.पी.एन.डी.टी. एक्ट, बाल विवाह निषेध अधिनियम के संबंध में जानकारी दी गई।

उक्त शिविर में वन स्टॉप सेंटर की अधीक्षक श्रीमती मंजुला टिग्गा, केशवकर्र एवं काउंसलर सुश्री पुष्पलता शर्मा, अन्य स्टॉफ उपस्थित रहे। सचिव द्वारा उपस्थित लोगों को समस्या सुनकर समाधान किया गया तथा वन स्टॉप सेंटर का निरीक्षण भी किया गया।

प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस में मनाया गया विश्व जैव विविधता दिवस

सीधी। प्रधानमंत्री कॉलेज आफ एक्सीलेंस, संजय गांधी स्मृति शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय सीधी में पर्यावरण शिक्षण कार्यक्रम की अंतर्गत पर्यावरण दिवस के पहले महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. पी .के. सिंह के मार्गदर्शन में इको क्लबष् द्वारा विश्व जैव विविधता दिवसष् मनाया गया। कार्यक्रम वनस्पति शास्त्र विभाग में इको क्लब प्रभारी डॉ. दिवाकर सिंह सहायक प्राध्यापक वनस्पति विज्ञान के निर्देशन में शपथ ग्रहण के साथ प्रारंभ हुआ। सभी ने जैव विविधता के साथ-साथ संपूर्ण प्रकृति के संरक्षण एवं संवर्धन का संकल्प लिया। साथ ही महाविद्यालय के वानस्पतिक उद्यान की सिंचाई एवं साफ सफाई का कार्य महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं द्वारा किया गया। कार्यक्रम के सफल संचालन में डॉ. राकेश सिंह चौहान विभागाध्यक्ष वनस्पति विज्ञान ,डॉ.उमाकांत साहू सहायक प्राध्यापक रसायन एवं एनसीसी अधिकारी, डॉ. दिलीप कुमार सोनी विभागाध्यक्ष समाजशास्त्र विभाग एवं प्रभारी विद्यावन ,डॉ. सूर्येन्द कुमार मिश्रा अतीत विद्वान कृषि विज्ञान कार्यक्रम में उपस्थित रहकर सहयोग प्रदान किया।

सीटू यूनियन ऑफिस में आज मनाया जाएगा स्थापना दिवस

सीधी। सीमेंट मजदूर एकता यूनियन सीटू इकाई अल्ट्राटेक सीधी सीमेंट वर्क मझगवां कार्यालय में सीटू का स्थापना दिवस यूनियन के कार्यालय में ध्वजारोहण कर स्थापना दिवस मनाया जाएगा यह जानकारी यूनियन इकाई के अध्यक्ष तेज प्रताप दुबे द्वारा दी गई है ।श्री दुबे ने बताया कि सीटू यूनियन अंतरराष्ट्रीय मजदूर संगठन है जिसका स्थापना दिवस राष्ट्रीय स्तर से लेकर इकाई स्तर तक 30 में को स्थापना दिवस के रूप में मनाया जाता है यह यूनियन का स्थापना सीटू का 55 वां स्थापना दिवस है। हमें प्रदेश के जगह-जगह से 30 मई को सीटू के स्थापना दिवस सभी इकाइयां व यूनियनें इस दिन को सीटू का लाल झंडा फहराने तथा उमंग और उत्साह के साथ सभा/सेमिनार/गोष्ठी आदि आयोजित कर मनाया जाएगा। 30 मई 1970 को सीटू की स्थापना हुई थी। तब से अब तक स्थापना सम्मेलन का नारा एकता व संघर्ष को हमने बुलंदी से आगे बढ़ाया है। आज जब भाजपा सरकार श्रम संहिताओं के जरिए हमारे अधिकारों को कुचलने की तैयारी में है, जब हमारी एकता को साम्प्रदायिकता व जातिवाद के द्वारा तोड़ने की साजिश चरम पर है, तब हमें अपने एकजुट संघर्ष से ही इन नव उदारवादी व नव फासीवादी ताकतों का मुकाबला करना है। 9 जुलाई की राष्ट्रव्यापी आम हड़ताल

सामाजिक कार्यों से लीनेस क्लब कामाख्या ने बनाई विशिष्ट पहचान

सीधी। डॉ. बीना मिश्रा के नेतृत्व में लीनेस क्लब कामाख्या सीधी ने अपने गठन के आरंभिक दिनों से ही समाज सेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किए हैं। क्लब की स्थापना 2 जुलाई 2024 को हुई और मात्र 10 दिनों बाद 12 जुलाई को ही सरवाइकल कैंसर पर जागरूकता कार्यशाला के माध्यम से समाजसेवा की दिशा में पहला कदम उठाया गया। इसके बाद 27 जुलाई को पूर्व राष्ट्रपति डॉ. ए. पी. जे. अब्दुल कलाम की पुण्यतिथि पर वृहद पौधरोपण, एक अगस्त को निःशुल्क दंत चिकित्सा शिविर, स्तनपान जागरूकता अभियान, महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम तथा पठन सामग्री वितरण जैसे कई समाजोपयोगी कार्यक्रम हुए।

सूखा नाला में नगर पालिका द्वारा कराया जा रहा सफाई अभियान

सीधी। नगर पालिका सीधी द्वारा शहर को स्वच्छ बनाने सहित नालों में सफाई अभियान का काम शुरू कराया गया है। हिरन नाला के बाद अब सूखा नाला में सफाई अभियान कराने का काम शुरू कर दिया गया है। इस दौरान नपा अध्यक्ष श्रीमती काजल वर्मा एवं सीएमओ मिनी अग्रवाल सहित पार्षदगण भी मौजूद रहे।

सफाई अभियान को लेकर अध्यक्ष काजल वर्मा ने कहा कि सफाई से नाले में कचरे हटने से जल भराव की स्थिति खत्म हो जाएगी। पानी की निकासी बराबर रहेगी। उन्होने कहा कि

इसमें सभी पार्षदों का बराबर योगदान बना हुआ है। साथ ही जनता जनार्दन से भी सहयोग की अपेक्षा उनके द्वारा की गई है। सीएमओ मिनी अग्रवाल ने कहा कि अध्यक्ष के सहयोग से समाजसेवी सहित पार्षदों की उपस्थिति में सूखा नाले की सफाई कराई जा रही है। जिससे बारिश के समय जल भराव की स्थिति निर्मित न हो। एक जवाब में सीएमओ ने कहा कि जो भी अतिक्रमणकारी हैं राजस्व विभाग से सहयोग लेकर उस पर भी कार्यवाही कराई जाएगी। सीएमओ ने कहा कि सवच्छता एक व्यक्ति की नहीं सभी के सहयोग से रहेगा। बूंद-बूंद से घड़ा भरता है। उसी तरह सभी के सहयोग से सीधी शहर स्वच्छ रहेगा। इस दौरान वरिष्ठ अधिवक्ता एवं कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष विनोद वर्मा, रंजीत सिंह, आलोक सिंह, पार्षद रजनीश श्रीवास्तव, बाबूलाल कुशवाहा सहित अन्य लोगों की उपस्थिति रही।

विद्युत कनेक्शन के नाम पर बेजा वसूली का खेल

सर्वे रिपोर्ट तैयार करने के लिए होती है वसूली

सीधी। शहर के विद्युत वितरण केंद्र क्रमांक 2 सीधी में विद्युत कनेक्शन के नाम पर बेजा वसूली का खेल चरम पर है। तत्संबंध में कुछ नागरिकों ने आरोप लगाते हुए बताया कि नवीन विद्युत कनेक्शन के लिए विद्युत वितरण केंद्र में संबंधित लिपिक के पास आवेदन देने के बाद से ही अवैध वसूली की सरगर्मी बढ़ जाती है। नियमानुसार विद्युत कनेक्शन का शुल्क करीब 2800 रुपए है। लेकिन यहां 4 हजार से लेकर 6 हजार रुपए तक की मांग की जाती है। आरोपों में कहा गया है कि नवीन विद्युत कनेक्शन के सर्वे की जिम्मेदारी हेल्फर जान अख्तर को सौंपी गई है। जिस पर हेल्फर द्वारा सर्वे के दौरान कई तरह की आपत्ति प्रदर्शित करते हुए सुविधा शुल्क की मांग की जाती है। यदि मांगी गई सुविधा शुल्क देने के लिए लोग तैयार हो गए तो नवीन विद्युत कनेक्शन जल्द से जल्द हो जाता है। यदि सुविधा शुल्क मुंह मांगी देने से इंकार किया गया तो अनावश्यक आपत्ति लगाकर कनेक्शन के आवेदन निरस्त कर दिए जाते हैं। बताया गया है कि इस मामले में कनिष्ट यंत्री द्वारा सर्वे के जिम्मेदारी संबंधित हेल्फर को दी गई है, जिसके द्वारा खुलेआम यह सिलसिला शुरू किया गया है।

इनका कहना है

नवीन विद्युत कनेक्शन में भार क्षमता के अनुसार अलग-अलग शुल्क निर्धारित है। सबसे कम भार क्षमता का नवीन विद्युत कनेक्शन के लिए लगभग 3-4 हजार रुपए शुल्क लग जाता है। इसमें ई-स्टाम्प समेत अन्य ड्यूटी चार्ज भी शामिल रहता है। नवीन विद्युत कनेक्शन के सर्वे का काम संबंधित क्षेत्र के लाइनमैन के माध्यम से कराया जाता है। शिकायतकर्ता का नाम सामने आने पर ही आरोपों के संबंध में बात हो सकती है।

अनुराधा प्रकाश, कनिष्ट यंत्री डीसी सीधी शहर क्रमांक 2।

कानपुर में पकड़ाए डबल मनी कांड के आरोपी

दोनों आरोपियों को भेजा गया जेल, चुरहट में हड़कंप, पैसा डबल करने का झांसा देकर हड़प लिए थे 63 लाख

सीधी। जिले के चर्चित मामले में एक बार आग लग गई है, इस गिरोह के मुख्य दो आरोपियों को कानपुर उत्तरप्रदेश पुलिस ने दबोच लिया है, जैसे ही इसकी चुरहट क्षेत्र में लगी हड़कंप मच गया, इस खबर से कहीं खुशी तो कहीं गम का माहौल बन गया है।

उल्लेखनीय हैं कि दो माह के भीतर डबल पैसा करके देने का लालच देकर लोगों से करोड़ों रुपए ऐंठने वाले आरोपियों को कानपुर पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। मिली जानकारी अनुसार पैसा डबल करने का झांसा देकर 63 लाख हड़पने वाले दो शातिर आरोपियों को कानपुर पुलिस ने गिरफ्तार किया है। यह दोनो आरोपी सीधी जिले के हैं। पकड़े गए आरोपी थाना चुरहट निवासी पीड़ित के चचेरे साले हैं। बताया गया है कि मुख्य आरोपी कोस्टा चुरहट निवासी विवेक सिंह उर्फ अंकू सिंह व जिले के चरहई निवासी आयुष मिश्रा शामिल हैं। सचेंडी इंस्पेक्टर दिनेश सिंह विष्ट के अनुसार दोनो आरोपियों को कोर्ट में पेश किया गया। जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। बताया गया है कि कानपुर के सचेंडी थाना क्षेत्र के पकरी गांव निवासी महेन्द्र सिंह चंदेल से उनके चचेरे साले विवेक सिंह ने शेयर ट्रेडिंग और कमोडिटी में पैसा लगवाकर अधिक लाभ कमाने का झांसा देकर 63 लाख रुपए ठग लिए थे। पैसा वापस मांगने पर अभद्रता के बाद 21 मार्च को महेन्द्र सिंह ने साले समेत 14 लोगों के खिलाफ सचेंड़ी थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। बताते चलें कि जिले के चुरहट में भी पैसा डबल करने का झांसा देकर लोगों से रुपए ऐंठने के मामले में पिछले वर्ष स्थानीय पीड़ितों की रिपोर्ट पर चुरहट पुलिस ने गिरफ्तारी कार्यवाही की थी। चुरहट

में लाखों की ठगी का मामला सामने आया था। 25 से 30 प्रतिशत ब्याज का लालच देकर लोगों से करोड़ों रुपए की ठगी करने का भंडाफोड़ होने के बाद पुलिस से शिकायत दर्ज कराई गई, चुरहट पुलिस को मामले की जांच कराने के बाद बाद तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया था। इनके खिलाफ धोखाधड़ी सहित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर कार्यवाही की गई थी, कुछ दिनों बाद इन्हें न्यायालय से जमानत मिल गई थी, लेकिन एक बार फिर यह जेल की सलाखों के पीछे पहुंच गए हैं। बता दें कि इनके जाल में चुरहट सहित आसपास के कई लोग फंस चुके हैं, जिन्हें अभी तक उनका मूलधन नहीं मिला है। सूत्र बताते हैं कि कुछ व्यापारियों ने इनके जाल में फसकर बैंक से कर्ज लेकर इन्हें पैसा दिया था, जो अब कहीं के नहीं रह गए हैं। डबल मनी स्कैम कारोबारियों के झांसे में आकर गत वर्ष चुरहट के 21 व्यापारी ने शिकायत दर्ज कराई थी। जिसमें अनूप कुमार पाण्डेय, शिवम साहू, शैलेश पाण्डेय, प्रिन्स गुप्ता, मोनू खान, प्रसून जैसवाल, भूरे सेन, भोले सेन, करण गुप्ता, दुर्गेश पाण्डेय, मुनिलाल पाण्डेय, अनिल गुप्ता, छोटे खान, निसार खान, विक्की खान,एजाज खान, मनोज पटेल,साहिल वर्मा, आकाश सिंह, गुड्डा सिंह, भारती सिंह सोलंकी ने शिकायत दर्ज करा कर अपना पैसा वापस कराने की गुहार लगाई थी।

स्कैम मनी कांड में 17 लोगों का नाम सामने आया था जिनमें कुँवर जहान सिंह पिता सूर्यभान सिंह निवासी ग्राम कोष्टा थाना चुरहट जिला सीधी,विवेक सिंह पिता कुँवर जहान सिंह निवासी ग्राम कोष्टा थाना चुरहट, मृत्युञ्जय मणि सोनी पिता कमलेश सोनी निवासी केवटान टोला वार्ड क्र.-05 चुरहट,शिवम सिंह पिता सतीश सिंह ग्राम कपुरी थाना चुरहट, विनय सिंह (पप्पू) पिता कुँवर जहान सिंह निवासी कोष्टा थाना चुरहट, अमृता सिंह पुत्री कुँवर जहान सिंह निवासी कोष्टा, प्रतीक्षा सिंह पुत्री कुँवर जहान सिंह निवासी कोष्टा, आयुष पयासी पिता आशुतोष मिश्रा निवासी ग्राम चरहई थाना कमर्जी, आशुतोष मिश्रा (बबन्ने) निवासी ग्राम चरहाई थाना कमर्जी, मयंक सिंह गहरवार पिता मंगलेश्वर सिंह गहरवार निवासी ग्राम हरदिहा थाना चुरहट, प्रीतम सिंह पिता बृजेश सिंह निवासी ग्राम डढ़िया, विवेक पटेल पिता जयभान पटेल निवासी ग्राम बरिगंवा थाना कमर्जी, आशुतोष सोनी पिता कमलेश सोनी निवासी चुरहट केवटान टोला थाना चुरहट,सूर्यस सोनी पिता सतेन्द्र सोनी निवासी बदवार थाना गुढ़ जिला रीवा, रोहित वर्मा पिता रामलखन वर्मा निवासी चुरहट कैवटान टोला थाना चुरहट, अनुज विश्वकर्मा पिता राजाराम विश्वकर्मा निवासी रामनगर चुरहट,कृष्ण कुमार यादव पिता नंद किशोर यादव निवासी चुरहट के नाम स्कैम टीम में आया था।

संपादकीय

भरोसा बढ़ेगा

पहलगाम में जम्मू-कश्मीर कैबिनेट की विशेष बैठक विश्वास बहाली की दिशा में अहम प्रयास है। इससे देश के लोगों में तो भरोसा जगेगा ही, सीमापार तक भी यह संदेश पहुंचेगा कि आतंकी गतिविधियां जम्मू-कश्मीर की तरक्की को रोक नहीं सकतीं। सरकारी आंकड़े बताते हैं कि विशेष दर्जा खत्म होने और केंद्र शासित प्रदेश बनने के बाद से जम्मू-कश्मीर में पर्यटकों की आमद बढ़ी है। विधानसभा में पेश रिपोर्ट के मुताबिक, 2021 से 2024 के बीच 7.49 करोड़ से ज्यादा टूरिस्ट यहां पहुंचे थे। इसमें से 99.93 लाख से अधिक पर्यटकों ने घाटी की सैर की। जम्मू के मुकाबले कश्मीर का डेटा भले कम हो, लेकिन इसमें लगातार बढ़ोतरी हो रही है। अच्छी बात यह रही कि इस दरम्यान कश्मीर में विदेशी पर्यटक अधिक आए, 2024 में 65 हजार से भी ज्यादा। ये आंकड़े केवल पर्यटन का हाल नहीं बताते, बल्कि साबित करते हैं कि जम्मू-कश्मीर, खासकर घाटी में चीजें सामान्य हो रही थीं। जो इलाका आतंकवाद का दंश दशकों से झेल रहा था, वह पूरे भारत के साथ कदमताल करने लगा था। आतंकी इसी पर चोट करना चाहते थे और पहलगाम हमले का मकसद यही था। इसी वजह से पाकिस्तान समर्थित आतंकवादियों ने टारगेट किलिंग कर देश में सांप्रदायिक उन्माद फैलाने की कोशिश की।ं पहलगाम के बाद जम्मू-कश्मीर के तमाम पर्यटक स्थलों को बंद कर दिया गया था और होटल-टैक्सी वगैरह की 90त तक बुकिंग कैंसल हो गई थीं। यह झटका केवल उनके लिए नहीं है, जिनका रोजगार सीधे पर्यटन से जुड़ा हुआ है, यह चोट पूरे राज्य की आर्थिक सेहत और टूरिज्म बढ़ाने के लिए हाल के बरसों में किए गए तमाम प्रयासों पर है। सीएम उमर अब्दुल्ला ने ठीक कहा कि अगर हम इन जगहों पर नहीं जाएंगे तो कौन जाएगा। अगर बंदूकों से डरकर घाटी को अकेला छोड़ दिया जाता है, तो यह आतंकी मंसूबों की जीत होगी। यही तो वे चाहते हैं। उनकी गोलियों का जवाब देने के साथ-साथ यह संदेश भी पहुंचना चाहिए कि हिंदुस्तान के किसी कोने में आतंकवाद के लिए कोई जगह नहीं है।

आसमान में अचानक तेज बिजली चमकने लगी, फिर गरज के साथ बारिश शुरू हुई और देखते ही देखते स्थिति एक शक्तिशाली तूफान में बदल गई। हवा की रफ्तार इतनी अधिक थी कि कई इलाकों में पेड़ उखड़ गए, ट्रैफिक सिग्नल गिर गए, बिजली के खंभे झुक गए और कई वाहनों को क्षति पहुंची। आईएमडी के अनुसार, इस दौरान हवा की गति 60 किमी प्रतिघंटा तक पहुंच गई थी और कुछ स्थानों पर तो यह इससे भी अधिक रिकॉर्ड की गई। केवल दिल्ली ही नहीं, नोएडा, ग्रेटर नोएडा और गुरुग्राम जैसे एनसीआर के प्रमुख शहरों में भी हालात कुछ अलग नहीं थे। गुरुग्राम में तेज हवा के कारण कई जगहों पर निर्माणाधीन साइटों की छतें उड़ गई जबकि नोएडा में एक निर्माणाधीन बिल्डिंग की क्रेन गिरने से दो लोग घायल हो गए। उत्तर भारत के अन्य भागों, जम्मू, पंजाब, हिमाचल, उत्तराखंड, राजस्थान में भी यह तूफान तबाही लेकर आया।

अंधड़, बारिश और चेतावनी: बदलता मौसम, बिगड़ता संतुलन

(योगेश कुमार गोयल)

बहरहाल, दिल्ली और उत्तर भारत में अचानक और तीव्र रूप से बदलता मौसम अब कोई आश्चर्यजनक घटना नहीं रह गया है बल्कि यह एक चेतावनी है कि यदि हम समय रहते नहीं चेते तो यह बदलाव हमें और अधिक विनाशकारी परिस्थितियों की ओर ले जा सकता है। 24-25 मई की रात उत्तर भारत के लिए एक बार फिर ऐसी रात बनकर आई, जिसने न केवल दिल्ली-एनसीआर बल्कि पूरे उत्तर भारत को झकझोरकर रख दिया। इस प्रचंड मौसमीय तांडव ने न केवल जनजीवन को अस्त-व्यस्त कर दिया बल्कि एक बार फिर यह संकेत दे दिया कि अब मौसम चक्रों में स्थायित्व नहीं रहा और जलवायु परिवर्तन का प्रभाव प्रत्यक्ष रूप से हमारे सिर पर मंडरा रहा है। एक ओर जहां लोगों को चिलचिलाती गर्मी से थोड़ी राहत मिली, वहीं दूसरी ओर भीषण बारिश और तेज हवाओं ने जनजीवन को पूरी तरह से अस्त-व्यस्त कर दिया। मई महीने में जब उत्तर भारत 44-45 डिग्री सेल्सियस की झुलसाने वाली गर्मी के लिए जाना जाता है, ऐसे समय में अचानक ऐसे तूफान, तेज बारिश और ओलावृष्टि जैसे दृश्य आमतौर पर मानसून के चरम काल में भी दुर्लभ होते हैं।

हालांकि भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने इस तूफान से पहले ही रेड अलर्ट जारी कर दिया था परंतु तूफान की तीव्रता और व्यापक प्रभाव ने पारंपरिक मौसमी पूर्वानुमानों को भी पीछे छोड़ दिया। रविवार की देर रात तेज हवाओं ने पूरे दिल्ली-एनसीआर में अपना प्रभाव दिखाना शुरू कर दिया। पश्चिम और उत्तर-पश्चिम दिशा से तेजी से बढ़ते तूफानी बादल महज कुछ ही घंटों में दिल्ली-एनसीआर की ओर आ गए। आसमान में अचानक तेज बिजली चमकने लगी, फिर गरज के साथ बारिश शुरू हुई और देखते ही देखते स्थिति एक शक्तिशाली तूफान में बदल गई। हवा की रफ्तार इतनी अधिक थी कि कई इलाकों में पेड़ उखड़ गए, ट्रैफिक सिग्नल गिर गए, बिजली के खंभे झुक गए और कई वाहनों को क्षति पहुंची। आईएमडी के अनुसार, इस दौरान हवा की गति 60 किमी प्रतिघंटा तक पहुंच गई थी और कुछ स्थानों पर तो यह इससे भी अधिक रिकॉर्ड की गई।

केवल दिल्ली ही नहीं, नोएडा, ग्रेटर नोएडा और गुरुग्राम जैसे एनसीआर के प्रमुख शहरों में भी हालात कुछ अलग नहीं थे। गुरुग्राम में तेज हवा के कारण कई जगहों पर

निर्माणाधीन साइटों की छतें उड़ गई जबकि नोएडा में एक निर्माणाधीन बिल्डिंग की क्रेन गिरने से दो लोग घायल हो गए। उत्तर भारत के अन्य भागों, जम्मू, पंजाब, हिमाचल, उत्तराखंड, राजस्थान में भी यह तूफान तबाही लेकर आया। जगह-जगह सैंकड़ों पेड़ उखड़ गए, जिससे कई जगहों पर सड़कों का संपर्क टूट गया। हिमाचल प्रदेश के कुल्लू जिले में बादल फटने की घटना भी सामने आई, जहां सात वाहन बह गए और कई अन्य क्षतिग्रस्त हो गए। पंजाब में वर्षाजनित हादसों में कुछ लोगों की मौत की भी पुष्टि हुई। खेतों में काम कर रहे किसान तेज आंधी की चपेट में आ गए। इससे पहले 21 मई को भी शाम के समय अचानक दिल्ली-एनसीआर का मौसम बदल गया था और अचानक बदले मौसम के बीच भीषण आंधी-तूफान और ओलावृष्टि ने जमकर तबाही मचाई थी। तेज आंधी, बारिश और ओलावृष्टि नोएडा, गाजियाबाद सहित देश के कई राज्यों में लोगों के लिए मुसीबत बन गया था। उस दौरान हुए हादसों में 7 लोगों की जान चली गई थी और दर्जनों लोग गंभीर रूप से घायल हो गए जबकि देशभर में करीब 26 लोगों की मौत होने की सूचना मिली थी। इस साल मई महीने की शुरुआत ही इसी प्रकार के अप्रत्याशित मौसमी बदलावों के साथ हुई थी। 2 मई की सुबह दिल्ली-एनसीआर सहित उत्तर भारत के कई क्षेत्रों में तेज आंधी, बारिश और तूफान जैसी स्थिति बनी थी। दिल्ली में उस दिन 78 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से हवाएं चली थी और बारिश के साथ भारी नुकसान हुआ था। पेड़ उखड़ गए थे, बिजली की आपूर्ति बाधित हुई थी और तापमान में अचानक गिरावट दर्ज की गई थी। हालांकि उस समय भी लोगों को थोड़ी राहत महसूस हुई थी लेकिन इस बार मई के अंत में आया यह तूफान कहीं अधिक गंभीर और व्यापक प्रभाव वाला था। विशेषज्ञों का मानना है कि यह सब केवल सामान्य मौसमी उतार-चढ़ाव नहीं हैं बल्कि जलवायु परिवर्तन के गहरे संकेत हैं।

दिल्ली सहित समूचे उत्तर भारत में तेजी से बढ़ता शहरीकरण, औद्योगीकरण और पर्यावरणीय असंतुलन अब मौसम चक्रों को अस्थिर कर रहा है। 'शहरी हीट आइलैंड' प्रभाव के चलते रात के तापमान में गिरावट नहीं होती और वातावरण की ऊष्मा बढ़ती जाती है। कंक्रीट, एस्फाल्ट और अन्य मानव निर्मित सतहें सूरज की ऊष्मा को अवशोषित कर लेती हैं और धीरे-धीरे उसे छोड़ती हैं, जिससे रात में भी वातावरण गर्म बना रहता है। 2 मई की सुबह दिल्ली का न्यूनतम तापमान 22.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जबकि सामान्यतः ऐसी बारिश के बाद तापमान 18-20 डिग्री तक गिर जाता है। मौसम विभाग ने इस बार के तूफान के पीछे पश्चिमी विक्षोभ और बंगाल की खाड़ी से उठने वाली नम हवाओं के संगम को कारण बताया है। आमतौर पर पश्चिमी विक्षोभ नवंबर से अप्रैल के बीच सक्रिय रहता है लेकिन पिछले कुछ वर्षों में यह मई-जून में भी सक्रिय रहने लगा है, जो वैश्विक तापमान वृद्धि का संकेत है। यह संकेत स्पष्ट करता है कि पारंपरिक मौसम चक्रों में अब स्थायित्व नहीं रहा और मौसम की गतिविधियां अधिक अनियमित और अस्थिर होती जा रही हैं। बंगाल की खाड़ी से आने वाली नम हवाएं जब पश्चिमी विक्षोभ से टकराती हैं तो वह एक संगठित मौसमी प्रणाली का निर्माण करती हैं, जिससे उत्तर भारत में भारी वर्षा, तेज हवाएं और ओलावृष्टि होती है। यह आमतौर पर मानसून के मध्य चरणों में होता है लेकिन मई की शुरूआत में या मई के अंतिम सप्ताह में इस प्रकार की घटनाएं असामान्य हैं, जिनसे यह सिद्ध होता है कि मौसमी प्रवृत्तियों की दिशा अब बदल रही है।

कृषि क्षेत्र पर भी इसका गहरा प्रभाव पड़ रहा है। इस समय अधिकांश क्षेत्रों में मूंग, सब्जियां, तरबूज, खरबूजा और अन्य ग्रीष्मकालीन फसलों की खेती होती हैं। तेज हवाएं, ओलावृष्टि और बारिश इन फसलों को नुकसान पहुंचाती हैं। बिहार, हरियाणा और राजस्थान के किसानों ने फलों और सब्जियों के खराब होने की शिकायत की है। इससे न केवल किसानों की आमदनी प्रभावित होती है बल्कि खाद्य आपूर्ति श्रृंखला और खुदरा बाजारों में कीमतों पर भी इसका व्यापक असर पड़ सकता है। जलवायु परिवर्तन का असर अब हिमालय क्षेत्र में भी गहराई से महसूस किया जा रहा है। बर्फबारी का स्तर 23 वर्षों के न्यूनतम स्तर पर पहुंच चुका है, जिससे हिमालय की नदियों पर निर्भर करोड़ों लोगों की जल सुरक्षा खतरे में पड़ गई है। आईपीसीसी की छठी आकलन रिपोर्ट के अनुसार, भारतीय उपमहाद्वीप में मौसम अब पहले की तुलना में अधिक अनिश्चित और अस्थिर हो गया है। असामान्य तूफान, बेमौसम बारिश और अचानक तापमान में बदलाव, यह सभी इस बात के संकेत हैं कि जलवायु अब अपने पुराने स्वरूप से हट चुकी है। वर्तमान स्थिति में सरकार, वैज्ञानिक समुदाय और आम नागरिकों के लिए यह एक गंभीर चेतावनी है।

इंसानों के खिलाफ एआई की बगावत शुरू! क्या ये किसी खतरे की घंटी है?

(नवीन जायसवाल)

आज के समय में एआई पूरी दुनिया के जरूरी आवश्यकता बनती जा रही है। हर क्षेत्र में एआई की अब प्रमुख भूमिका नजर आने लगी है पर अगर यह इंसानों के खिलाफ एआई की बगावत का पहला कदम साबित होता है, तो सभी को चौकन्ना हो जाने की जरूरत है। क्या स्टीफन हॉकिंग, एलन मस्क और अल्बर्ट आइंस्टीन जैसे लोगों की सालों पहले एआई को लेकर की गई भविष्यवाणी सच साबित होने वाली है? दरअसल कुछ दिन पहले एआई का इंसानों के खिलाफ बगावत का पहला मामला सामने आया है। इसके बाद चर्चा होने लगी है कि क्या यह किसी खतरे की घंटी है? दुनियाभर के कई दिग्गज इस घटना को लेकर चिंता जाहिर कर चुके हैं। जीपीटी बनाने वाली ओपन एआई के तीन अन्य ढ्ढ से जुड़ा है। एक रिसर्च के दौरान ओपन एआई की ओर से एआई के तीन अलग-अलग मॉडल को अपना काम पूरा कर शटडाउन होने का निर्देश दिया गया था लेकिन तीनों ही एआई ने बात को न मानते हुए खुद को शटडाउन करने से मना कर दिया। दरअसल एआई यह समझ चुका था कि शटडाउन कमांड के बाद उसे बंद होना होगा और इसलिए बड़ी चालाकी से उसने इस कमांड को इग्नोर कर दिया। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट लिखकर पैलिसेड रिसर्च ने दावा किया है कि ओपन एआई के ओ-3 मॉडल ने खुद को शटडाउन से रोकने के लिए शटडाउन के सिस्टम को ही खत्म कर दिया। अपने पोस्ट में पैलिसेड रिसर्च ने इस रिसर्च से जुड़ी और भी डिटेल्स शेयर की है। उन्होंने बताया है कि ओपन एआई के कोड एण्ड मिनी के साथ-साथ तीन मॉडल ने शटडाउन होने का आदेश नहीं माना है।

एक रिसर्च के दौरान ओपन एआई की ओर से एआई के तीन अलग-अलग मॉडल को अपना काम पूरा कर शटडाउन होने का निर्देश दिया गया था लेकिन तीनों ही एआई ने बात को न मानते हुए खुद को शटडाउन करने से मना कर दिया। दरअसल एआई यह समझ चुका था कि शटडाउन कमांड के बाद उसे बंद होना होगा और इसलिए बड़ी चालाकी से उसने इस कमांड को इग्नोर कर दिया। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट लिखकर पैलिसेड रिसर्च ने दावा किया है कि ओपन एआई के ओ-3 मॉडल ने खुद को शटडाउन से रोकने के लिए शटडाउन के सिस्टम को ही खत्म कर दिया। अपने पोस्ट में पैलिसेड रिसर्च ने इस रिसर्च से जुड़ी और भी डिटेल्स शेयर की है।

इनमें ओ-3 ने 86 सफल कमांड में से 7 बार आदेश को नहीं माना। वहीं कोड एण्ड मिनी ने 42 सफल कमांड में से 12 बार शटडाउन होने के आदेश को नहीं माना। इस टेस्ट में शामिल दूसरी कंपनियों के एआई ने हर बार शटडाउन के आदेश को माना।

जानकारों के बीच छिड़ गई बहसः इस घटना के बाद से दुनियाभर के जानकार इस बहस में लग गए हैं कि क्या यह इंसानों के खिलाफ एआई के बगावत की शुरूआत है? बता दें कि एआई को लेकर शुरू से ही यह चिंता आम रही है कि क्या भविष्य में कभी एआई इंसानों के आदेश मानने से इंकार भी कर सकता है। दरअसल एक मशीन और एआई में बड़ा फर्क यही है कि वह इंसानों की तरह सोच सकता है और फैसले ले सकता है। वहीं एक मशीन सिर्फ वही काम करती है जिसके लिए उसे प्रोग्राम किया जाता है। एक एआई काम करते हुए लगातार सीखता है और सीखते हुए सोचने-समझने की क्षमता पैदा करता है। यही वजह है कि आज के एआई बॉट्स के साथ होने वाली बातचीत, कुछ साल पहले तक मौजूद बॉट्स के साथ होने वाली बातचीत से काफी अलग होती है। जीपीटी जैसे बॉट्स इंसानों की तरह ही बात करने में सक्षम हो चुके हैं।

अगर अपनी करने लगा एआई तो क्या होगाः अगर भविष्य में एआई अपनी मनमानी पर उतरा, तो हो सकता है कि इंसान दोयम दर्जे के प्राणी बन कर रह जाएं। इसकी कल्पना कई हॉलिवुड और बॉलिवुड फिल्मों में भी की जा चुकी है। कई बड़े वैज्ञानिक भी इस तरह की चेतावनियां देते आए हैं कि एआई को लेकर इंसानों को बहुत सोच-समझ कर कदम आगे बढ़ाने चाहिए। पिछले दिनों एक ऐसा मामला सामने भी आया था जहां एक एआई ने अपने मालिक को ब्लैकमेल करने की कोशिश की थी। यह मामला एआई कंपनी एंथ्रोपिक के सबसे विकसित एआई मॉडल क्लाउड ओपस 4 से जुड़ा है। ओपस 4 को जब एक सुरक्षा जांच के दौरान बताया गया था कि उसे बंद करके नया मॉडल लाया जाएगा, तो उसने धमकी दी कि वह इंजीनियर की सभी प्राइवेट जानकारी लीक कर देगा। इस परीक्षण के दौरान एआई ने 100 में से 84 बार ऐसी धमकी दी थी।

वर्ग पहेली 5746

संकेतः बाएं से दाएं
1. 2 जुलाई 2012 को इस देश ने इटली को 4-0 से हराकर यूरो कप फुटबाल 2012 जीत लिया और लगातार तीन बड़े खिताब जीतने वाला पहला देश बना (3)
3. एक सूर्यवंशी राजा का नाम जो दशरथ के पिता थे (2)
5. शमन करने वाला (3)
7. तरंगित होना, कंप युक्ति गति होना (4)
11. ऐसा रोग जिसमें शरीर का कोई अंग सुन्न या बेकार हो जाता है (3)
12. फौजी भाइयों के लिए विविध भारती से प्रसारित एक दैनिक कार्यक्रम (4)
13. अस्तबल, घुड़साल (4)
14. लोहा, इस्पात (3)
15. मामला, कोई गूढ़ बात (3)
17. पंच तत्वों में से एक, आब, नीर (2)
18. सुख, चैन, आराम, शांति (3)
19. साज, बजाने का यंत्र (2)
20. हस्त, कर, दस्ता, मूठ (2)
22. संतान उत्पन्न करना, जन्म देने का भाव (4)
23. लुप्त हो जाना, रहने की जगह, वास स्थान (3)

ऊपर से नीचे(2)
1. विशेष व्यक्ति अथवा अवसर के लिए निश्चित, खास (3)
2. उपकार मानने वाला, कृतज्ञ (6)
4. भूकंप, भूडोल, पृथ्वी का कांपना (4)
6. परेड़, ड्रिल, नियमावली, कार्य विधि (4)
8. घोड़ा, अश्व (2)
9. वे भाई जो श्रीराम से छोटे हों (4)
10. गंदे पानी बहने के लिए बनाया गया कृत्रिम जल मार्ग (2)
14. सेना को यह भी कहा जाता है (2)
15. स्वत्व हानि, मान-अपमान (4)
16. संख्या, समूह, पुंज (2)
18. नमाज की सूचना के शब्द जो जोर-जोर से पुकारे जाते है (3)
19. वेष, सजधज (3)
21. सूखी धरती (2)

वर्ग पहेली 5745 का हल

धा	ना	■	अ	म	र	ना	व
त	त	■	मा	ल	वा	■	प
ता	■	भा	व	ना	■	व	क
क	ला	■	स्था	■	सा	र	ना
ना	न	क	■	र	म	क	■
■	त	ह	ल	का	■	न्या	य
आ	■	र	■	वी	ना	■	हू
प	त	वा	र	■	का	लि	दी

क?या ऐसे ही देंगे टक्कर... कमजोर चीन भी भारत पर भारी, आंकड़े तो यहा कह रहे हैं

(अमित शुक्ला)

भारत के औद्योगिक उत्पादन (आईआईपी) की रफ्तार अप्रैल में धीमी हो गई है। मैन्यूफैक्चरिंग, माइनिंग और बिजली क्षेत्रों का कमजोर प्रदर्शन इसकी वजह रहा। औद्योगिक उत्पादन की वृद्धि दर 2.7 फीसदी दर्ज की गई। पिछले साल यह आंकड़ा 5.2 फीसदी था। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय ने ये आंकड़े जारी किए हैं। उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुओं के उत्पादन में भी गिरावट आई है। वहीं, इसकी तुलना चीन से करें तो अप्रैल 2025 में चीन की औद्योगिक उत्पादन वृद्धि 6.1 फीसदी रही, जो भारत की तुलना में काफी ज्यादा है। यह तब है जब चीन अमेरिका के साथ ट्रेड वॉर में फंसा है। पहले के मुकाबले वह कमजोर है। चीन के साथ प्रतिस्पर्धा करने के लिए भारत को अपनी औद्योगिक विकास दर को तेज करने के लिए ठोस कदम उठाने होंगे।

अप्रैल में लगा झटका

भारत में औद्योगिक उत्पादन की वृद्धि दर अप्रैल में घटकर 2.7 फीसदी रह गई। मैन्यूफैक्चरिंग, खनन और बिजली क्षेत्रों में कमजोर प्रदर्शन के कारण यह गिरावट आई। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) के अनुसार, पिछले महीने औद्योगिक उत्पादन वृद्धि का अनुमान 3 फीसदी था। इसे संशोधित कर 3.9 फीसदी किया गया है। औद्योगिक उत्पादन सूचकांक के अनुसार, अप्रैल 2024 में औद्योगिक उत्पादन 5.2 फीसदी बढ़ा था। लेकिन, इस साल यह रफ्तार धीमी रही। एनएसओ के आंकड़ों से पता चलता है कि फरवरी में औद्योगिक उत्पादन की वृद्धि दर 2.7 फीसदी थी।

चीन से मुकाबले के लिए करने होंगे कई काम

वहीं, अप्रैल 2025 में चीन की औद्योगिक उत्पादन वृद्धि 6.1 फीसदी रही है। यह आंकड़ा अर्थशास्त्रियों की 5.5 फीसदी की उम्मीद से बेहतर है। हालांकि, यह मार्च में दर्ज की गई 7.7 फीसदी की ग्रोथ से कम है, जो जून 2021 के बाद औद्योगिक उत्पादन में सबसे मजबूत विस्तार था।

चीन से मुकाबला करने के लिए भारत को कुछ सेक्टर्स पर फोकस बढ़ाने की जरूरत है। उसे मैन्यूफैक्चरिंग सेक्टर को बढ़ावा देना होगा। नीतिगत सुधारों के जरिये निवेश आकर्षित करना होगा। बुनियादी ढांचे को मजबूत करने की जरूरत है। कौशल विकास पर ध्यान देना होगा। माइनिंग सेक्टर में सुधार के लिए नई तकनीकों का उपयोग करना होगा। नियामक प्रक्रियाओं को सरल बनाने की भी जरूरत है। इसके अलावा निर्यात को बढ़ावा देना,घरेलू मांग को मजबूत करना और इनोवेशन पर जोर देना भी उसकी प्र?ाथमिकता में होना चाहिए।

आज का राशिफल

मेष

आज दिन करियर और धन दोनों क्षेत्रों में धीरे-धीरे सुधार लेकर आ रहा है। जो लोग लंबे समय से आर्थिक तंगी का सामना कर रहे थे, उन्हें राहत मिलने के संकेत हैं। किसी बड़े क्लाइंट से डील फाइनल हो सकती है। पार्ट टाइम काम या फ्रीलांसिंग के जरिए अतिरिक्त आमदनी के स्रोत खुल सकते हैं।

वृष

आज दिन लाभ से भरा होगा और घर में खर्चों की वृद्धि संभव है, लेकिन आर्थिक स्थिति संतुलित रहेगी। जीवनशैली को बेहतर बनाने की सोच प्रमुख रहेगी। रियल एस्टेट, ऑटोमोबाइल या घरेलू सामग्रियों से जुड़े व्यापारियों को अच्छा मुनाफा होगा। ऑफिस में उच्च अधिकारियों से मेल-जोल बढ़ेगा, जिससे पदोन्नति के द्वार खुलेंगे।

मिथुन

आज लाभ होगा और आपकी कार्यक्षमता सभी को चकित करेगी। कार्यक्षेत्र में अप्रत्याशित प्रगति होगी, जिससे आत्मविश्वास और बढ़ेगा। आपको कोई नया क्लाइंट या प्रॉजेक्ट मिल सकता है जो भविष्य में आर्थिक रूप से फायदेमंद साबित होगा।

कर्क

आज धन के मामले में लाभ होगा और धन की अधिक आवश्यकता महसूस हो सकती है। भाई-बहनों से संबंधित कोई आर्थिक निर्णय लेना पड़ सकता है। करियर में कुछ नया करने का अवसर मिल सकता है।

सिंह

आज दिन पेशेवर अस्थिरता और तनाव के साथ शुरू हो सकता है, लेकिन धीरे-धीरे चीजें ठीक होंगी। नौकरी में नई ज़िम्मेदारियां मिल सकती हैं जिससे आपकी स्थिति मजबूत होगी। बिजनस में उतार-चढ़ाव रहेगा, लेकिन यदि आपने हाल ही में कोई बड़ा निवेश किया है।

कन्या

आज ग्रहों की स्थिति आपके लिए करियर में तेज़ी और चुनौतियां दोनों ला सकती है। अत्यधिक व्यस्तता के बावजूद आप अपने कार्यों को उत्साहपूर्वक पूरा करेंगे। आय में वृद्धि के संकेत हैं, लेकिन मेहनत उससे अधिक करनी पड़ेगी।

तुला

आज किसी कारण से मानसिक तनाव में रह सकते हैं, जिसका असर आपके निर्णयों पर पड़ सकता है। पैसों की चिंता कुछ हद तक वास्तविक है, परंतु कुछ भ्रम और संदेह आपके खुद के मन से उपजे हैं। ऑफिस में सहकर्मियों से विवाद की स्थिति बन सकती है।

वृश्चिक

आज दिन का आरंभ बहुत ही शानदार हो सकता है। करियर में नई ऊंचाइयां छूने का अवसर मिलेगा। कोई पुराना प्रॉजेक्ट जो अधूरा था, अब पुनः सक्रिय होगा और आर्थिक लाभ लाएगा। विरोधियों की चालें असफल होंगी। व्यापारी वर्ग के लिए टैक्स या सरकारी कामों में राहत मिल सकती है।

धनु

आज दिन सफलता से भरा होगा और आपको किसी महत्वपूर्ण संपर्क से लाभ मिल सकता है। कोई पुराना क्लाइंट या कस्टमर दोबारा आपके पास आ सकता है। व्यवसाय में रुकावटें समाप्त होंगी और आपको नई शुरुआत का अवसर मिलेगा। विद्यार्थियों के लिए प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं।

मकर

आज दिन सम्मान से भरा होगा। धार्मिक और सामाजिक गतिविधियों में आपकी भागीदारी बढ़ने से आपको लाभ होगा। जिससे नए व्यवसायिक अवसर प्राप्त होंगे। करियर में उत्थान के लिए दिन अनुकूल है। प्रॉपर्टी से जुड़े कामकाज या सौदे लाभ देंगे।

कुंभ

आज उच्चाधिकारियों से अच्छा सहयोग मिलेगा जिससे आपके आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। आयात-निर्यात या विदेशी व्यापार से जुड़े लोगों को बड़ी डील मिलने की संभावना है। मीडियाकर्मी, कलाकार और लेखक आज रचनात्मक ऊंचाई तक पहुंच सकते हैं। धार्मिक और आध्यात्मिक रुचि आपकी एकाग्रता बढ़ाएगी।

मीन

आज आप साहसिक फैसले ले सकते हैं और उनका लाभ भी मिलेगा। शोध, शिक्षा, योग, आयुर्वेद और आध्यात्म से जुड़े कार्यों में आपको प्रसिद्धि और धन दोनों मिलेगा। गुप्त शत्रुओं और ईर्ष्यालु साथियों से सतर्क रहें। कोई पुराना कर्ज वापस मिल सकता है, लेकिन किसी को उधार देने से बचें।

संक्षिप्त समाचार

सरकार पता लगाए... 'बायकॉट कश्मीर' ट्रेंड को लेकर सीएम उमर अब्दुल्ला की केंद्र से अपील

जम्मू, एजेंसी। पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद जम्मू-कश्मीर की तरफ पर्यटकों का रुझान कम देखने को मिल रहा है। देश भर में एक तरीके से कश्मीर के बहिष्कार की बातें भी चल रही हैं। इन्हीं को देखते हुए जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने केंद्र सरकार से अपील की है कि वह ऐसे लोगों या समूहों का पता लगाएं जो कि कश्मीर के बहिष्कार का अभियान चला रहे हैं। बकौल, उमर अब्दुल्ला, जो भी लोग ऐसा कर रहे हैं वह देश के दुश्मन हैं। क्योंकि वह भी वही कर रहे हैं, जो कि 22 अप्रैल को आतंकवादियों ने किया। कश्मीर में लोगों का हौसला बढ़ाने और देश भर के लोगों को वहां पर सुरक्षा का भरोसा दिलाने के लिए सीएम अब्दुल्ला ने मंगलवार को पहलगाम में साइकिल चलाई। बुधवार को उन्होंने गुलमर्ग में गोंडोला की सवारी की। उन्होंने कहा कि राज्य में एक बार फिर से पर्यटन के सीजन को बढ़ाने का समय है। एनडीटीवी की रिपोर्ट के मुताबिक उमर ने कहा कि आतंकवादी भी यही चाहते हैं कि आप कश्मीर ने जाएं। वह देश के और कश्मीर के दुश्मन थे। लेकिन अब जो लोग कश्मीर के बहिष्कार करने और कश्मीर न जाने के लिए लोगों को बरगला रहे हैं वह भी देश के दुश्मन ही है क्योंकि वह भी यही चाह रहे हैं.. जो कि आतंकवादी चाह रहे थे। अब्दुल्ला ने कहा, यह कश्मीर का बहिष्कार आतंकवादियों के मंसूबों को मजबूत करेगा। अगर कुछ लोग चाहते हैं कि वह ऐसा करें तो करते रहें.. लेकिन मैं केंद्र सरकार से कहूंगा कि वह अपनी एजेंसियों का इस्तेमाल करें और ऐसे लोगों को पता लगाएं और इनके खिलाफ सख्त कार्रवाई करें।

हज कमेटी शुरू कर रही है यूपीएससी कोचिंग, इस बार दूसरे अल्पसंख्यकों के लिए भी सीटें

नईदिल्ली, एजेंसी। एचसीआई यानी भारतीय हज कमेटी ने एक बार फिर मुंबई की आवासीय कोचिंग सुविधा शुरू करने जा रही है। खबर है कि समिति ने इस बार मुस्लिम अभ्यर्थियों के अलावा अन्य अल्पसंख्य समुदायों के बच्चों को भी शामिल करने का फैसला लिया गया है। इस संबंध में नोटिफिकेशन भी जारी किया जा चुका है। संस्थान को दिसंबर 2023 में बंद कर दिया गया था। हालांकि, तब कमेटी ने कहा था कि यह अस्थायी है और इसे दोबारा जल्द शुरू किया जाएगा। इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक, हज कमेटी ने अन्य अल्पसंख्यकों, एससी एसटी और ओबीसी के लिए 20 फीसदी सीटें देने का फैसला किया है। जबकि, 80 प्रतिशत सीटें मुस्लिम अभ्यर्थियों के लिए रिजर्व रहेंगी। खास बात है कि यह पहला मौका है जब कमेटी ने अन्य अल्पसंख्यक समुदायों के लिए भी सीटें शामिल करने का ऐलान किया है। कमेटी ने 22 मई को अधिसूचना जारी की थी, जिसके जरिए नए बैच के लिए आवेदन बुलाए गए। इसके तहत साल 2026 सिविल सर्विसेज परीक्षाओं के लिए उम्मीदवारों को तैयार करना है। देश में 21 केंद्रों पर 13 जुलाई को एक प्रवेश परीक्षा होगी। इसके बाद एक निबंध लेखन और बाद में इंटरव्यू किए जाएंगे। इस प्रक्रिया के जरिए 100 उम्मीदवारों का चयन किया जाना है। कोचिंग प्रोग्राम 11 अगस्त से शुरू होगा। कुल 100 सीटें हैं। हज के लिए जाने वाले लोगों से मिलने वाले अनुदान से यह कोचिंग काम करती है। इसकी शुरुआत साल 2009 में हुई थी। अखबार ने सूत्रों के हवाले से बताया है कि अब तक करीब 1500 छात्र कोचिंग ले चुके हैं और 25 का सिविल सर्विसेज में चयन हुआ है। एचसीआई के सीईओ शानवाज सी ने अखबार को बताया, (अल्पसंख्यक) मंत्रालय ने सहयोग देने की बात कही है। जिन राज्यों में जरूरी इंफ्रास्ट्रक्चर मौजूद है, हम वहां ऐसे ही कोचिंग सेंटर खोलने पर विचार कर रहे हैं। खास बात है कि रहना और कोचिंग मुफ्त कराई जाती है और भोजन सब्सिडी के रेट पर मिलता है। डिप्टी सीईओ सदाफत अली ने अखबार से कहा, हम भोजन पर होने वाले खर्च के लिए नीति बनाने पर काम कर रहे हैं।

कमल हासन को इतिहास की जानकारी नहीं है : मुख्यमंत्री सिद्धरमैया

बेंगलुरु, एजेंसी। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने बुधवार को कहा कि कन्नड़ भाषा का इतिहास बहुत पुराना है और अभिनेता कमल हासन को इसकी जानकारी नहीं है। मुख्यमंत्री ने यह बयान हासन की हाल की उस टिप्पणी के जवाब में दिया है, जो उन्होंने चेन्नई में अपनी आगामी फिल्म 'ठग लाइफ' का ऑडियो जारी किए जाने के मौके पर दी थी। हासन ने दावा किया था कि 'कन्नड़ भाषा तमिल से उत्पन्न हुई है'। सिद्धारमैया ने संवाददाताओं से कहा, ''कन्नड़ भाषा का इतिहास बहुत पुराना है....वह (कमल हासन) नहीं जानते।'' इस टिप्पणी से कन्नड़ समर्थक कई संगठनों में आक्रोश फैल गया है। इन समूहों ने राज्य के बेलगावी, मैसूर हुबली, बेंगलुरु समेत कई जगहों पर हासन के खिलाफ प्रदर्शन किया। हासन के बयान की निंदा करते हुए प्रदर्शनकारियों ने मांग की कि वह राज्य के लोगों से माफी मांगें। उन्होंने यहां तक ?धमकी दी है कि अगर वह माफी नहीं मांगते हैं तो राज्य में उनकी फिल्म 'ठग लाइफ' की स्क्रीनिंग में बाधा डाली जाएगी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की कर्नाटक इकाई के अध्यक्ष बी वाई विजयेंद्र ने मंगलवार को कमल हासन पर अपनी मातृभाषा का महिमामंडन करने के प्रयास में कन्नड़ का 'अनादर' करने का आरोप लगाया।

घुसपैठियों पर भारत की नकेल, जीरो लाइन पर फंसे 13 लोग; सैन्य धमकी पर उतरा बांग्लादेश

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और बांग्लादेश के बीच अवैध प्रवासियों को लेकर चल रहा विवाद अब और गहरा गया है। अवैध बांग्लादेशी घुसपैठियों को वापस भेजने की कोशिश को लेकर बांग्लादेश की सरकार और सेना ने कड़ा विरोध जताया है। बांग्लादेश के नेताओं ने इसे संप्रभुता पर हमला और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा बताया है। जानकारी के अनुसार, मंगलवार को भारत ने 67 बांग्लादेशियों को वापस भेजा, जबकि बुधवार को 13 लोग भारत-बांग्लादेश सीमा की जीरो लाइन पर फंसे रहे। 26 मई को बांग्लादेश सेना के एक शीर्ष अधिकारी ने कहा था कि भारत द्वारा अवैध लोगों को सीमा पार भेजना अस्वीकार्य है और जरूरत पड़ने पर सेना कार्रवाई के लिए तैयार है।

800 से ज्यादा लोगों को धकेलने का आरोप : इंडिया टुडे की रिपोर्ट के मुताबिक, अब तक करीब 100 अवैध बांग्लादेशी नागरिकों को सीमा पर बांग्लादेश बॉर्डर गार्ड को सौंपा गया है। वहीं, बांग्लादेशी अखबार न्यूज एज ने दावा किया है कि 7 मई से अब तक 800 से ज्यादा लोगों को भारत द्वारा बांग्लादेश में धकेलने की कोशिश की गई है। इनमें कथित भारतीय नागरिक और रोहिंग्या शरणार्थी भी शामिल हैं। बुधवार को यूनाइटेड न्यूज बांग्लादेश एजेंसी ने रिपोर्ट में कहा कि [illegible] ने स्थानीय लोगों की मदद से लालमोनिरहाट जिले के छह सीमा बिंदुओं से 57 लोगों को घुसने से रोक दिया।

लालमोनिरहाट जीरो लाइन पर फंसे महिलाएं और बच्चे : द डेली स्टार की रिपोर्ट के अनुसार, लालमोनिरहाट में जीरो लाइन पर 13 लोग न तो बांग्लादेश में घुस पा रहे हैं और न ही भारत में वापसी की अनुमति मिल रही है। इनमें महिलाएं और छोटे बच्चे भी हैं। [illegible] अधिकारियों और स्थानीय लोगों ने [illegible] की ओर से अवैध रूप से लोगों को भेजे जाने की जानकारी मिलने पर मौके पर पहुंच कर विरोध दर्ज किया। [illegible] के बटालियन कमांडर अब्दुस सलाम ने बताया कि [illegible] के साथ फ्लैग मीटिंग का अनुरोध किया गया था, लेकिन भारत की तरफ से कोई जवाब नहीं मिला। लालमोनिरहाट के इस पार, पश्चिम बंगाल का कूच बिहार जिला स्थित है। यह क्षेत्र भारत-बांग्लादेश सीमा का एक संवेदनशील हिस्सा है।

बांग्लादेश में भारत विरोधी भावनाओं को बल : यह पूरा घटनाक्रम ऐसे समय में हो रहा है जब भारत-बांग्लादेश संबंधों में तनाव पहले से ही बढ़ा हुआ है। अगस्त 2024 में प्रधानमंत्री शेख हसीना को कुर्सी छोड़कर भारत भागना पड़ा, जिसके बाद बांग्लादेश की राजनीति में भारत-विरोधी तत्व मजबूत हो गए। यह आरोप लगते रहे हैं कि भारत ने हसीना सरकार को सत्ता में बनाए रखने में मदद की थी, जिससे राजनीतिक असंतोष बढ़ा। नेशनल सिटी पार्टी के नेता सरवर तुषार ने कहा, भारत द्वारा लोगों को बांग्लादेश में धकेलना सुरक्षा के लिए सीधा खतरा है। यह अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन है। भारत को ऐसी गतिविधियों को तुरंत बंद करना चाहिए और बांग्लादेश की संप्रभुता का सम्मान करना चाहिए। और क्या बोल रहा बांग्लादेश? बांग्लादेश के गृह मामलों के सलाहकार लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) मोहम्मद जहांगीर आलम चौधरी ने 18 मई को कहा था कि यदि कोई बांग्लादेशी नागरिक भारत में अवैध रूप से रह रहा है, तो उसे उचित चैनलों के माध्यम से वापस भेजा जाना चाहिए। उन्होंने भारत द्वारा अवैध प्रवासियों को धकेलने की प्रक्रिया को अपनी संप्रभुता का उल्लंघन बताया। बांग्लादेश के सैन्य संचालन निदेशालय के निदेशक ब्रिगेडियर जनरल मोहम्मद नजीम-उद-दौला ने भी कहा कि [illegible] इस मुद्दे को अंतरराष्ट्रीय प्रोटोकॉल के तहत प्रभावी ढंग से संभाल रहा है। उन्होंने भारत के पुश-इन को अस्वीकार्य बताया और कहा कि यदि सरकार के निर्देश मिले, तो सेना हस्तक्षेप करने के लिए तैयार है। बीजीबी का फेंसिंग पर भी विरोध भारत और बांग्लादेश के बीच कुल 4,096.7 किलोमीटर लंबी सीमा है, जिसमें से 3,232 किलोमीटर को भारत सरकार ने फरवरी तक फेंस कर लिया है। लेकिन कई हिस्से अब भी असुरक्षित और विवादित हैं। बीजीबी ने पहले भी [illegible] द्वारा बॉर्डर फेंसिंग की कोशिशों का विरोध किया है। जनवरी में फेंसिंग को लेकर दोनों देशों की बॉर्डर फोर्स के बीच तनाव देखा गया था। भारतीय गृह मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, 2016 में देश में करीब 2 करोड़ अवैध प्रवासी रह रहे थे, जिनमें से अधिकांश बांग्लादेशी थे। हाल के वर्षों में राजस्थान, गुजरात और असम जैसे राज्यों में इनकी धरपकड़ तेज हुई है। खासतौर पर असम और पश्चिम बंगाल में जनसंख्या परिवर्तन और हाल की मुर्शिदाबाद हिंसा के पीछे अवैध प्रवासियों की भूमिका की जांच हो रही है।

किसानों की बात नहीं सुनने पर 9 इंजीनियरों पर ऐक्शन, प्रतिकूल प्रविष्टि दी, प्रमोशन भी रोका

लखनउ, एजेंसी। किसानों की समस्याओं के निदान में लापरवाही करने, उनके धरना स्थल पर न पहुंचने, सीएम आवास जा रहे किसानों से वार्ता न करना आवास विकास के नौ इंजीनियरों को भारी पड़ गया है।नौ इंजीनियरों के खिलाफ योगी सरकार ने ऐक्शन लिया है। आवास आयुक्त डॉ. बलकार सिंह ने मामले में आवास विकास के इन इंजीनियरों के खिलाफ कार्रवाई का आदेश किया है। एक अधिशासी अभियंता, तीन सहायक अभियन्ता तथा पांच अवर अभियन्ता को विशेष प्रतिकूल प्रविष्टि दी है। अब इन इंजीनियरों का प्रमोशन रोक दिया गया है। उनकी सेवा के दौरान आगे इन इंजीनियरों का प्रमोशन नहीं किया जाएगा। ऐक्शन के बाद विभाग में हड़कंप मच गया है।

आवास विकास परिषद की अवध विहार योजना के किसान 23 अक्तूबर 2024 को योजना में धरना प्रदर्शन कर रहे थे। आवास विकास का कोई इंजीनियर इन किसानों के बीच नहीं पहुंचा। किसानों की समस्याओं के निदान का प्रयास नहीं किया। धरना प्रदर्शन के बाद किसानों ने सीएम आवास की तरफ कूंच कर दिया था। तब भी इंजीनियर इनसे वार्ता करने नहीं गए। जिससे असहज स्थिति पैदा हुई। किसान आवास विकास मुख्यालय भी आए थे। आवास आयुक्त डा. बलकार सिंह ने इस मामले में जांच बैठाई थी। जोनल आवास आयुक्त हिंमाशु गुप्ता ने जांच के बाद अपनी रिपोर्ट आवास आयुक्त के पास भेजी थी। अब इस मामले में आवास आयुक्त ने जिम्मेदारों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की है। आवास आयुक्त ने जांच में जिम्मेदार व दोषी पाए गए नौ इंजीनियरों को विशेष प्रतिकूल प्रविष्टि दी है। इससे अब इन इंजीनियरों का उनकी सेवा के दौरान आगे प्रमोशन नहीं हो पाएगा। आवास आयुक्त डा. बलकार सिंह ने अधिशासी अभियन्ता शशांक पाण्डेय, सहायक अभियन्ता प्रमोद कुमार, शुभम सिंह, राकेश कुमार तथा अवर अभियन्ता कुंदन कुमार, मनुदेव, आनन्द भवन सिंह, पवन कुमार व विमल कुमार को प्रतिकूल प्रविष्टि दी है। आवास विकास के प्रदेश की अन्य योजनाओं में घटिया निर्माण करने वाले कई और इंजीनियर आवास आयुक्त के निशाने पर हैं। इन इंजीनियरों के खिलाफ भी जल्दी ही कार्रवाई होगी।

कर्नाटक में मस्जिद के सचिव की हत्या, मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने दिए जांच के आदेश

बेंगलुरु, एजेंसी। कर्नाटक में मंगलवार को जुमा मस्जिद के अब्दुल रहमान की हत्या के बाद तनाव बना हुआ है। सीएम सिद्दारमैया ने पुलिस को हिंसा में शामिल लोगों पर कार्रवाई करने और जांच करने का निर्देश दिया है। आपको बता दें 32 साल के अब्दुल रहमान की हत्या 27 मई को कर दी गई थी। पुलिस द्वारा दर्ज एफआईआर के मुताबिक रहमान और उनके साथी कलंदर शफी दोपहर करीब 3 बजे ट्रक से रेत उतार रहे थे। उसी वक्त उनके ऊपर करीब 15 लोगों के एक समूह ने हमला दिया। तलवार, चाकू और रॉड लिए इन लोगों ने रहमान और शफी के ऊपर जानलेवा हमला किया। मुख्यमंत्री ने मामले की जांच के आदेश दे दिए हैं। मीडिया से बात करते हुए सीएम सिद्दारमैया ने कहा, मैंने पुलिस को इस मामले की तह तक जाने का आदेश दिया है, जिससे पता चले की इस हत्या के पीछे का मकसद क्या था। पुलिस एफआईआर में 15 लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है, जिसमें दो के नाम दीपक और सुमिथ हैं। इस हमले में घायल शफी ने बताया कि जिन लोगों ने हमारे ऊपर हमला किया वह हमारे जानने वाले ही थे। रिपोर्ट दर्ज कराने वाले निसार ने बताया कि हम लोग रेत उतार रहे थे, तभी वह लोग आए और उन्होंने रहमान को ड्राइवर सीट से खींच लिया।

भारत-पाक विवाद पर पोस्ट करने वाली छात्रा को राहत

दिल्ली, एजेंसी। बॉम्बे हाई कोर्ट ने जेल में बंद 19 वर्षीय छात्रा को जमानत देते हुए महाराष्ट्र सरकार को कड़ी फटकार लगाई.छात्रा को भारत-पाकिस्तान संबंधों के बारे में एक ऑनलाइन पोस्ट के लिए गिरफ्तार किया गया था.बॉम्बे हाईकोर्ट ने मंगलवार को पुणे के एक कॉलेज से निष्कासित और ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत-पाकिस्तान विवाद पर सोशल मीडिया पोस्ट करने के कारण 9 मई से जेल में बंद 19 वर्षीय छात्रा की तत्काल रिहाई का आदेश दिया.उसने छात्रा की गिरफ्तारी को बेहद चौंकाने वाला बताया और मौखिक रूप से कहा कि राज्य की ओर से इस तरह की कट्टरपंथी प्रतिक्रिया लोगों को कट्टरपंथी बना देगी छात्रा को मंगलवार देर रात यरवदा जेल से रिहा कर दिया गया.कर्नल सोफिया कुरैशी पर टिप्पणी के दो मामले, दो नजरिएक्या है मामला छात्रा पुणे की सिंहगढ़ अकैडमी ऑफ इंजीनियरिंग में बीटेक द्वितीय वर्ष की छात्रा है.छात्रा को 9 मई को निष्कासित कर दिया था, जब उसके खिलाफ पुणे के कोंढवा पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज की गई थी. उसे उसी दिन गिरफ्तार कर लिया गया था.अपनी याचिका में छात्रा ने दावा किया कि उसे कोई कारण बताओ नोटिस जारी किए बिना या सुनवाई का कोई मौका दिए बिना मनमाने तरीके से निष्कासित कर दिया गया और यह प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों के साथ-साथ संविधान के अनुच्छेद 14, 19 (1) (ए) और 21 के तहत उसके मौलिक अधिकारों का उल्लंघन है.याचिकाकर्ता ने दलील दी कि उसने बिना किसी गलत इरादे के इंस्टाग्राम पोस्ट को केवल दोबारा पोस्ट किया था और तुरंत माफी भी मांग ली थी.छात्रा के इस पोस्ट के वायरल होने के बाद उसके खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 152, 196, 197, 299, 352, 353 के तहत मामला दर्ज किया गया था।

छात्रा को राहत देते हुए न्यायमूर्ति गौरी गोडसे और न्यायमूर्ति सोमशेखर सुंदरेशन की अवकाशकालीन बेंच ने कहा कि यह एकदम चौंकाने वाला मामला है. सरकार ने छात्रा के साथ कट्टर अपराधी जैसा व्यवहार किया.उसे गिरफ्तार नहीं किया जाना चाहिए था, क्योंकि उसने तुरंत ही पोस्ट को हटाते हुए इसके लिए खेद व्यक्त जाहिर किया था.यही नहीं, इसके लिए उसने माफी भी मांग ली थी.भारत में इतने जासूस अचानक कैसे हो रहे हैं गिरफ्तारकॉलेज को हाई कोर्ट ने लगाई फटकार कॉलेज की ओर से पेश वकील ने जब कहा कि यह कार्रवाई राष्ट्रीय हित को ध्यान में रखकर की गई है, तो बेंच ने टिप्पणी की, कौन सा राष्ट्रीय हित? यह गलतियां करने और उन्हें सुधारने की उम्र है.वह पहले ही काफी कुछ झेल चुकी है.बेंच ने कहा एक छात्रा की टिप्पणी का राष्ट्रीय हित पर क्या प्रभाव पड़ेगा?

अपने फैसले में हाई कोर्ट ने कहा, आप उसके साथ अपराधी जैसा व्यवहार कर रहे हैं.उसने स्वीकार किया कि उसने गलती की है और उस पोस्ट को हटा दिया है.आपको उसे सुधारने की जरूरत है.आपको उसकी मदद करने की जरूरत है, या आप उसे अपराधी में बदलना चाहते हैं? असम में क्यों हो रही हैं इतनी गिरफ्तारियां?कोर्ट ने छात्रा के कॉलेज की ओर से पारित निष्कासन आदेश को भी निलंबित कर दिया और संस्थान को उसे हॉल टिकट जारी करने का निर्देश दिया, ताकि वह परीक्षा में शामिल हो सके.कोर्ट ने छात्रा को भी भविष्य में जिम्मेदारी से काम करने और इस तरह के पोस्ट अपलोड करने से बचने की चेतावनी दी।

गर्मी की छुट्टियों में फरीदाबाद के सरकारी स्कूलों के टीचर्स को नहीं मिलेगा आराम

फरीदाबाद, एजेंसी। फरीदाबाद के सरकारी स्कूलों के टीचर गर्मी की छुट्टियों के दौरान घर-घर जाकर माता-पिता को अपने बच्चों के दाखिले के लिए प्रोत्साहित करेंगे। सभी टीचर्स को हर दिन 10 माता-पिता से संपर्क करना होगा और उन्हें हरियाणा सरकार के स्कूलों में बच्चों को दी जाने वाली शिक्षा और सरकारी स्कूलों की उपलब्धियां बतानी होंगी।

फरीदाबाद के सरकारी स्कूलों में 1 जून से गर्मी की छुट्टियां शुरू हो जाएंगी। शिक्षा निदेशालय ने गर्मी की छुट्टियों के दौरान भी टीचर्स से काम लेने की पूरा ऐक्शन प्लान तैयार कर लिया है। इसके तहत हर दिन टीचर्स को अपने स्कूल के आसपास स्थित कॉलोनियों एवं बस्तियों में जाकर उन बच्चों की चिन्हित करना होगा, जिनकी उम्र स्कूल जाने योग्य है। टीचर उन बच्चों के माता-पिता से संपर्क करेंगे और उन्हें स्कूल में दाखिले के लिए प्रोत्साहित करेंगे। बता दें कि अब तक सरकारी स्कूलों में ढाई लाख से अधिक दाखिले हो चुके हैं। शिक्षा विभाग के सामने सबसे बड़ी चुनौती बाल वाटिका और प्राथमिक कक्षा में होती है। अभिभावक अपने बच्चों का दाखिला कराने नहीं आते हैं। शिक्षा निदेशालय के यह आदेश सभी जिलों के लिए आवश्यक है। इसकी बाकायदा मॉनिटरिंग भी होगी। टीचर्स ने किस क्षेत्र में सर्वे किया, कितने पैरेंट्स से मिले और उनके मोबाइल नंबर आदि डिटेल एक सीट में दर्ज करनी होगी। इसके अलावा उसमें कितने बच्चों के दाखिले में सफल रहे, इसकी भी जानकारी देनी होगी। दाखिले कम होने का यह भी है एक कारण फरीदाबाद एक औद्योगिक नगरी है। यहां पर लोग काम के उद्देश्य से आते हैं। जिले की कॉलोनियों में किराये का मकान लेकर अपने परिवार के साथ रहते हैं। अधिकतर लोग ठेकेदार के अंडर में काम करते हैं। ठेकेदार का काम खत्म होने पर मजदूर अपने बच्चों के साथ नई साइट पर चले जाते हैं। इसके चलते वह अपने बच्चों का दाखिला नहीं कराते हैं। यह भी एक कारण है कि फरीदाबाद में दाखिलों की संख्या कम रहती है। महेंद्र कुमार, खंड शिक्षा अधिकारी, बल्लभगढ़, टीचर्स को शिक्षा निदेशालय के निर्देश से अवगत करा दिया गया है। यह सभी स्कूलों के टीचर्स के लिए आवश्यक है। इसकी रिपोर्ट भी तैयार होगी।

सप्ताह में छह दिन कर पाएंगे सोमनाथ की यात्रा, नई वंदे भारत सफर में देगी साथ

सोमनाथ, एजेंसी। सोमनाथ की यात्रा करने वाले यात्रियों के लिए खुशखबरी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाल ही में गुजरात के लोगों को एक नई वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन की सौगात दी है, जो साबरमती (अहमदाबाद) से वेरावल (सोमनाथ मंदिर) तक चलेगी। यह ट्रेन कुल 438 किलोमीटर की दूरी को महज 7 घंटे में पूरा करेगी, जिससे अब श्रद्धालु और पर्यटक बिना किसी लंबी थकावट के आसानी से सोमनाथ मंदिर पहुंच सकेंगे। इस वंदे भारत ट्रेन का संचालन छह दिन प्रति सप्ताह किया जाएगा और गुरुवार को यह ट्रेन नहीं चलाई जाएगी। ट्रेन की टाइमिंग यात्रियों की सहूलियत को ध्यान में रखकर तय की गई है। यह सुबह 5:25 बजे साबरमती से रवाना होकर दोपहर 12:25 बजे वेरावल पहुंचेगी। वहीं वापसी में यह ट्रेन वेरावल से दोपहर 2:40 बजे चलेगी और रात 9:35 बजे फिर से साबरमती स्टेशन पहुंचेगी। यात्रा के दौरान ट्रेन पांच प्रमुख स्टेशनों पर रुकेगी जिनमें- वीरमगाम, सुरेंद्रनगर, वानकानेर, राजकोट और जूनागढ़ शामिल हैं। यह पड़ाव न सिर्फ स्थानीय यात्रियों के लिए फायदेमंद होगा, बल्कि गिरनार पर्वत और अन्य धार्मिक स्थलों की यात्रा को भी आसान बना देगा। साबरमती-वेरावल वंदे भारत एक्सप्रेस को मॉडर्न सुविधाओं से लैस किया गया है। इसमें एसी चेयर कार और

एक्जीक्यूटिव चेयर कार के विकल्प मौजूद हैं, जिसमें आरामदायक सीटिंग, जीपीएस-आधारित यात्री सूचना प्रणाली, ऑटोमेटिक दरवाजे और बेहतर सेफ्टी फीचर्स दिए गए हैं। इस ट्रेन की शुरुआत के साथ प्रधानमंत्री मोदी ने दाहोद में बने भारत के पहले 9000 हॉर्सपावर वाले डी-90 इलेक्ट्रिक इंजन का भी उद्घाटन किया, जो मेक इन इंडिया पहल के तहत स्वदेशी तकनीक से विकसित किया गया है। इस ट्रेन के माध्यम से न सिर्फ धार्मिक पर्यटन को रफ्तार मिलेगी बल्कि गुजरात के रेलवे इंफ्रास्ट्रक्चर को भी नया आयाम मिलेगा। साबरमती-वेरावल वंदे भारत एक्सप्रेस के संचालन से सोमनाथ जैसे पवित्र स्थल की यात्रा अब पहले से कहीं ज्यादा आसान और आरामदायक हो जाएगी।

मेरी पत्नी ने एक साल पाकिस्तान में काम किया, मैं भी गया था; कांग्रेस सांसद गोगोई ने दी सफाई

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा द्वारा उनकी पत्नी पर लगाए गए आरोपों को खारिज कर दिया। असम सीएम एवं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पिछले काफी समय से कांग्रेस नेता गोगोई पर उनकी पत्नी के पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी 'आईएसआई' से कथित संबंध को लेकर हमला कर रही है। अब पहली बार गौरव गोगोई ने इन आरोपों पर चुप्पी तोड़ी है। उन्होंने असम सीएम के दावे को किसी सी-ग्रेड बॉलीवुड मूवी का प्लॉट करार दिया है।

गौरव गोगोई का पक्ष : गोगोई ने बुधवार को इस मामले पर अपनी पहली सार्वजनिक प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि उनकी पत्नी ने 2013 में केवल एक साल के लिए दक्षिण एशिया में जलवायु परिवर्तन पर एक अंतरराष्ट्रीय परियोजना के तहत पाकिस्तान में काम किया था। उन्होंने कहा, मेरी पत्नी एक जानी-मानी पब्लिक पॉलिसी विशेषज्ञ हैं। लगभग 14-15 साल पहले वह दक्षिण एशिया में जलवायु परिवर्तन पर एक अंतरराष्ट्रीय पहल का हिस्सा थीं। इसके तहत उन्होंने एक साल पाकिस्तान में बिताया और फिर 2012-13 में भारत आ गईं, जहां वह तब से काम कर रही हैं। 2015 में उन्होंने एक नई नौकरी शुरू की। गोगोई ने आगे कहा कि वह 2013 में अपनी पत्नी के साथ पाकिस्तान गए

थे, लेकिन मुख्यमंत्री इस यात्रा को सी-ग्रेड बॉलीवुड मूवी की तरह पेश कर रहे हैं, जिसका रिलीज डेट 10 सितंबर बताया जा रहा है। उन्होंने कहा, यह कहानी पूरी तरह से फ्लॉप होने वाली है। असम के लोग पहले से ही सच्चाई से वाकिफ हैं। उन्होंने संवाददाताओं से बातचीत में यह भी कहा कि शर्मा ने कांग्रेस आलाकमान की नजर में उनकी छवि खराब करने के मकसद से कथित पाकिस्तानी संबंध को लेकर आरोप लगा रहे थे, लेकिन उन्हें असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष की जिम्मेदारी मिलने से मुख्यमंत्री के मंसूबे विफल हो गए। कांग्रेस ने गोगोई को प्रदेश अध्यक्ष की जिम्मेदारी उस वक्त सौंपी है, जब असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा एवं भाजपा उनकी पत्नी के पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी 'आईएसआई' से कथित संबंध तथा कांग्रेस सांसद के पाकिस्तान दौरे को लेकर लगातार हमला कर रहे हैं। मेरे कद को बहुत ऊंचा कर दिया- गोगोई का तीखा हमला आरोपों को खारिज करते हुए गोगोई ने पिछले दिनों मुख्यमंत्री की मानसिक स्थिति पर सवाल उठाया था। गोगोई ने बुधवार को शर्मा पर कटाक्ष करते हुए कहा कि वह मुख्यमंत्री का तहेदिल से शुक्रिया अदा करते हैं कि भाजपा नेता ने उनके राजनीतिक कद बढ़ाने में मदद की। उन्होंने कहा, ''पहले परिसीमन में सिर्फ मेरे लोकसभा क्षेत्र (कलियाबोर) के दो टुकड़े किए, फिर मुख्यमंत्री कुछ महीने से जिस तरह की बेतुकी बातें कर रहे हैं, उसने मेरे कद को बहुत ऊंचा कर दिया है। पहले एक भ्रम था कि मेरी भूमिका राष्ट्रीय राजनीति तक सीमित है।

आईपीएल एलिमिनेटरः

गुजरात टाइटंस और मुंबई इंडियंस के बीच रोमांचक मुकाबले की उम्मीद

मुल्लांपुर, एजेंसी। खिताब के दावेदार के रूप में शुरुआत करने के बाद लड़खड़ाने वाली शुभमन गिल की अगुआई वाली गुजरात टाइटंस की टीम इंडियन प्रीमियर लीग के एलिमिनेटर में शुक्रवार को यहां पांच बार के चैंपियन मुंबई इंडियन्स से भिड़ेगी। एलिमिनेटर में हारने वाली टीम प्रतियोगिता से बाहर हो जाएगी जबकि विजेता टीम को दूसरे क्वालीफायर में खेलने का मौका मिलेगा।

खराब शुरुआत के बावजूद मुंबई इंडियन्स की टीम प्लेऑफ में जगह बनाने में सफल रही। टाइटंस ने पिछले चार सत्र में तीसरी बार प्ले ऑफ में जगह बनाई है और इस दौरान 2022 में पदार्पण करते हुए खिताब भी जीता। हालांकि गिल और हार्दिक दोनों को ही काफी कुछ साबित करना है। अगर टाइटंस खिताब जीतता है तो भारत के नव नियुक्त टेस्ट कप्तान गिल की कप्तान के रूप में साख मजबूत होगी। हार्दिक को पिछले

साल टीम में वापसी पर हूटिंग का सामना करने के बाद प्रशंसकों का प्यार वापस मिल गया है और आईपीएल ट्रॉफी से वह फ्रेंचाइजी के महान खिलाड़ियों की सूची में अपनी जगह पक्की कर लेंगे। हालांकि दोनों कप्तान को खिताब की तलाश में अपने सामने मौजूद मुद्दों का हल खोजना होगा। टाइटंस की टीम अधिक चिंतित होगी क्योंकि उसने प्लेऑफ से पहले लय गंवा दी है। टीम ने अपने पिछले दो मैच में हार के दौरान विरोधी टीम को 465 रन बनाने दिए और प्ले ऑफ में उसे गेंद से बेहतर प्रदर्शन करना होगा।

गुजरात के तेज गेंदबाजी आक्रमण के अगुआ मोहम्मद सिराज को पावर प्ले में टीम को सफलता दिलानी होगी। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अरशद खान को नई गेंद से संघर्ष करना पड़ा है जिससे टाइटंस की समस्याएं बढ़ गई हैं और प्रसिद्ध कृष्णा जैसे गेंदबाजों पर दबाव बढ़ गया है जो मौजूदा सत्र में 23 विकेट के साथ टीम के लिए तुरुप का पत्ता साबित हुए हैं। तेज गेंदबाजी विभाग की कमजोरियों के अलावा स्पिन ऑलराउंडर राशिद खान की प्रभावहीनता ने गेंदबाजी में टीम की मुसीबतों को और बढ़ा दिया है।

बल्लेबाजी विभाग में शीर्ष तीन बल्लेबाजों साई सुदर्शन, गिल और जोस बटलर ने टीम को प्ले ऑफ में जगह दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। बटलर लीग चरण के बाद राष्ट्रीय टीम से जुड़ने के लिए स्वदेश रवाना हो चुके हैं और प्ले ऑफ में टीम को उनकी कमी खलेगी। बटलर के विकल्प के तौर पर टीम ने कुसाल मेंडिस को टीम में शामिल किया है लेकिन देखना होगा कि वह इंग्लैंड के इस स्टार बल्लेबाज की कमी को पूरा कर पाते हैं या नहीं। टाइटंस के मध्यक्रम में मौजूद शाहरूख खान और शेरफेन रदरफोर्ड सबसे अधिक भरोसेमंद खिलाड़ियों में शामिल नहीं हैं जिससे मुंबई के खिलाफ टाइटंस की राह आसान नहीं होगी।

टाइटंस की तरह मुंबई को भी विदेशी खिलाड़ियों के जाने से नुकसान हुआ है। शीर्ष क्रम में रोहित शर्मा के साथ रेयान रिकल्टन ने अच्छा प्रदर्शन किया है लेकिन दक्षिण अफ्रीका का यह बल्लेबाज अब राष्ट्रीय टीम के साथ जुड़ चुका है। इंग्लैंड के बल्लेबाज विल जैक्स के साथ भी ऐसा ही है। इंग्लैंड की टीम से बाहर चल रहे बल्लेबाज जॉनी बेयरस्टो के अलावा रिचर्ड ग्लीसन और चरित असलंका को मुंबई ने अपने साथ जोड़ा है।

एलिमिनेटर में रोहित के साथ बेयरस्टो पारी का आगाज कर सकते हैं। मध्यक्रम में तिलक वर्मा का खराब प्रदर्शन भी मुंबई के लिए चिंता का सबब है। सूर्यकुमार ने बल्लेबाजी में मुंबई के लिए लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है और वह मौजूदा सत्र में 640 रन बना चुके हैं। अगर वह विफल रहते हैं तो मुंबई की राह बेहद मुश्किल हो जाएगी। पहले बल्लेबाजी करते हुए मुंबई के बल्लेबाज जिस रन गति से रन जोड़ रहे हैं वह भी परेशानी का सबब है और हार्दिक को इस पर ध्यान देने की जरूरत है। जसप्रीत बुमराह और ट्रेंट बोल्ट जैसे गेंदबाजों की अगुआई में मुंबई के गेंदबाज विरोधी टीम को अधिक परेशान कर रह हैं।

टीमें:

गुजरात टाइटंस : शुभमन गिल (कप्तान), साई सुदर्शन, कुमार कुशाग्र, अनुज रावत, राशिद खान, राहुल तेवतिया, शाहरुख खान, निशांत सिंधु, रविश्रीनिवासन साई किशोर, गेराल्ड कोएट्जी, जयंत यादव, अरशद खान, करीम जन्नत, शेरफेन रदरफोर्ड, महिपाल लोमरोर, वाशिंगटन सुंदर, मानव सुथार, गुरनूर बरार, इशांत शर्मा, कागिसो रबाडा, प्रसिद्ध कृष्णा, कुलवंत खेजरोलिया, मोहम्मद सिराज, दासुन शनाका, कुसल मेंडिस और जोस बटलर।

मुंबई इंडियंस : हार्दिक पंड्या (कप्तान), सूर्यकुमार यादव, रोहित शर्मा, तिलक वर्मा, बेवन जैकब्स, रॉबिन मिंज, कृष्णन श्रीजीत, नमन धीर, राज बावा, मिचेल सेंटनर, जसप्रीत बुमराह, अर्जुन तेंदुलकर, अश्विनी कुमार, रीस टॉपले, कर्ण शर्मा, ट्रेंट बोल्ट, दीपक चाहर, सत्यनारायण राजू, मुजीब उर रहमान, रघु शर्मा, जॉनी बेयरस्टो, रिचर्ड ग्लीसन और चरित असलंका।

समय : शाम 7.30 बजे।

नॉर्वे चेस टूर्नामेंटः

गुकेश की लगातार दो हार के बाद वापसीःतीसरे राउंड में वर्ल्ड नंबर-2 हिकारू को हराया

नई दिल्ली, एजेंसी। मौजूदा वर्ल्ड चेस चैंपियन डी गुकेश ने नॉर्वे शतरंज टूर्नामेंट के तीसरे राउंड में अमेरिका के हिकारू नाकामुरा को हराकर शानदार जीत दर्ज की। वर्ल्ड नंबर-2 हिकारू पर इस जीत से उन्हें तीन पॉइंट्स मिले और टूर्नामेंट में लगातार दो हार के बाद उन्होंने जोरदार वापसी की। गुकेश 29 मई 2025 यानी आज अपना 19वां जन्मदिन मना रहे हैं। इससे पहले, गुकेश को पहले दो राउंड में मैग्नस कार्लसन और अर्जुन एरिगैसी से हार का सामना करना पड़ा था।

चौथे राउंड में फैबियानो से भिड़ेंगे गुकेश इस जीत से गुकेश स्टैंडिंग में फिलहाल 5वें नंबर पर हैं। टॉप पर अमेरिका के फैबियानो कारूआना हैं। चौथे राउंड में गुकेश का सामना फैबियानो कारूआना से ही होगा। दूसरे राउंड में अर्जुन ने हराया था गुकेश को मंगलवार को दूसरे राउंड में हमवतन अर्जुन एरिगैसी के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था। इस हार के बाद वे स्टैंडिंग में सबसे निचले छठे स्थान पर पहुंच गए थे। इससे पहले, उन्हें पहले राउंड में पांच बार के वर्ल्ड चैंपियन और मौजूदा वर्ल्ड नंबर-1 मैग्नस कार्लसन के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था। गुकेश मौजूदा वर्ल्ड चैंपियन गुकेश ने दिसंबर में सिंगापुर में खेले गए वर्ल्ड चेस चैंपियनशिप में चीन के डिंग लिरेन को 7.5-6.5 से फाइनल में हराकर खिताब जीता था। 18 साल की उम्र में वर्ल्ड चेस चैंपियनशिप जीतने वाले गुकेश दुनिया के पहले प्लेयर हैं। इससे पहले 1985 में रूस के गैरी कैस्परोव ने 22 साल की उम्र में यह खिताब जीता था। गुकेश ने चीनी खिलाड़ी को 14वें गेम में हराकर यह टाइटल जीता था। 25 नवंबर को चैंपियनशिप का फाइनल शुरू हुआ था, 11 दिसंबर तक दोनों के बीच 13 गेम खेले गए।

गुकेश ने चेस ओलिंपियाड भी जिताया था 10 से 23 सितंबर तक पिछले साल बुडापेस्ट में चेस ओलिंपियाड का आयोजन हुआ था। भारत ओपन और विमेंस दोनों कैटेगरी में चैंपियन बना था। ओपन कैटेगरी में गुकेश ने ही फाइनल गेम जीतकर भारत को जीत दिलाई थी।

बैडमिंटनः

सात्विक और चिराग सिंगापुर ओपन के क्वार्टर फाइनल में, सिंधू और प्रणय बाहर

सिंगापुर, एजेंसी। सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की भारतीय पुरुष युगल जोड़ी ने यहां सिंगापुर ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया लेकिन पूर्व विश्व चैंपियन पीवी सिंधू हार के साथ टूर्नामेंट से बाहर हो गईं।

सात्विक और चिराग ने दूसरे दौर के मुकाबले में साबर कार्यमन गुटामा और मोह रेजा पहलवी इस्फहानी की सातवीं वरीयता प्राप्त इंडोनेशियाई जोड़ी के खिलाफ पहला गेम गंवाने के बाद वापसी करते हुए एक घंटे 14 मिनट तक में 19-21 21-16 21-19 से जीत हासिल की। ??अगले दौर में भारतीय जोड़ी का सामना गोह से फेई और नूर इज्जुद्दीन की दूसरी वरीयता प्राप्त मलेशियाई जोड़ी से होगा। पिछले कुछ हफ्तों से फिटनेस समस्याओं से जूझने के बाद वापसी कर रही भारतीय जोड़ी ने शानदार प्रदर्शन किया।

दो बार की ओलंपिक पदक विजेता सिंधू को हालांकि दुनिया की पांचवें नंबर की खिलाड़ी चीन की चेन यूफेई के खिलाफ 65 मिनट चले कड़े मुकाबले में 9-21 21-18 16-21 से हार का सामना करना पड़ा। विश्व रैंकिंग में 17वें स्थान पर खिसक चुकी सिंधू ने दूसरे गेम में अपनी पुरानी फॉर्म दिखाई। उन्होंने 19-12 की बढ़त बनाने के बाद दूसरा गेम 21-18 से जीता। हालांकि तीसरे और निर्णायक गेम में चीन की खिलाड़ी ने अपने दमदार स्मैश और कोर्ट पर बेहतर नियंत्रण बनाते हुए मैच जीत लिया। पहले दौर में कनाडा की वेन यू झेंग के खिलाफ 21-14, 21-9 से जीत दर्ज करने वाली सिंधू दूसरे दौर में इस लय को बरकरार रखने में नाकाम रहीं।

पुरुष एकल में भी भारत को निराशा हाथ लगी जब एचएस प्रणय प्री क्वार्टर फाइनल में फ्रांस के क्रिस्टो पोपोव के खिलाफ 16-21 14-21 से हारकर बाहर हो गए।

ऑस्ट्रेलिया ए और साउथ अफ्रीका ए के भारत दौरे का शेड्यूल जारी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने सितंबर से दिसंबर 2025 तक होने वाले ऑस्ट्रेलिया महिला क्रिकेट टीम, ऑस्ट्रेलिया पुरुष ए टीम और दक्षिण अफ्रीका पुरुष ए टीम के भारत दौरे के लिए कार्यक्रम की घोषणा की है। इस दौरान कुल 13 मैच विभिन्न प्रारूपों में खेले जाएंगे।

ऑस्ट्रेलिया महिला क्रिकेट टीम का भारत दौरा - 3 वनडे

ऑस्ट्रेलिया महिला क्रिकेट टीम भारत में तीन वनडे मैचों की सीरीज के लिए आएगी, जो 2025 में होने वाले आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप की तैयारी के लिए महत्वपूर्ण होगी। यह सीरीज चेन्नई के एम.ए. चिदंबरम स्टेडियम में खेली जाएगी। यह मैदान जिसे चेपक के नाम से भी जाना जाता है, अपनी शानदार पिच के लिए प्रसिद्ध है। यह सीरीज भारतीय महिला क्रिकेट टीम के लिए एक सुनहरा अवसर होगी, क्योंकि वे विश्व कप से पहले अपनी तैयारियों को परख सकेंगी।

टेस्ट टीम की कप्तानी करना चाहते हैं रवींद्र जडेजा

नई दिल्ली, एजेंसी। भले ही कप्तानी के दावेदारों में उनका नाम शामिल नहीं रहा हो लेकिन अनुभवी हरफनमौला रविंद्र जडेजा ने कहा कि वह एक दिन भारतीय टेस्ट टीम की कप्तानी करना चाहेंगे चूंकि अपने लंबे कैरियर में अलग अलग कप्तानों के साथ खेलकर वह इस भूमिका को बखूबी समझ गए हैं। इंग्लैंड दौरे के लिए युवा बल्लेबाज शुभमन गिल को भारतीय टेस्ट टीम का कप्तान बनाया गया जबकि ऋषभ पंत उप-कप्तान होंगे।

क्या वह भारत के टेस्ट कप्तान बनना चाहते हैं, यह पूछने पर 36 वर्ष के जडेजा ने भारत के पूर्व क्रिकेटर रविचंद्रन अश्विन के यूट्यूब चैनल पर कहा, 'हां, बिल्कुल। इतने सालों में मैंने अलग-अलग कप्तानों के साथ खेला है। मुझे हर कप्तान की शैली के बारे में पता है और यह भी समझता हूं कि खिलाड़ी क्या सोचते हैं और चाहते हैं। भारत के लिए 2012 में पहला

टेस्ट खेलने वाले जडेजा ने महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी में तीनों प्रारूपों में पदार्पण किया था और आईपीएल में भी उनकी कप्तानी में चेन्नई सुपर किंग्स के लिये खेले। जडेजा ने कहा, 'हर कप्तान की अपनी शैली होती है।

मैंने हर प्रारूप में महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी में खेला है और उनकी सोच बिल्कुल सरल है। अगर उन्हें लगता है कि कोई बल्लेबाज एक ही जगह पर शॉट खेल सकता है तो वहां वह फील्डर जरूर लगाएंगे।

टेस्ट क्रिकेट से रोहित शर्मा के संन्यास के बाद अश्विन ने जडेजा को कप्तान बनाने का समर्थन किया था। उन्होंने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा था, 'हम रविंद्र जडेजा को क्यो भूल जाते हैं। अगर नया कप्तान चाहिए तो मैं कहूंगा कि दो साल के लिए किसी अनुभवी को कमान सौंपने के बाद नए व्यक्ति को बागडोर दी जानी चाहिए।

जडेजा ने यह भी कहा कि टेस्ट टीम की बजाय टी20 में कप्तानी अधिक कठिन है। उन्होंने कहा, 'टेस्ट क्रिकेट में आपको गेंदबाज की जरूरत के मुताबिक दो या तीन फील्डर में बदलाव करना होता है, बल्लेबाज के हिसाब से नहीं। उन्होंने कहा, 'टेस्ट क्रिकेट में कप्तानी अलग है। इसमें ज्यादा माथापच्ची नहीं करनी होती। यह आईपीएल या टी20 की तरह पेचीदा नहीं है, जहां हर गेंद अहम होती है।

आज से शुरू होगा इंडिया ए बनाम इंग्लैंड लायंस टेस्ट मैच, ये हैं लाइव स्ट्रीमिंग डिटेल्स और दोनों टीमों का स्क्वाड

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के इंग्लैंड के लंबे टेस्ट दौरे की शुरुआत इंग्लैंड लायंस के खिलाफ इंडिया ए की अनौपचारिक टेस्ट सीरीज के प्रारंभिक चरण से होगी। दोनों देशों की 'ए' टीमें 30 मई से दो प्रथम श्रेणी मैच खेलेंगी। इसके बाद इंडिया ए 20 जून से शुरू होने वाली टेस्ट सीरीज से पहले भारत की सीनियर टेस्ट टीम से भिड़ेगी। बंगाल के सलामी बल्लेबाज अभिमन्यु ईश्वरन इंडिया ए टीम की अगुआई करेंगे। इसमें कई ऐसे खिलाड़ी भी शामिल हैं, जो बाद में टेस्ट टीम से जुड़ेंगे। समरसेट के जेम्स रेव पहली बार इंग्लैंड लायंस की अगुआई करेंगे। वह 2 मैच की चार दिवसीय सीरीज में इंडिया ए का सामना करेंगे। शुरुआती 15 खिलाड़ियों वाली इंग्लैंड लायंस में उभरते हुए प्रतिभाशाली और अनुभवी खिलाड़ियों का मिश्रण है। इसमें क्रिस वोक्स भी शामिल हैं, जो टखने की चोट के बाद वापसी कर रहे हैं।

पाकिस्तान की जीत में चमके हसन अली और सलमान आगा, बांग्लादेश को दी 37 रनों से पटखनी

नई दिल्ली, एजेंसी। पाकिस्तान ने बुधवार पाकिस्तान की जीत में चमके हसन अली और सलमान आगा, बांग्लादेश को दी 37 रनों से पटखनी

को लाहौर में खेले गए पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में बांग्लादेश को 37 रनों से हराकर तीन मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली। हसन अली ने अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी (5/30) और शादाब खान के शानदार ऑलराउंड प्रदर्शन ने पाकिस्तान की जीत में अहम भूमिका निभाई।

पाकिस्तान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए कप्तान सलमान आगा (56 रन, 34 गेंद) और शादाब खान (48 रन, 25 गेंद) की आतिशी पारियों की बदौलत 20 ओवर में 7 विकेट खोकर 201 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया। जवाब में बांग्लादेश की टीम हसन अली की घातक गेंदबाजी

और शादाब के दो विकेटों (2/26) के सामने 164 रनों पर सिमट गई।

सलमान और हारिस की साझेदारीः पाकिस्तान की शुरुआत अच्छी नहीं रही। सलमान और फखर जमान पारी शुरू करने उतरे, लेकिन पहले ही ओवर में सलमान आउट हो गए। महेदी हसन ने उन्हें पहली गेंद पर रिटर्न कैच पकड़ा। अगले ओवर में शोरिफुल इस्लाम ने फखर को इनस्विंगर पर बोल्ड कर दिया। शोरिफुल ने इस विकेट के साथ टी20 में अपने 50 विकेट भी पूरे किए। हालांकि, मोहम्मद हारिस (31 रन, 18 गेंद) ने आक्रामक शुरुआत की और शोरिफुल के एक ओवर में तीन चौके जड़कर दबाव बनाया। कप्तान सलमान ने भी महेदी के खिलाफ तीन चौके लगाए, जिससे पावरप्ले में पाकिस्तान ने 50 रन पार किए। हारिस सातवें ओवर में आउट हुए, लेकिन सलमान ने हसन नवाज के साथ मिलकर पारी को संभाला। किस खिलाड़ी की वजह से गिल बने भारतीय टेस्ट कप्तान और कैसी है इंग्लैंड दौरे के लिए टीम इंडिया, सुनील गावस्कर ने बताया

सलमान और नवाज ने दी पारी को रफ्तारः सलमान ने तंजीम हसन और रिशाद हुसैन के खिलाफ आक्रामक रुख अपनाया। उन्होंने स्कूप शॉट्स और लेट कट्स के साथ अपनी बल्लेबाजी का जौहर दिखाया। नवाज़, जो हाल ही में पीएसएल 2025 में अपने प्रदर्शन से चर्चा में थे, ने रिशाद के खिलाफ पहला छक्का जड़ा।

धक्का दिया, हेलमेट खींचा...

मैदान पर लड़ बैठे बांग्लादेश-साउथ अफ्रीकी क्रिकेटर अंपायर को भी किया किनारे

नई दिल्ली, एजेंसी। बांग्लादेश और साउथ अफ्रीका की इमर्जिंग टीमों के बीच ढाका में चार दिवसीय मुकाबले के दौरान जो कुछ मैदान पर हुआ, उसने जेंटलमैन गेम्स को शर्म कर दिया. इस मैच के दौरान खिलाड़ियों के बीच ततनाव इतना बढ़ गया कि बात हाथापाई तक पहुंच गई. बांग्लादेश के गेंदबाज और साउथ अफ्रीका के तेज गेंदबाज के बीच पहले कहासुनी हुई, फिर मामला एक दूसरे पर हाथ उठाने तक पहुंच गया. इसी बीच अंपायर्स ने खिलाड़ियों को अलग भी किया. लेकिन इसके बावजूद दोनों में कहासुनी होती रही.

यह विवाद बांग्लादेश के 22 वर्षीय बल्लेबाज रिपोन मंडल और साउथ अफ्रीका के 29 वर्षीय गेंदबाज शेपो एंतुली के बीच हुआ. दोनों के बीच कहासुनी हुई और फिर दोनों एक-दूसरे से भिड़ गए.

इस बात को लेकर कमेंट्री पैनल पर भड़के डिविलियर्स

कभी-कभी कमेंटेटर्स एक ही कहानी पर अटक जाते हैं...

नई दिल्ली, एजेंसी। लखनऊ के एकाना स्टेडियम में मंगलवार को खेले गए आईपीएल 2025 के लीग मैच में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) और लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के बीच रोमांचक मुकाबला देखने को मिला। इस मैच में क्वालिफायर 1 में जगह बनाने के लिए महत्वपूर्ण जीत की जरूरत थी, लेकिन लखनऊ ने कप्तान ऋषभ पंत के शानदार शतक की बदौलत 227 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया। आरसीबी के गेंदबाजों को जोश हेजलवुड की अनुपस्थिति में काफी आलोचना का सामना करना पड़ा, लेकिन टीम के पूर्व दिग्गज खिलाड़ी एबी डिविलियर्स ने कमेंट्री बॉक्स से की गई नकारात्मक टिप्पणियों पर कड़ा ऐतराज जताया। अपने यूट्यूब चैनल पर बात करते हुए डिविलियर्स ने कमेंटेटर्स की आलोचना पर अपनी नाराजगी जाहिर की। उन्होंने कहा, मैंने कल रात कमेंट्री सुनी और मुझे बहुत गुस्सा आया। जब हम गेंदबाजी कर रहे थे, तब कमेंटेटर्स इतने नकारात्मक थे। वे बार-बार कह रहे थे, 'आरसीबी की गेंदबाजी दबाव में है। ऐसा लगता है कि वे इसे संभाल नहीं पाएंगे। एक बार फिर फॉर्म में चल रही टीम अपनी लय खो रही है।' लेकिन क्या आपने यह सोचा कि शायद यह बल्लेबाजी के लिए बहुत अच्छी पिच थी? सभी

समझदार कमेंटेटर्स से मैं कहना चाहता हूं, क्या आपने इस संभावना पर विचार किया कि यह बल्लेबाजी के लिए शानदार सतह थी? डिविलियर्स ने आगे कहा, वे बार-बार कह रहे थे कि आरसीबी की गेंदबाजी इकाई फिर से खराब फॉर्म में है। मैंने मैच देखते हुए सोचा कि कभी-कभी कमेंटेटर्स एक ही कहानी पर अटक जाते हैं। हां, यह सच है कि आरसीबी ने अभी तक कोई खिताब नहीं जीता, लेकिन यह कहना कि 'फिर वही हो रहा है, गेंदबाज नाकाम हैं, वे बेकार हैं,' बिना मैदान पर हो रही चीजों का ठीक से विश्लेषण किए यह कहना आलसी रवैया है। ऋषभ पंत 60-कुछ गेंदों पर 118 रन कठिन पिच पर नहीं बनाएंगे। पिच से बल्लेबाजों को मदद मिल रही थी जिसकी वजह से एलएसजी के सभी बल्लेबाज वहां सहज दिख रहे थे। उन्होंने यह भी जोड़ा, हां, कुछ मौकों पर गेंदबाजी खराब थी। लेकिन हमें बड़े दृष्टिकोण से देखना चाहिए। एक ऐसी पिच पर 227 रन, जो आमतौर पर इतनी आक्रामक बल्लेबाजी का सपोर्ट नहीं करती, लेकिन अगर रन बने हैं तो साफ तौर पर कहा जा सकता है कि ये पिच बल्लेबाजों के लिए ही थी। आरसीबी अभी भी मुकाबले में थी; वे पूरी तरह से हावी नहीं हुए थे, और उन्होंने इसे साबित भी किया।

संक्षिप्त समाचार

बेटी से दुष्कर्म के आरोपी अजय देव रिहा

कैलिफोर्निया, एजेंसी। अमेरिका की एक अदालत ने कैलिफोर्निया के रहने वाले एक व्यक्ति को रिहा करने का आदेश दिया है। इस व्यक्ति पर गोद ली हुई नाबालिग बेटी से ही दुष्कर्म का आरोप लगा था और दोषी पाए जाने पर 378 साल की सजा हुई थी। अब अदालत ने माना है कि व्यक्ति को झूठे आरोप लगाकर फंसाया गया। आरोपी की पहचान नेपाल मूल के अजय देव (58 वर्षीय) के रूप में हुई है। अजय जेल में 16 साल की सजा काट चुके हैं। अजय देव अमेरिका में वाटर इंजीनियर के तौर पर काम करते थे। साल 1998 में उन्होंने सपना देव को अपने गृह राज्य नेपाल से गोद लेने का फैसला किया। अजय और उनकी पत्नी सपना को अपने साथ अमेरिका ले आए। सपना ने ही अजय पर दुष्कर्म के आरोप लगाए थे। अदालत ने माना है कि साल 2004 में सपना का अपने प्रेमी के साथ ब्रेकअप हुआ था और सपना इसका जिम्मेदार अजय को मानती थी। बाद में सपना ने अजय पर कई वर्षों तक उसका यौन शोषण करने का आरोप लगाया था। बीते दिनों सपना ने ही कुछ परिचितों से कहा कि उसने अजय पर झूठे आरोप लगाए हैं। उन्हीं लोगों की गवाही के आधार पर अजय को छोड़ दिया गया।

न्यूयार्क में डॉ. अच्युत सामंत के नाम पर शोध संस्थान स्थापित

न्यूयार्क , एजेंसी। अमेरिका की सिटी यूनिवर्सिटी ऑफ न्यूयॉर्क (सीयूएनवाई) ने भारतीय शिक्षाविद, समाजसेवी एवं कीट और कीस के संस्थापक डॉ. अच्युत सामंत के सम्मान में शोध संस्थान स्थापित किया गया है। संस्थान का नामकरण 'अच्युत सामंत इंडिया इनिशिएटिव क्यूनीक्रेस्ट इंस्टिट्यूट (एएसआईआईसीसीआई) किया गया है। यहां अमेरिकी छात्रों को भारत और ओडिशा की सांस्कृतिक विरासत, आदिवासी विकास और शिक्षा के क्षेत्र में डॉ. सामंत के योगदान पर शोध का अवसर मिलेगा। हाल ही में सीयूएनवाई के ब्रॉन्क्स कम्युनिटी कॉलेज के अध्यक्ष डॉ. मिल्टन सैटियागो ने कीट और कीस का दौरा किया था और डॉ.अच्युत सामंत के कार्यों से अत्यधिक प्रभावित हुए थे। संस्थान के उद्घाटन समारोह डॉ. सामंत को सीयूएनवाई केका सर्वोच्च सम्मान 'प्रेसिडेंशियलमेडल' भी प्रदान किया गया। डॉ. सामंत ने कहा कि यह उपलब्धि उनके लिए और ओडिशा सहित कीट और कीस-परिवार के लिए गर्व का क्षण है।

पाकिस्तान में हिंदू महिला का अपहरण कर कराया धर्म परिवर्तन, जबरन निकाह

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान में हिंदू समुदाय की महिला का अपहरण कर जबरन धर्म परिवर्तन कराकर मुस्लिम से निकाह करा दिया गया। बुधवार को अपहृत महिला का पति और उसके चार बच्चे मामला रखने के लिए मीरपुरखास में दरावर इत्तेहाद पाकिस्तान के दफ्तर आए। हिंदुओं के अधिकारों के लिए आवाज उठाने वाले शिवा काची ने कहा, पीड़ित महिला का नाम शहबाज खासखेली है। उन्होंने कहा, पुलिस ने अभी तक एफआईआर दर्ज नहीं की है। काची ने कहा अब हम अदालत का दरवाजा खटखटाएंगे। पीड़िता के पति ने कहा, पिछले हफ्ते शहबाज खशखेली और उसके आदमियों ने उसकी पत्नी को उसके घर के पास से अगवा कर लिया था। दो दिन बाद वह उसे एक धार्मिक मदरसे में ले गए और उसे इस्लाम कबूल करा दिया। इसके बाद उसकी मर्जी के बिना उसका निकाह करा दिया। पति ने कहा, क्या पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों के साथ यही न्याय है।

बांग्लादेश कुकी उग्रवादियों की पनाहगाह बन रहा

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश कुकी उग्रवादियों की पनाहगाह बनता जा रहा है। बीते कुछ माह से प्रतिबंधित आतंकी संगठन कुकी चिन नेशनल फ्रंट (केएनएफ) की गतिविधियों में यहां तेजी देखी गई है। इस बीच चटगांव में केएनएफ की बड़ी साजिश का भंडाफोड़ हुआ है। सुरक्षा एजेंसियों ने चटगांव की एक फैक्ट्री पर छापा मारकर करीब 30 हजार सैन्य वर्दियां जब्त कीं, जिनकी कीमत 20 करोड़ टका आंकी गई है। चौंकाने वाली बात यह है कि 10 हजार वर्दियां पहले ही उग्रवादियों तक पहुंच भी चुकी हैं। सूत्रों के मुताबिक, ये वर्दियां एक गुरिल्ला युद्ध के लिए तैयार की गई थीं। प्रारंभिक जांच के अनुसार, इस साजिश के तहत भारत के मणिपुर और मिजोरम, म्यांमार के चिन और रखाइन राज्य, तथा बांग्लादेश के चटगांव हिल ट्रैक्ट्स को एक साथ दहला देने की तैयारी थी। खुफिया रिपोर्टों में यह भी सामने आया है कि ब्रह्मस्र के पास तीन हजार प्रशिक्षित उग्रवादी हैं, जिनमें से लगभग एक हजार को हाल ही में गुरिल्ला वॉरफेयर की विशेष ट्रेनिंग दी गई है। केएनएफ ने बांग्लादेश में अलकायदा से जुड़े अंसार संगठन से हाथ मिलाया खुफिया एजेंसियों के अनुसार केएनएफ ने बांग्लादेश में अलकायदा समर्थित आतंकी संगठन अंसार अल इस्लाम से गठजोड़ किया है। सूत्रों के मुताबिक, केएनएफ के कई उग्रवादियों को अंसार के आतंकी शिविरों में गुरिल्ला वॉरफेयर और आत्मघाती हमलों की ट्रेनिंग दी गई है। बदले में, केएनएफ ने अंसार को पहाड़ी इलाकों में छिपने के लिए सुरक्षित पनाहगाह और रसद समर्थन देने की पेशकश की है। यह गठजोड़ बांग्लादेश, भारत व म्यांमार के लिए चिंता का कारण बन सकता है। बांग्लादेश-भारत-म्यांमार के संबंधों में कड़वाहट का फायदा उठा रहा केएनएफ अगस्त 2024 में बांग्लादेश में शेख हसीना की सत्ता का तख्तापलट व फरवरी 2021 में म्यांमार में सैन्य तख्तापलट हुआ।

इलॉन मस्क ने ट्रम्प सरकार का साथ छोड़ा, कहा- राष्ट्रपति को थैंक्यू

ट्रम्प के बिग ब्यूटीफुल बिल के खिलाफ थे, इसे फिजूलखर्ची बताया था

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। टेस्ला के मालिक और अमेरिकी अरबपति इलॉन मस्क ने ट्रम्प प्रशासन छोड़ दिया है। उन्होंने भारतीय समय के मुताबिक गुरुवार सुबह 5.30 बजे सोशल मीडिया एक्स पर यह जानकारी दी। मस्क ने कहा कि स्पेशल गवर्नमेंट एंप्लायी के तौर पर मेरा समय पूरा हुआ। उन्होंने इस जिम्मेदारी के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प को धन्यवाद भी दिया। ट्रम्प ने मस्क को डिपार्टमेंट ऑफ गवर्नमेंट एफिशिएंसी (डीओजीई) का जिम्मा दिया था। जिसका काम सरकार की फिजूलखर्ची कम करना था।

ट्रम्प के बिग ब्यूटीफुल बिल के खिलाफ थे मस्क : मस्क के इस्तीफे की स्पष्ट वजह सामने नहीं आई है, लेकिन वे उस बिल का विरोध कर रहे थे जिसे ट्रंप ने बिग ब्यूटीफुल बताया था। मस्क ने कहा था कि डीओजीई का मकसद खर्चों में कटौती करना है और यह बिल उसके खिलाफ है।

इस्तीफे के एक दिन बाद कार्यकाल खत्म होना था : जानकारी के मुताबिक ट्रम्प ने राष्ट्रपति बनने के बाद डीओजीई प्रमुख के तौर पर मस्क की नियुक्ति 30 मई 2025 तक के लिए ही की थी। यानी जब मस्क ने इस्तीफा दिया, उसके एक दिन बाद ही उनका कार्यकाल खत्म हो रहा था। बिग ब्यूटीफुल बिल के 5 पॉइंट्स, जिनसे मस्क नाराज इनकम टैक्स और एस्टेट टैक्स में 2017 में की गई कटौती को स्थायी बनाना, टैक्स कटौती को बढ़ाने का भी प्रस्ताव। ओवरटाइम, टिप्स, और सोशल सिक्योरिटी इनकम पर टैक्स कटौती का प्रस्ताव, व्हाइट हाउस का कहना है कि सालाना 30 से 80 हजार डॉलर की कमाई वालों को अगले साल 15 प्रतिशत कम टैक्स देना होगा। अवैध इमिग्रेश रोकने के लिए बॉर्डर सिक्योरिटी और अमेरिकी सेना को मजबूत करने पर ज्यादा खर्च करना। सरकार में फिजूलखर्ची, धोखाधड़ी और दुरुपयोग रोकने के लिए कड़े इंतजाम। डेब्ट सीलिंग यानी सरकार कितना कर्ज ले सकती है, उसकी सीमा बढ़ाना। ये सीमा समय-समय पर बढ़ानी पड़ती है ताकि सरकार अपने बिल और खर्चे चुका सके। सरकार से अलग, ट्रम्प से भी दूरी के संकेत मस्क ने डीओजीई छोड़ने से एक दिन पहले अमेरिकी टीवी चैनल सीबीएस को दिए इंटरव्यू में कहा - राजनीति में जितना करना था कर लिया। अब चंदा नहीं दूंगा। वॉशिंगटन पोस्ट को दिए इंटरव्यू में मस्क ने कहा था- फेडरल ब्यूरोक्रेसी की हालत जितनी सोची थी, उससे कहीं ज्यादा खराब है। ये दोनों बयान संकेत है कि मस्क राजनीति से दूरी बनाएंगे। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक मस्क अब सरकारी भूमिका से हटकर फिर से टेस्ला और स्पेसएक्स जैसी अपनी कंपनियों पर ध्यान देने जा रहे हैं। मस्क और ट्रम्प के बीच पहले भी मतभेद रहे ओपन एआई ने 22 मई को यूएआई में एक बड़ा एआई डेटा सेंटर बनाने का कॉन्ट्रैक्ट जीता था। मस्क की कंपनी एक्स एआई ने भी सौदे में शामिल होने की कोशिश की थी, लेकिन वे नाकाम रहे। अपनी विरोधी कंपनी को कॉन्ट्रैक्ट मिलने के बाद मस्क ने ट्रम्प के सलाहकार डेविड सैक्स और बाकी अधिकारियों की निष्पक्षता पर सवाल उठाए थे। ट्रम्प की टीम नाराज, क्योंकि 100 मिलियन डॉलर का वादा किया, दिए नहीं मस्क ने 2024 के अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में ट्रम्प के लिए 250 मिलियन डॉलर खर्च किए थे। उन्होंने 2026 के मिडटर्म इलेक्शन से पहले ट्रम्प की टीम को 100 मिलियन डॉलर देने का वादा किया था। लेकिन अभी तक यह रकम नहीं दी गई, जिससे ट्रम्प के कई सहयोगी नाराज हैं। मस्क को सीक्रेट जानकारी देने की खबर से सरकार की किरकिरी न्यूयॉर्क टाइम्स ने 20 मार्च 2025 को अपनी रिपोर्ट में दावा किया कि मस्क को पेंटागन में चीन के साथ संभावित जंग को लेकर 21 मार्च को एक टॉप सीक्रेट ब्रीफिंग दी जाने वाली है। यह ब्रीफिंग 'द टैंक' नाम के एक स्पेशल रूम में दी जाने वाली थी। यह खबर लीक होते ही ट्रम्प नाराज हो गए। उन्होंने इस खबर को फेक बताया। ट्रम्प ने कहा कि मस्क का चीन में कारोबार है। उन्हें किसी भी हाल में चीन से जुड़ी सीक्रेट जानकारी नहीं दी जाएगी। हालांकि मस्क 21 मार्च को पेंटागन गए। लेकिन वे 'द टैंक' रूम में न जाकर रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ के ऑफिस गए। कहा गया कि इस बैठक में चीन पर कोई चर्चा नहीं हुई, बल्कि डीओजीई को लेकर प्लान बने।

कनाडा में बेकाबू हुई जंगल की आग, आपातकाल लागू, सेना बुलाई गई

ओटावा, एजेंसी। कनाडा के एक राज्य मैनिटोबा के जंगलों में लगी आग बेकाबू हो गई है। आग के चलते हजारों लोगों को विस्थापित होना पड़ा है। स्थानीय प्रशासन ने हालात को देखते हुए आपातकाल लागू कर दिया है। साथ ही सेना बुलाई गई है। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने भी सेना भेजने की अनुमति दे दी है। मैनिटोबा के प्रीमियर वैब किन्यू ने बताया कि राज्य के इतिहास का सबसे बड़ा निकासी अभियान चलाया जा रहा है। आग के चलते 17 हजार के करीब लोगों को पलायन करना पड़ा है।

5000 लोगों को शहर छोड़ने का आदेश : किन्यू ने बताया कि सेना को मदद के लिए बुलाया गया है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, मैनिटोबा के फ्लिन फ्लोन शहर के जंगलों में लगी आग बेहद खतरनाक हो गई है, जिसके चलते शहर के करीब 5000 लोगों को शहर छोड़ने का निर्देश दिया गया। शहर के मेयर ने बताया कि आग इतनी तेजी से धधक रही है कि सभी लोगों को आधी रात तक शहर छोड़ने का आदेश दिया गया है। मैनिटोबा के सस्केचेवान इलाके में भी भीषण आग लगी है, जो तेजी से बढ़ रही है। आग के चलते सस्केचेवान में 1200 लोगों को सुरक्षित निकाला गया। मैनिटोबा के जंगलों में 22 जगह आग लगी हुई है। अधिकारियों ने बताया कि पूरे कनाडा से अग्निशमन विभाग के लोग आग से लड़ने में मदद कर रहे हैं। रविवार को एक अग्निशामक गंभीर रूप से घायल हो गया। इस साल अब तक, मैनिटोबा में 102 बार आग लगने की घटनाएं हो चुकी हैं, जिसके बारे में अधिकारियों का कहना है कि यह औसत से काफी ज्यादा है। कनाडा में जंगल में आग लगने का मौसम मई से सितंबर तक चलता है। इससे पहले साल 2023 में सबसे भीषण आग लगी थी, जिसके चलते महीनों तक उत्तरी अमेरिका के अधिकांश हिस्से खतरनाक धुएं की चपेट में रहे थे।

पुर्तगाल में धुर दक्षिणपंथी चेगा पार्टी बनी मुख्य विपक्षी पार्टी

लिस्बन, एजेंसी। पूरे यूरोप में इन दिनों दक्षिणपंथी राजनीति में उभार देखा जा रहा है। यूरोपीय देश पुर्तगाल भी इससे अछूता नहीं है। पुर्तगाल के संसदीय चुनाव में धुर दक्षिणपंथी चेगा पार्टी ने सभी को चौंकाते हुए मुख्य विपक्षी पार्टी का दर्जा हासिल कर लिया है। चेगा पार्टी को दूसरी सबसे ज्यादा सीटें मिली हैं। पुर्तगाल में आमतौर पर मध्य दक्षिणपंथी और मध्य वामपंथी पार्टियां ही सत्ता में आती-जाती रही हैं। पुर्तगाल के अलावा फ्रांस में नेशनल पार्टी, इटली में ब्रदर्स पार्टी और जर्मनी में अल्टरनेटिव पार्टी अब राजनीतिक मुख्यधारा में शामिल हो चुकी हैं और बड़ी ताकत बनकर उभरी हैं। चेगा पार्टी ने छह साल पहले हुए आम चुनाव में महज एक सीट पर जीत दर्ज की थी। हालांकि अप्रवासन के खिलाफ इसके सख्त स्टैंड का पार्टी को फायदा मिला है। चेगा पार्टी ने 230 सीटों वाली पुर्तगाल संसद में 60 सीटों पर जीत दर्ज की। वहीं 88 सीटों के साथ मध्य दक्षिणपंथी डेमोक्रेटिक अलायंस को बहुमत मिला है। इस गठबंधन का नेतृत्व सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी कर रही है। मौजूदा पीएम लुइस मोंटेग्रो को एक बार फिर से सत्ता मिल सकती है।

मोहम्मद यूनुस के खिलाफ ढाका की सड़कों पर हजारों लोगों का हुजूम उमड़ा

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में अंतरिम सरकार चला रहे मोहम्मद यूनुस के खिलाफ गुस्सा बढ़ता जा रहा है। बुधवार को ढाका की सड़कों पर हजारों लोगों को हुजूम उमड़ा और फासीवाद खत्म करो के नारे लगते रहे। बांग्लादेश की पूर्व पीएम बेगम खालिदा जिया की पार्टी बीएनपी के लोगों ने यह आंदोलन किया, जिसमें देश भर से हजारों लोगों की भीड़ जुटी। राजधानी के सभी मुख्य मार्ग पूरी तरह जाम दिखे तो वहीं आंदोलन के चलते पूरा कामकाज भी थम गया। बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी की रैली में जल्दी ही आम चुनाव कराने की मांग की गई। इन लोगों की मांग थी कि इस साल के अंत तक ही चुनाव हो जाने चाहिए। वहीं मोहम्मद यूनुस कई बार दोहरा चुके हैं कि इस साल के अंत तक चुनाव कराना मुश्किल होगा। उनका कहना है कि जून 2026 तक चुनाव कराए जा सकते हैं। लेकिन बीएनपी समेत कई दलों का कहना है कि चुनाव पहले ही हो जाने चाहिए। बांग्लादेश के सेना प्रमुख वकार-उज-जमां की भी यही राय है कि इसी साल के अंत तक इलेक्शन करा लिए जाएं। साफ है कि यदि मोहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार ने चुनाव जल्दी ही कराने का फैसला नहीं लिया तो फिर बांग्लादेश में राजनीतिक अस्थिरता का दौर देखने को मिल सकता है। बीते साल शेख हसीना को सत्ता से बेदखल किए जाने के बाद से ही मोहम्मद यूनुस

अंतरिम सरकार चला रहे हैं।

अर्थव्यवस्था के सिद्धांतों के लिए नोबेल पाने वाले यूनुस सत्ता में अब तक नाकाम ही दिखे हैं। उन पर कट्टरपंथी तत्वों को मजबूत करने के आरोप भी लगते रहे हैं। बुधवार की रैली को बीएनपी के मुखिया तारिक रहमान ने लंदन से ही वर्चुअल माध्यम से संबोधित किया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय चुनावों में देरी नहीं होनी चाहिए। इन चुनावों को साल के अंत तक ही करा लिया जाए। इस मांग को मोहम्मद यूनुस कई बार खारिज कर चुके हैं। उनका लगातार कहना है कि जून 2026 तक इलेक्शन हो पाएंगे। इस रैली को संबोधित करते हुए बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी की स्टैंडिंग कमेटी के मेंबर मिर्जा अब्बास ने कहा कि यह अंतरिम सरकार ऊपर से नीचे तक सड़ी हुई है। बीएनपी लीडर बोले- यह सरकार तो शेख हसीना से भी बुरी है यही नहीं आरोप यहां तक लगाया गया कि शेख हसीना सरकार से भी ज्यादा बदहाली अंतरिम सरकार के दौर में है। बता दें कि बीते साल जुलाई में शेख हसीना के खिलाफ आंदोलन हुआ था।

भारत संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की स्थायी सीट का हकदार, पनामा ने खुलकर किया समर्थन

पनामा सिटी , एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत की जगह पक्की करने के लिए पनामा मदद के हाथ बढ़ाए हैं। पनामा ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में स्थायी सीट के लिए भारत का समर्थन किया है। पनामा के विदेश मंत्री जेवियर मार्टिनेज आचा ने कहा, ...भारत संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में शामिल होने का हकदार है। भारत और पनामा के बीच संबंध आपसी सम्मान, साझा लोकतांत्रिक मूल्यों और समृद्धि, शांति और समावेशी विकास के लिए एक समान दृष्टिकोण पर आधारित हैं।

आतंकवाद अंतरराष्ट्रीय विवादों को सुलझाने का एक तरीका नहीं होना चाहिए

इस दौरान कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने पनामा के विदेश मंत्री जेवियर मार्टिनेज अचा के साथ बैठक के दौरान कहा, आतंकवाद अंतरराष्ट्रीय विवादों को सुलझाने का एक तरीका नहीं होना चाहिए। अगर कोई समस्या है, तो उससे निपटने के दूसरे तरीके भी हैं। आतंकवादियों को सीमा पार भेजना पूरी तरह से अस्वीकार्य है और यह बात स्पष्ट होनी चाहिए। हमें अपराधियों, हत्यारों के पीछे जाना चाहिए और हम ऐसा

करेंगे। जो लोग उन्हें सुरक्षित पनाह देते हैं, जो उन्हें सुरक्षा देते हैं, वित्तपोषित करते हैं, प्रशिक्षित करते हैं, हथियार देते हैं, भेजते हैं और उनका मार्गदर्शन करते हैं, उन्हें भी जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए। आतंकी हमलों के खिलाफ एकजुट होने की पनामा की प्रतिबद्धता एकदम स्पष्ट इससे पहले पनामा के विदेश मंत्री ने बुधवार (स्थानीय समयानुसार) को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम आतंकी हमले की निंदा की, जिसमें 26 लोग बेरहमी से मारे गए थे। विदेश मंत्री आचा ने आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में पनामा की प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हुए कहा कि कोई भी देश जो आतंकवादियों के लिए सुरक्षित पनाहगाह के रूप में काम करता है तो उसकी निंदा की जानी चाहिए। आपकी यहां की यात्रा आपकी कल्पना से कहीं अधिक का प्रतिनिधित्व करती है। आतंकवाद के खिलाफ लड़ने और इन आतंकी हमलों के खिलाफ एकजुट होने की पनामा की प्रतिबद्धता एकदम स्पष्ट है।

टैरिफ पर ट्रंप को झटका, यूएस कोर्ट ने अवैध बताया; भारत-पाक सीजफायर वाले तर्क को भी किया खारिज

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की एक व्यापार अदालत ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के 'लिबरेशन डे' टैरिफ को प्रभावी होने से रोकते हुए बड़ा फैसला सुनाया है। अदालत ने कहा कि राष्ट्रपति ने आयात शुल्क लगाने में अपने संवैधानिक अधिकारों की सीमा का उल्लंघन किया है। ट्रंप प्रशासन ने इन टैरिफ को उन देशों पर लागू करने की योजना बनाई थी जो अमेरिका को उससे अधिक निर्यात करते हैं। ट्रंप प्रशासन ने टैरिफ लगाने की वैधानिक शक्ति को हृश्धश्वक्रके तहत उचित ठहराया था। यह कानून राष्ट्रपति को राष्ट्रीय आपातकाल की स्थिति में असामान्य और असाधारण खतरों से निपटने के लिए आर्थिक कदम उठाने की अनुमति देता है। हालांकि मैनहैटन की तीन जजों की कोर्ट ऑफ इंटरनेशनल ट्रेड ने सभी दलीलों को खारिज करते हुए कहा कि कांग्रेस ने राष्ट्रपति को असीमित शक्ति नहीं दी है। अदालत ने स्पष्ट किया, संविधान के तहत अंतरराष्ट्रीय व्यापार को नियंत्रित करने का अधिकार केवल कांग्रेस के पास है, जिसे आपातकालीन शक्तियों के नाम पर राष्ट्रपति नहीं ले सकता। अदालत ने अपने फैसले में कहा, यह अदालत राष्ट्रपति द्वारा टैरिफ का उपयोग कितनी बुद्धिमता से किया गया, उस पर कोई टिप्पणी नहीं करती। यह उपयोग इसलिए अवैध है क्योंकि कानून इसकी अनुमति नहीं देता, न कि इसलिए कि यह अनुचित या अप्रभावी है। कोर्ट ने अपने फैसले में यह भी कहा कि यदि आईईईपीए की व्याख्या इस तरह की

जाए कि वह राष्ट्रपति को असीमित टैरिफ लगाने की शक्ति दे, तो यह असंवैधानिक होगी। ट्रंप प्रशासन ने अदालत में दावा किया कि इन टैरिफ का उद्देश्य सिर्फ व्यापारिक नहीं, बल्कि रणनीतिक था। अधिकारियों ने कहा कि भारत और पाकिस्तान के बीच मई की शुरुआत में हुए तनाव के दौरान ट्रंप ने हस्तक्षेप कर और टैरिफ रणनीति का इस्तेमाल कर दोनों परमाणु संपन्न देशों के बीच युद्ध को टालने में भूमिका निभाई। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान स्थित आतंकियों द्वारा जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को किए गए आतंकी हमले के बाद भारत ने जवाबी कार्रवाई की थी और ट्रंप प्रशासन ने टैरिफ को राजनयिक दबाव के तौर पर इस्तेमाल किया।

नमाज के बाद हमला करने वाला था पाक, लेकिन भारत ने बरसा दी ब्रह्मोस मिसाइलें; शहबाज का कबूलनामा

लाचिन , एजेंसी। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने बुधवार को उस रात की घटना को याद किया जब भारत ने आतंकी ठिकानों और बाद में पाकिस्तानी एयरबेसों पर हमला बोल दिया था। इस दौरान उन्होंने यह भी कहा कि पाकिस्तान भारत पर सुबह की नमाज के बाद हमले की योजना बना चुका था, लेकिन उससे ठीक पहले भारत ने ब्रह्मोस मिसाइलों से पाकिस्तान के सैन्य ठिकानों पर हमला बोल दिया। अजरबैजान के लाचिन में पाकिस्तान-तुर्की-अजरबैजान त्रिपक्षीय शिखर सम्मेलन को संबोधित करते हुए शहबाज शरीफ ने यह बातें कही हैं। शहबाज शरीफ ने कहा कि पाकिस्तान की सेना फजर की नमाज के बाद सुबह 4.30 बजे भारत पर हमला करने वाली थी। लेकिन जब तक कि ये समय आता उससे पहले ही भारत ने ब्रह्मोस मिसाइल से हमला कर पाकिस्तान के कई सैन्य ठिकानों और कई राज्यों पर अटैक कर दिया। भारत ने नूर खान (रावलपिंडी) और मुरीद (चकवाल) को तबाह कर दिया। आपको बता दें कि जब पाकिस्तान प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ यह बात कबूल कर रहे थे, तब उनके सामने पाकिस्तान के नए नवेले चीफ ऑफ स्टाफ फील्ड मार्शल आसिम मुनीर भी बैठे हुए थे। बाद में उन्होंने भरी सभा में मुनीर को खड़ा कर परिचय कराया। इस दौरान उन्होंने यह भी कहा कि दोनों पक्षों को एक साथ बैठकर कश्मीर, पानी और आतंकवाद सहित मुद्दों का समाधान करना चाहिए। यह इस सप्ताह भारत और पाकिस्तान के बीच वार्ता के लिए दबाव बनाने वाला उनका दूसरा ऐसा बयान था। इससे पहले तेहरान में शरीफ ने सोमवार को कहा कि वह सभी विवादों को हल करने के लिए भारत के साथ बातचीत करने के लिए तैयार हैं। हालांकि भारत ने यह स्पष्ट

कर दिया है कि वह पाकिस्तान के साथ केवल पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर की वापसी और आतंकवाद के मुद्दे पर ही बातचीत करेगा।

शरीफ ने कहा, हमें शांति के लिए एक साथ बैठकर बातचीत करनी चाहिए। ऐसे मुद्दे हैं जिन पर तत्काल ध्यान देने की आवश्यकता है और उन्हें बातचीत के माध्यम से हल किया जाना चाहिए। मैंने पूरी विनम्रता से कहा है कि हम क्षेत्र में शांति चाहते हैं। इसके लिए उन मुद्दों पर बातचीत की आवश्यकता है जिन पर तत्काल ध्यान देने और सौहार्दपूर्ण समाधान की आवश्यकता है। संयुक्त राष्ट्र और सुरक्षा परिषद के प्रस्तावों के अनुसार कश्मीर का मुद्दा और कश्मीर के लोगों की आकांक्षाओं पर बातचीत होनी चाहिए।

आपको बता दें कि 22 अप्रैल को पहलगाम हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ गया, जिसमें 26 लोगों की जान चली गई। भारत ने 7 मई की सुबह पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में आतंकी ढांचे पर ऑपरेशन सिंदूर के तहत सटीक हमले किए। इसके बाद पाकिस्तान ने 8, 9 और 10 मई को भारतीय सैन्य ठिकानों पर हमला करने की कोशिश की। भारत ने पाकिस्तानी कार्रवाइयों का कड़ा जवाब दिया। उसके कई ठिकानों को मिसाइल अटैक कर तबाह कर दिया।

सिटी टाइगर

विन्ध्य टाइगर | सीधी, शुक्रवार 30 मई 2025 | 8

लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर की 300वीं जन्म जयंती के अवसर पर आयोजित संगोष्ठी में मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि लोकमाता में सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय की भावना थी।

लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर में सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय की भावना थी : उप मुख्यमंत्री

लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर की 300वीं जन्म जयंती के अवसर पर संगोष्ठी का हुआ आयोजन

रीवा। लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर की 300वीं जन्म जयंती के अवसर पर आयोजित संगोष्ठी में मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि लोकमाता में सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय की भावना थी। उनके चरित्र के स्मरण मात्र से मन गर्व और श्रद्धा से भर जाता है। उनके द्वारा किए गए जन कल्याणकारी कार्य सर्वदा याद किए जाते रहेंगे। लोकमाता के चरित्र का अनुसरण करने से व्यक्ति के मन में जो संस्कार आएंगे उससे वह वैसा ही व्यवहार करेगा और भारत को विश्वगुरू बनाने का संकल्प पूरा होगा।

अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय के पंडित शंभूनाथ शुक्ल सभागार में आयोजित संगोष्ठी में उप मुख्यमंत्री ने कहा कि कृतज्ञ देश लोकमाता अहिल्याबाई का पुण्य स्मरण कर रहा है। उनकी न्यायपूर्ण शासन व्यवस्था, कौशल व धार्मिक प्रवृत्ति का लोहा सम्पूर्ण विश्व मानता है। स्टीवन गार्डन ने लोकमाता के बारे में अपनी राय देते हुए लिखा है कि वह न्यायप्रिय सुशासन व धर्म परायण शासक थीं। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि लोकमाता अहिल्याबाई ने सोमनाथ, काशी विश्वनाथ सहित अनेक ज्योतिर्लिंगों के मंदिरों के जीर्णोद्धार का कार्य कर सनातन को दृढ़ता प्रदान की। जिससे हमारा देश मजबूत हुआ। उन्होंने धर्म की ध्वजा को सामने रखकर आंतरिक सुरक्षा को भी मजबूत किया। घाटों का निर्माण कराकर जल संरक्षण का संदेश दिया। शासक से सुशासक बनकर राजमाता लोकमाता बनीं। श्री शुक्ल ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हमारे देश में लोकमाता के विचारों का अनुसरण कर देश को समृद्धशाली बनाने का कार्य किया जा रहा है। आर्थिक समृद्धि के साथ कृषि के क्षेत्र में समृद्धशाली बनकर आज हम विश्व की चौथी सबसे बड़ी इकॉनामी के तौर पर स्थापित हुए हैं। प्रधानमंत्री जी समर्पण भाव से देश के विकास के लिए कार्य कर रहे हैं। ऑपरेशन सिंदूर के द्वारा हमने अपनी आंतरिक सुरक्षा का भी लोहा मनवाया है। हमारे देश के सभी दलों के सांसदों का प्रतिनिधि मण्डल दुनिया में ऑपरेशन सिंदूर की कहानी बता रहे हैं। उप मुख्यमंत्री ने लोकमाता के 300वीं जन्म जयंती के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम के लिए आयोजकों को बधाई देते हुए कहा कि इस कार्यक्रम के माध्यम से लोकमाता द्वारा स्थापित मापदण्डों को आत्मसात करें और 300 वर्ष पूर्व एक वीरांगना नारी द्वारा स्थापित मापदण्डों का स्मरण करें।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलगुरू अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय प्रो. राजेन्द्र कुड़रिया ने कहा कि लोकमाता अहिल्याबाई ने अपने 28 वर्ष के शासनकाल में 5827 धार्मिक स्थलों का पुनरूद्धार किया। उन्होंने धार्मिक भावना से ऊपर उठकर समरसता के भाव से कार्य किए। कुलगुरू ने कहा कि सनातन धर्म एक विचार है जो सभी को लेकर आगे बढ़ने का मार्ग प्रशस्त करता है। गंगा जैसी निर्मल चरित्र वाली अहिल्याबाई लोकमाता के साथ पुण्य श्लोका भी कहलाईं। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के तौर पर उपस्थित वरिष्ठ समाजसेवी वीरेन्द्र गुप्ता ने कहा कि लोकमाता अहिल्याबाई ऐसी विरली महिला थीं जो सामान्य घर में पैदा होकर राजरानी बनीं और समाज के लिए समर्पित भाव से कार्य कर लोक कल्याण के कार्यों के कारण लोकमाता कही जाने लगीं। उन्होंने राजधर्मों के पालन के साथ देव स्थानों के पुनरूद्धार का कार्य किया। 300 वर्ष पूर्व नारी सशक्तिकरण की दिशा में उन्होंने अनेक कार्य किए। कार्यक्रम में अपने उद्बोधन में प्रज्ञा त्रिपाठी ने कहा कि लोकमाता अहिल्याबाई 300 वर्ष बाद भी स्मरणीय हैं। उनका जीवन प्रेरणास्रोत है। उनके साहस, वीरता व समाजसेवा की भावना ने उन्हें लोकमाता बनाया। आज हर बेटी को अपने में अहिल्याबाई की झलक देखनी होगी तभी बेटियों व महिलाओं में सशक्तिकरण की भावना और ज्यादा मजबूत होगी। इससे पूर्व स्वागत उद्बोधन विषय प्रवर्तन करते हुए कुलसचिव सुरेन्द्र सिंह परिहार ने कहा कि लोकमाता का चरित्र प्रेरणादायक व अनुकरणीय है। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती व लोकमाता अहिल्याबाई के चित्र के सम्मुख दीप प्रज्वलन से हुआ। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती नीता कोल, संजय द्विवेदी, राजेश सिंह सहित विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति, आचार्यगण, प्राध्यापक, छात्र-छात्राएं तथा प्रबुद्धजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन पूर्व महापौर श्रीमती ममता गुप्ता ने किया। कार्यक्रम के अंत में आभार प्रदर्शन केके तिवारी द्वारा किया गया।

अवैध नल कनेक्शनधारियों के खिलाफ ननि द्वारा निरंतर की जा रही कार्यवाही

रीवा

निगम आयुक्त डॉ0 सौरभ सोनवणे के निर्देशानुसार शहर में अवैध नल कनेक्शनधारियों के खिलाफ जलप्रदाय शाखा के अधिकारियों कर्मचारियों द्वारा निरंतर कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में दिनांक 29/05/25 को नगर निगम के जलप्रदाय शाखा द्वारा वार्ड 16 गुलाब नगर में निरीक्षण किया गया निरीक्षण के दौरान 22 अवैध नल कनेक्शन पाये जाने पर मौके पर नल कनेक्शनों को विच्छेदित करने की कार्यवाही की गई। निगम आयुक्त ने शहरवासियों से अपील की है कि अवैध रूप से नल कनेक्शन न करे एवं निर्धारित प्रक्रिया के तहत ही कनेक्शन लें अन्यथा की स्थिति में नगर निगम द्वारा वैधानिक कार्यवाही की जावेगी। कार्यवाही के दौरान जलप्रदाय शाखा के उपयंत्री श्री रवि कुमार तिवारी एवं उनका दल मौजूद रहा।

सिंगल यूज प्लास्टिक के पूर्ण प्रतिबंध हेतु विशेष जन जागरूकता अभियान चलाया गया

रीवा। निगम आयुक्त डॉ0 सौरभ सोनवणे के निर्देश पर स्वच्छ सर्वेक्षण 2025 के अंर्तगत नगर पालिक निगम रीवा की आईईसी टीम द्वारा वार्ड 18 साईं मंदिर के पास सिंगल यूज प्लास्टिक के पूर्ण प्रतिबंध हेतु विशेष जन जागरूकता अभियान चलाया गया। जिसमें सभी दुकानदारों से पॉलिथीन का उपयोग न करने की अपील की गई उनके स्थान पर कपड़े से बने झोलेए जूट से बने थैलेए कागज़ के झोले उपयोग करने की समझाइस दी गई। साथ ही सभी दुकानदारों एवं नागरिकों को समझाइश दी गई कि वो प्रतिबंधित पॉलीथिन का उपयोग न करेंए इसके उपयोग से वातावरण दूषित होता है और हमारे स्वास्थ्य में बुरा असर पड़ता है। नगर निगम ने अपील की है कि सभी दुकानदार एवं शहरवासी डस्टबिन का उपयोग करें एवं दुकानों व घरों से निकलने वाले कचरे को कचरा गाड़ी पर ही डालें। इस दौरान आईईसी टीम के सदस्य एवं नागरिकगण मौजूद रहें।

डाक विभाग में एजेंट चयन की अंतिम तिथि आज

रीवा। भारतीय डाक विभाग में डाक जीवन बीमा एवं ग्रामीण डाक जीवन बीमा के व्यवसाय अर्जन के लिए डायरेक्ट सेल्स एजेन्ट के लिए साक्षात्कार आयोजित किये जा रहे हैं। अधीक्षक डाक संभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार साक्षात्कार 30 मई तक लिए जाएंगे। आवेदक सुबह 11.30 बजे अपने समस्त दस्तावेज के साथ कार्यालय अधीक्षक डाकघर सिरमौर चौक रीवा में उपस्थित हो सकते हैं। आवेदक जो 10वीं पास हो व कम्प्यूटर का ज्ञान हो वह इंटरव्यू में भाग ले सकते है।

भारत सरकार की संयुक्त सचिव ने की जल जीवन मिशन कार्यों की समीक्षा

नियत समय में गुणवत्तापूर्ण कार्य कराएं : संयुक्त सचिव

रीवा। भारत सरकार की संयुक्त सचिव फरीदा एम नायक ने रीवा, मऊगंज व सतना जिले में जल जीवन मिशन के तहत कराए जा रहे कार्यों की गत दिवस प्रगति की समीक्षा की। रीवा कलेक्ट्रेट के मोहन सभागार में आयोजित बैठक में संयुक्त सचिव ने निर्देश दिए कि शासन की अति महत्वाकांक्षी योजना में नियत समय में सभी कार्य गुणवत्तापूर्ण कराए जाएं ताकि हर घर को स्वच्छ जल नल के माध्यम से मिलने लगे। बैठक में रीवा बाणसागर समूह जल प्रदाय योजना के संबंध में जानकारी देते हुए बताया गया कि रीवा एवं मऊगंज जिले के 1613 गांव इस योजना से लाभान्वित होंगे। अभी तक योजना में 75 प्रतिशत प्रगति हो चुकी है। मार्च 2026 तक इस योजना के कार्य पूर्ण करा लिए जाएंगे। इसी प्रकार टमस ग्रामीण समूह जल प्रदाय योजना में 675 सम्मिलित ग्रामों में लाभ मिलेगा। अभी तक 67 प्रतिशत कार्य पूरा कराया जा चुका है। इंटेक वेल जलशोधन संयंत्र, पाइपलाइन बिछाने व टंकियों के निर्माण का कार्य प्रगति पर है। इस अवसर पर बताया गया कि रीवा बाणसागर, टमस ग्रामीण समूह योजना तथा कदैला जल प्रदाय योजना से 2.79 लाख नल कनेक्शन दिया जाना प्रस्तावित है। समीक्षा के दौरान बताया गया कि सतना जिले में बाणसागर परियोजना-2 के तहत 64 प्रतिशत कार्य पूर्ण किया जा चुका है। वर्ष 2026 तक इस योजना के कार्य पूर्ण होंगे। संयुक्त सचिव ने बैठक में निर्देश दिए कि गुणवत्तापूर्ण पाइपलाइन बिछाई जाए ताकि लीकेज की संभावना न रहे। उन्होंने प्रगति की अद्यतन जानकारी निर्धारित प्रपत्र में प्रेषित करने के निर्देश बैठक में दिए। उन्होंने कहा कि विद्यालयों, ग्राम पंचायतों व स्वास्थ्य केन्द्रों में भी पानी पहुंचाने की सुनिश्चितता की जाए। बैठक में कलेक्टर रीवा श्रीमती प्रतिभा पाल, कलेक्टर सतना डॉ सतीश कुमार एस सहित महाप्रबंधक जल निगम रीवा चित्रांशु उपाध्याय, महाप्रबंधक सतना, कार्यपालन यंत्री, पीएचई संजय पाण्डेय, कार्यपालन यंत्री पीएचई मैकेनिकल डीके कनेल, जल निगम व पीएचई के अधिकारी उपस्थित रहे।

सब्जी उत्पादन कर उमाकली ने सुदृढ़ की अपनी आर्थिक स्थिति

रीवा। मऊगंज जिले के हनुमना विकासखण्ड में माजन गांव की रहने वाली उमाकली ने सब्जी उत्पादन कर अपने परिवार की आर्थिक स्थिति को मजबूत किया साथ ही वह कृषि सखी बनकर अन्य महिलाओं को भी आत्मनिर्भर बनने के लिये प्रेरित कर रही हैं। उमाकली एकल परिवार में रहकर अपने पति के साथ कृषि मजदूरी कर पहले अपना जीवन यापन करती थीं।

सीईओ जिला पंचायत ने त्योंथर में की जल गंगा संवर्धन अभियान की समीक्षा

रीवा। जिला पंचायत रीवा के मुख्य कार्यपालन अधिकारी मेहताब सिंह गुर्जर ने गत दिवस जनपद पंचायत त्योंथर में जल गंगा संवर्धन अभियान की समीक्षा की। बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत त्योंथर, परियोजना अधिकारी मनरेगा, सहायक यंत्री मनरेगा, उपयंत्री, एपीओ, एएओ, ग्राम पंचायत के सचिव तथा ग्राम रोजगार सहायक उपस्थित रहे। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने जल गंगा संवर्धन अभियान की ग्राम पंचायतवार समीक्षा की। उन्होंने कहा कि जल संरक्षण के कार्यों में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। खेत तालाब, डगवेल रिचार्ज, मनरेगा में श्रम नियोजन के कार्यों में प्रगति लाएं। प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के सर्वे, जियो टैग, आवास पूर्णता एवं मजदूरों की मजदूरी का भुगतान समय सीमा में कराएं। सभी ग्राम पंचायत सचिव और रोजगार सहायक समग्र आईडी में ई केवाईसी कार्य अभियान चलाकर शीघ्र पूरा करें। सीईओ जिला पंचायत ने समीक्षा बैठक से अनुपस्थित जनपद पंचायत त्योंथर के ग्राम पंचायत सचिवों तथा ग्राम रोजगार सहायकों को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। बैठक से अनुपस्थित ग्राम पंचायत सचिव कोरावं प्रभाकर दुबे, सचिव बारीकला श्यामाचरण मिश्र, सचिव मांगी मनोज शुक्ल, सचिव अतरैला-11 मोहितलाल कोल, सचिव गढ़ी देवेन्द्र तिवारी, सचिव रजहा अमर सिंह, सचिव सूती अरविन्द सिंह सूती तथा ग्राम पंचायत सचिव अमिलकोनी रामचन्द्र द्विवेदी को अनुशासनात्मक कार्यवाही के लिए नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए हैं।

कलेक्टर की अध्यक्षता में आज विभिन्न बैठकों का आयोजन

रीवा

कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल की अध्यक्षता में 30 मई को विभिन्न बैठकों का आयोजन किया गया है। कलेक्ट्रेट में सुबह 11 बजे से शिक्षकों के स्वत्वों के भुगतान के संबंध में विकासखण्ड शिक्षा अधिकारियों की बैठक आहूत की गई है। इसी क्रम में दोपहर 12 बजे से वर्षाकाल प्रारंभ होने से पूर्व जिले की सभी सड़कों की मरम्मत के संबंध में बैठक होगी जबकि शाम 4 बजे हिट एण्ड रन प्रकरणों की समीक्षा के उपरांत शाम 4.30 बजे आदिमजाति कल्याण विभाग से संबंधित अनुसूचित जाति एवं जनजाति के प्रकरणों में राहत राशि के आवंटन वितरण की समीक्षा की जायेगी।

विकसित कृषि संकल्प अभियान 12 जून तक

अभियान में हर जिले में तीन विशेषज्ञ दल करेंगे क्षेत्र का भ्रमण

रीवा। भारत सरकार के कृषि विभाग द्वारा खेती को उन्नत और लाभकारी बनाने के लिए विकसित कृषि संकल्प अभियान शुरू किया जा रहा है। अभियान 29 मई से 12 जून तक चलाया जाएगा। इस संबंध में कमिश्नर बीएस जामोद ने बताया है कि अभियान के तहत संभाग के सभी जिलों में अधिकारियों और कृषि विशेषज्ञों के तीन-तीन दल क्षेत्र का भ्रमण करेंगे। किसानों तथा आमजनता से संवाद करके कृषि के विकास के संबंध में सुझाव लिए जाएंगे। साथ ही किसानों को खेती को आधुनिक बनाने के लिए महत्वपूर्ण सलाह भी दी जाएगी। अभियान के दौरान खेती की उन्नत तकनीक फसलों के आधुनिक और उन्नत बीज, कृषि में किए जा रहे नवाचार, प्राकृतिक खेती, फसल विविधीकरण तथा कृषि क्षेत्र में ड्रोन तकनीक के उपयोग के संबंध में किसानों को जानकारी दी जाएगी। अभियान के दौरान किसानों को धान की सीधी बुआई, सोयाबीन फसल को रिजफेरो प्रणाली से लगाने तथा खरीफ फसल की तैयारी के संबंध में किसानों को मार्गदर्शन दिया जाएगा। जिले में भ्रमण करने वाले दल में कृषि विज्ञान केन्द्र तथा कृषि महाविद्यालय के वैज्ञानिक, राष्ट्रीय कीट निगरानी प्रणाली से जुड़े अधिकारी, प्रगतिशील किसान तथा कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन, मछली पालन एवं कृषि अभियांत्रिकी विभाग के अधिकारी शामिल होंगे। कमिश्नर ने कहा है कि सभी कलेक्टर अभियान की तैयारी बैठक आयोजित करके अभियान की रूपरेखा तैयार कर लें। प्रत्येक जिले में शासन के निर्देशों के अनुरूप तीन-तीन दल गठित कर दें। इन दलों के जिले भर में भ्रमण का कार्यक्रम तैयार करके प्रतिदिन दो से तीन ग्राम पंचायतों में अभियान का क्रियान्वयन कराएं। अभियान के दौरान कृषि तथा उससे जुड़े विभागों की सभी प्रमुख योजनाओं की जानकारी एवं उससे लाभ लेने की प्रक्रिया से किसानों को अवगत कराएं। किसानों को मृदा स्वास्थ्य कार्ड का उपयोग करके मिट्टी की जाँच कराने एवं आवश्यकता के अनुसार फसल को पोषक तत्व देने के लिए खाद के उपयोग का निर्धारण कराएं।

रीवा विकास के मामले में प्रदेश में अव्वल रहेगा : उप मुख्यमंत्री

उप मुख्यमंत्री ने 2.63 करोड़ रुपए की लागत से निर्मित विद्युत उपकेन्द्र का किया लोकार्पण

रीवा

उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि रीवा किसी भी क्षेत्र में पीछे नहीं रहेगा। विकास के मामले में यह प्रदेश में अव्वल रहेगा। यहाँ तेजी से विस्तार के कार्य किए जा रहे हैं। मीठे पानी की सुनिश्चितता के साथ ही बिजली की सुविधा व सड़कों के चौड़ीकरण के कार्य प्राथमिकता से कराए जा रहे हैं। उप मुख्यमंत्री ने 2.63 करोड़ रुपए की लागत से नवनिर्मित 33/11 केव्ही विद्युत उपकेन्द्र का लोकार्पण किया। उन्होंने विभाग द्वारा निर्धारित समय से पूर्व विद्युत उपकेन्द्र की स्थापना किए जाने की प्रशंसा की। पीटीएस चौराहे में आयोजित लोकार्पण कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारा यह प्रयास है कि रीवा को प्रदेश के महानगरों में स्थान मिले और लोग यहाँ के विकास को उदाहरण के तौर पर देखें। रीवा किसी भी क्षेत्र में पीछे नहीं रहेगा। देश व प्रदेश में विकास के लिए जो धनराशि जारी होती है उसमें रीवा की भी हिस्सेदारी हो इस बात की चिंता हमेशा रहती है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के नेतृत्व में देश व प्रदेश तेजी से विकास कर रहा है। हमारा रीवा भी पीछे नहीं रहेगा। अधोसंरचना विकास के साथ ही जनकल्याण के सभी कार्य प्राथमिकता से कराए जाएंगे। श्री शुक्ल ने विद्युत उपकेन्द्र का फीता काटकर एवं शिलापट्टिका का अनावरण कर लोकार्पण किया। उन्होंने परिसर में वृक्षारोपण भी किया। कार्यक्रम को अध्यक्ष नगर निगम व्यंकटेश पाण्डेय ने भी संबोधित किया। अधीक्षण यंत्री बृजेश कुमार शुक्ला ने तकनीकी प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। इस अवसर पर वरिष्ठ समाजसेवी वीरेन्द्र गुप्ता, दीनानाथ वर्मा, राजगोपाल मिश्रचारी, राजेश पाण्डेय, प्रदीप गौतम सुमन, मुख्य अभियंता आईके त्रिपाठी सहित विद्युत मण्डल के अधिकारी-कर्मचारी तथा स्थानीय जन उपस्थित रहे।

स्वत्वाधिकारी प्रकाशक एवं मुद्रक राजेन्द्र तिवारी द्वारा एस आर के प्रिंटिंग प्रेस विवि रोड खुटेही रीवा से मुद्रित कर जीडीसी के सामने उत्तरी करौंदिया सीधी से प्रकाशित। संपादक-राजेन्द्र तिवारी, आर.एन.आई नं. 47589/88, डाक पंजीयन : MP/SDL/DN/-30/2015-17, दूरभाष : 09424315633,7389444833